वार्षिक रिपोर्ट एवं परीक्षित लेखा

Annual Report and Audited Accounts

2016-17

NYKS
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

नेहरु युवा केन्द्र संगठन
युवा कार्यक्रम एंव खेल मंत्रालय, भारत सरकार

Nehru Yuva Kendra Sangathan
Ministry of Youth Affairs and Sports, Government of India

वार्षिक प्रतिवेदन
एवं
परीक्षित लेखा
2016–17

NYKS
नेहरु युवा केन्द्र संगठन
विश्व का सबसे बड़ा युवा नेटवर्क

साथ साथ
कल की ओर...

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार

विषय सूची

क्र. स.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन एक परिचय	5
2.	कोर कार्यक्रम	13
3.	राज्य/मंडल स्तरीय नियमित कार्यक्रम	18
4.	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजन	25
5.	विशेष कार्यक्रम एवं परियोजनायें	37
6.	अंतर्राज्यीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम	40
7.	स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लिए युवाओं की सहभागिता हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	41
8.	सरकार के विमुद्रीकरण कदम पर युवा भागीदारी – युवा सोच पर एक कार्यक्रम	45
9.	9वाँ आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम (टीवाईईपी) 2016–17	46
10.	गणतंत्र दिवस समारोह, 2017 के अवसर पर 'देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण' पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता	56
11.	मेरा मोबाइल, मेरा बैंक, मेरे बटुए पर जागरूकता और शिक्षा	61
12.	किशोर स्वास्थ्य और विकास परियोजना (एएचडीपी)	63
13.	कैशलेस प्रशिक्षण परियोजना–दिल्ली 2016–17	65
14.	एनपीवाईएडी से वित्त पोषण के साथ आयोजित कार्यक्रम	66
15.	राष्ट्रीय युवा कोर	71
16.	राजभाषा प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2016–2017	72
17.	21 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 2017 रोहतक (हरियाणा)	74
18.	अनुलग्नक	76
19.	परीक्षित लेखा	93

नेहरु युवा केन्द्र संगठन

विश्व का सबसे बड़ा युवा नेटवर्क

साथ साथ
कल की ओर...

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

एक परिचय

विकास के लिए युवा सबसे बड़ा मानव संसाधन है, इसलिए वे सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक विकास तथा तकनीकी नवप्रवर्तन के मुख्य आधार भी माने जाते हैं। देश के सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनितिक वातावरण के विकास में युवाओं की विशिष्ट जरूरतों, इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित गतिविधियों में युवाओं की सहभागिता की आव यकता है। इसलिए देश में, इसके कार्यक्रमों में और इसके साथ–साथ युवाओं पर आधारित गतिविधि के विशेषकर उनकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं से संबंधित गतिविधियों में युवाओं की सहभागिता की आवश्यकता है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन इसके लिए 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को एकजुट करने की सुविधा प्रदान करता है। विश्व में अपनी तरह के सबसे बडे जमीनी स्तर के स्वयंसेवी संगठन नेहरू युवा केन्द्र संगठन की स्थापना स्वयंसेवा, स्वयंसहायता एवं सहभागिता के सिद्धांतों पर युवाओं को दिशा देने और युवा ऊर्जा को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए की गई थी।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के जिला स्तर पर युवा कार्यक्रम एवं गतिविधियों को आयोजित करने हेतु देश भर में 623 जिला कार्यालय तथा राज्य स्तर की गतिविधियों

एवं प्रबोधन हेतु 29 मंडल कार्यालयों और गांवों पर आधारित संबद्ध युवा मंडल हैं।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण युवाओं को जुटाना, प्रेरित करना संगठित करना और गांव आधारित युवा मंडलों के रूप में लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्र विकसित करने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाना है। यह उन्हें उत्पादक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए विकसित करने और सशक्त बनाने के लिए, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में समानता, धर्मनिरपेक्षता और स्वैच्छिकवाद की भावना के साथ सक्रिय भागीदारी के रूप में स्थानीय नेतृत्व को संभालने के लिए तैयार करना है।

जमीनी स्तर पर इन युवा मंडलों के गठन का उद्देश्य है गांव स्तर पर स्वैच्छिक कार्य समूहों को तैयार करना है जो समुदाय के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ आगे आयें।

युवा एक अनिवार्य और जीवंत तथा परिवर्तनकारी महत्वपूर्ण मानव संसाधन है, जिनको भारत राष्ट्र की ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के भविष्य की जिम्मेवारी सौंपी जानी है। इसलिए देश में, इसके विकासात्मक और इसके साथ–साथ युवाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और इच्छाओं पर आधारित सहभागिता आवश्यक है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन की ताकत जमीनी स्तर पर इसके 10,081 राष्ट्रीय युवा कोर स्वयंसेवकों, युवा मंडल और महिला मंडल के सदस्यों में निहित है। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के माध्यम से ये गांव स्तरीय संगठन सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनितिक एवं वातावरणीय परिवर्तन के उत्प्रेरक का कार्य करते हैं। अब यह समूह गांवों की मजबूती और स्वावलम्बन की पहचान के साथ कार्यात्मक कार्य समूह बन गए हैं।

इन सब बातों के आलोक में देखें तो नेहरू युवा केन्द्र संगठन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक जन आंदोलन बन चुका है।

उत्पत्ति

नेहरू युवा केन्द्रों की स्थापना 1972 में गैर छात्र ग्रामीण युवाओं को आगे बढने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। राष्ट्रीय एवं सामाजिक मूल्यों पर आधारित स्वयंसेवी कार्यों पर जोर देते हुए व गांवों में विकास कार्यों के लिए युवाओं को एकत्रित करना, उनमें जागृति पैदा करना, संगठन की रणनीति है।

नेहरू युवा केन्द्र के लक्ष्य निम्नवत हैः–

- नैतिक मूल्यों और क्षमता का विकास करना जिससे युवा आधुनिक भारत के एक उत्पादक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।
- युवाओं को राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक गतिविधियों में शामिल करना।
- जाति, रंग, लिंग और धर्म के आधार पर भेदभाव किए बिना और राष्ट्र की सेवा में समान अवसर प्रदान करने हेतु उचित वातावरण के निर्माण की दिशा में कार्य करना।
- संसाधनों में आत्मनिर्भरता का अनुसरण करना।
- रोजगार सृजन, साक्षरता और परिवार कल्याण, पर्यावरण संतुलन जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र में कार्यक्रमों के प्रोत्साहन और विकास करने के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन के नेटवर्क का उपयोग करना।
- शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और विविध आमदनी सृजन गतिविधियों को शामिल करने और उसका दायरा विस्तृत करते हुए महिलाओं को सशक्त बनाना।

एक अग्रणी युवा संगठन के रूप में नेहरू युवा केन्द्र संगठन गैर छात्र ग्रामीण युवाओं को ध्यान में रखते हुए विकास गतिविधियों एवं लोगों को एकजुट करने के लिए गैर–सरकारी क्रियान्वयन संस्था के रूप में कार्य करता है।

एक संस्था से जन आन्दोलन तक

नेयुकेसं– कार्य क्षेत्र का ढ़ांचा

हमारे देश की जनसंख्या का तीन चौथाई भाग गांवों में रहता है, और राष्ट्र के सम्पूर्ण विकास का आधार उनकी प्रगति और विकास पर निर्भर करता है। ग्रामीण लोगों, विषेशकर युवाओं की जरूरतें उनके शहरी प्रतिरूप के मुकाबले अलग तरह की होती है। इस संदर्भ में नेहरू युवा केन्द्र संगठन का गठन उनकी शक्ति को गति देने और युवाओं को समुदाय की सेवा तथा स्वावलम्बन के लिए सशक्त करने के लिए किया गया।

युवा समूह उन विभिन्न समस्याओं से निपटने के लिए आगे आते हैं, जोकि स्वतः ग्रामों से निरंतर जुड़ाव आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र विकास को प्रभावित करती है।

युवाओं तक पहुँच

नेहरू युवा केन्द्र संगठन नेतृत्व, चरित्र विकास, सामुदायिक सेवा, आत्मनिर्भरता, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र व देशभक्ति को राष्ट्र के विकास के मूलभूत लक्षण के रूप में प्रोत्साहित करता है। संगठन युवाओं को इस दिशा की ओर उन्मुख करने के लिए अनेकों प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित करता है जिससे कि उनमें राष्ट्रीय पहचान एवं एकीकरण की भावना का निर्माण हो, जो भय और हिंसा से परे हों।

जिला स्तर पर ढांचा

विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को लागू करने के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन के पास देशभर में जिला युवा समन्वयकों, राष्ट्रीय युवा कोर, युवा नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षित कैडर का नेटवर्क है। यह युवा मंडल विभिन्न स्थानीय समस्याओं से निपटने के लिए आगे आते हैं जोकि स्वतः राष्ट्र विकास को प्रभावित करती है। नेहरू युवा केन्द्र संगठन की मजबूती जमीनी स्तर पर इसके युवा मंडलों एवं महिला मंडलों के विशाल नेटवर्क में निहित है और यह कार्यात्मक कार्य समूह के रुप में कार्य करती है।

लक्ष्य समूह की जरूरत के प्रति दायित्व

गैर छात्र ग्रामीण युवाओं (लक्ष्य समूह) की आवश्यकताओं, इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित कॉडर के युवा समन्वयकों, एनवाईसी, युवा नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से देशभर में विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियॉ आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्तरों पर विभिन्न विकासात्मक संस्थाएं एवं विभाग इसमें शामिल होते हैं, जिससे कि विकासात्मक योजनाओं का लाभ समाज के जरूरतमंद एवं वंचित लोगों तक पहुॅच सके।

संरचना

नेहरू युवा केन्द्र संगठन का चार स्तरीय ढांचा है। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के शीर्ष पर शासी बोर्ड (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) है। भारत सरकार के केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री शासी बोर्ड के पदेन अध्यक्ष होते है। महानिदेशक इसके कार्यकारी प्रमुख होते हैं और वे संगठन की दिन प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंध और संचालन के लिए जिम्मेदार होते हैं। देश में 29 राज्य स्तरीय कार्यालय हैं। राज्य निदेशक प्रत्येक राज्य का प्रमुख होता है और संगठन के कार्यक्रमों को सही प्रकार से कार्यान्वित कराते हैं।

जिलों में स्थापित नेहरू युवा केन्द्र कार्यालय का प्रमुख जिला युवा समन्वयक होता है। क्षेत्र में युवा आन्दोलन को नेतृत्व प्रदान करना इसकी जिम्मेवारी है। इसकी सहायता के लिए एक लेखालिपिक–सह–टंकक, एक

एमटीएस, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक जिनकी नियुक्ति युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की योजना के अनुसार की जाती है। यह सबसे महत्वपूर्ण स्तर है, जहॉ पर विचारों को वास्तविकता में बदला जाता है।

जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रत्येक जिले में एक समिति होती है जिसे "युवा कार्यक्रमों के लिए जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार समिति" (डीएसीवाईपी) कहते हैं। यह (डीएसीवाईपी) समिति जिला नेहरू युवा केन्द्र की गतिविधियों का मार्गदर्शन, सहयोग प्रदान करती है और उसकी मॉनीटरिंग भी करती है। यह वार्षिक कार्य योजना पर विचार करती है और अनुमोदन प्रदान करती है। इस समिति का गठन इस प्रकार से किया जाता है कि जिले में विकास से जुडे मुख्य संस्थानों और विभागों का इसमें प्रतिनिधित्व हो; इससे कार्यात्मक सम्पर्क बनाने और कार्यक्रमों के लिए प्रभावी संसाधन जुटाने में मदद मिलती है। समिति नेहरू युवा केन्द्रों के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग भी करती है।

ने.यु.के.सं. की मुख्य शक्ति

ने.यु.के.सं. की मुख्य शक्ति लगभग 87 लाख ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के नामांकन के साथ पूरे भारत में 3.06 लाख ग्राम स्तर युवा मंडलों के नेटवर्क में है। यह दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक बन गया है। ये युवा मंडल और महिला मंडल सामाजिक मुद्दों के समाधान, सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, जागरूकता उत्पन्न करने, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

भारत सरकार अपने ग्रामीण युवाओं पर आधारित प्रमुख संगठन नेहरू युवा केंद्र संगठन के माध्यम से, पूरे देश के जिला केंद्रों के बीच समान रूप से वितरित अपने मूल कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करती है; युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की योजनाओं को लागू करती है और अन्य विकास एजेंसियों के समन्वय और समर्थन के साथ युवा विकास और सशक्तिकरण के लिए निर्मित मंत्रालयों और केंद्र के विभागों तथा राज्य सरकारों एवं यूएनओ के विशेष कार्यक्रमों और परियोजनाओं को आरंभ करती है।

ने.यु.के.सं. और इसकी क्षेत्रीय इकाइयों के विशाल नेटवर्क के उपयोग में एक आदर्श बदलाव शुरू हो गया है। ने.यु.के.सं. ने हाल ही में एक प्रमुख पहल के रूप में भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के साथ तालमेल और प्रयासों के अभिसरण के रूप में एक ऐसी ही भूमिका स्वीकार की है। युवा मंडलों और ने.यु. के. के स्वयंसेवक अब भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं तक पहुंच के लिए पर्याप्त अवसर और उपयुक्त मंच प्रदान करते हैं।

नेहरू युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक तथा प्रेरित हैं बल्कि ये स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों की ओर भी अग्रसर हो रहे हैं। विगत वर्षों में, ने.यु.के.सं. की गतिविधियां आर्थिक और गैर–आर्थिक विकास के साथ–साथ युवा मंडल, महिला मंडल तथा ग्रामीण समुदायों की सक्रिय भागीदारी सहित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों तथा कल्याणकारी गतिविधियों पर केंद्रित रही हैं। हालांकि, अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

ने.यु.के.सं. के कार्यक्रमों और गतिविधियों का उद्देश्य

2016–17 के दौरान ने.यु.के.सं. द्वारा आरंभ किए गए कार्यक्रमों और गतिविधियों का लक्ष्य ग्रामीण युवाओं

का विकास और सशक्तिकरण है। इसका उद्देश्य, देश के ग्रामीण युवाओं को गतिशील होने के लिए प्रेरित और संगठित करना; समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देकर ग्राम आधारित युवा मंडलों और महिला मंडलों जैसे लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्रों को विकसित कर उनकी क्षमता को बढ़ाना और लक्षित समुदाय को एक सार्थक, उत्पादक और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम करना है।

कार्यक्रमों और गतिविधियों का एक अन्य उद्देश्य समानता, धर्मनिरपेक्षता और स्वैच्छिक सेवा की मूल भावना के साथ स्थानीय नेतृत्व को सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारों के रूप में कार्य करने, जिम्मेदार नागरिक के रूप में व्यवहार करने और शांति स्थापना तथा राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में योगदान देने के साथ–साथ अपनी जरूरतों, मुद्दों और कमजोरियों के साथ ही संरचनात्मक और अंतर्निहित कारकों को संबोधित करने में सक्षम करना है।

ध्यान केंद्रित और संबोधित किये जा रहे क्षेत्र

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान ने.यु.के.सं. ने ग्रामीण युवाओं और सामान्य रूप में ग्रामीण समुदायों के लाभ हेतु और अधिक कार्यक्रम एवं गतिविधियां प्रदान करने के लिए संसाधन जुटाने पर बल देते हुए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपने 10 कोर कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया है। मूल कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा मंडल नेटवर्क को मजबूत बनाना और युवा मंडल के सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना है। ये कार्यक्रम सभी जिलों के ने.यु.के.सं. के लिए एक समान हैं।

ने.यु.के.सं. ने गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूह के गठन, नागरिक शिक्षा, सामाजिक मुद्दे, वृक्षारोपण सहित पर्यावरण जागरूकता, स्वच्छ भारत मिशन – स्वच्छता एवं साफ–सफाई अभियान; एचआईवी/एड्स सहित स्वास्थ्य जागरूकता, नशीली दवाओं और शराब के सेवन की रोकथाम, शिक्षा, रक्तदान, योग, स्वैच्छिक सेवा और आपदा न्यूनीकरण सहित युवाओं में लोकतांत्रिक नेतृत्व विकसित करने की दिशा में योगदान करने वाली समन्वय गतिविधियां भी आरंभ की हैं।

उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपनाई गई रणनीतियाँ

- ने.यु.के.सं. द्वारा देश भर में लगभग 10,081 ने.यु.के. स्वयंसेवक तैनात किए गए थे। जिनमें से लगभग 1000 कंप्यूटर साक्षर थे ताकि ये ई–शासन को बढ़ावा देने और युवा मंडल एवं महिला मंडल प्रोफाइल को अद्यतित करने में जिला ने.यु.के.सं. की सहायता कर सकें।

- तैनात किए गए ने.यु.के. स्वयंसेवक बल की सेवाओं का इष्टतम उपयोग किया गया। इस प्रयोजन के लिए, उन्हें वर्तमान ने.यु.के.सं. की वार्षिक कार्य योजना, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एनपीवाईडी योजना और समन्वय गतिविधियों जैसे ऊपर उल्लिखित है पर ध्यान केंद्रित करने के चिह्नित क्षेत्रों की अपेक्षाओं के अनुसार प्रशिक्षित किया गया।

- एक जिले में स्थित ब्लॉकों और गांवों की संख्या के आधार पर, ने.यु.के. के स्वयंसेवकों को ने.यु.के.सं. के मूल कार्यक्रमों, एनपीवाईएडी की योजना के कार्यान्वयन, लक्षित समन्वय गतिविधियों और उनके संबंधित आवंटित क्षेत्रों में आगे की कार्यवाही की गतिविधियों के लिए युवा मंडल और महिला मंडल वाले गांवों के समूहों में तैनात किया गया।

- ने.यु.के. के मूल कार्यक्रम के तहत शामिल किए गए युवा प्रेरित थे और उन्होंने अपने–अपने गांवों में जागरूकता और शिक्षा के वैसे ही कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहयोग किया था। इस प्रयोजन के लिए, उन्हें चिन्हित मुद्दों पर नामित ने.यु.के. स्वयंसेवकों और संसाधन व्यक्तियों द्वारा

प्रशिक्षित किया गया, जिसमें वे ने.यु.के.सं. मूल कार्यक्रम के तहत अनुभव प्राप्त कर चुके थे।

- परिणाम का अंदाजा लगाने के लिए, प्रत्येक ने.यु.के. स्वयंसेवी को लक्ष्य सौंपा गया था।

समन्वय, अभिसरण और तालमेल

ने.यु.के.सं. के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने हेतु अधिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य विकास विभागों, एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों से समन्वय और संबंध स्थापित करने पर जोर दिया गया था। इस दिशा में निम्नलिखित पहलें की गई हैं:

- कार्यक्रम की उचित योजना बनाना, समन्वय, कार्यान्वयन, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अपेक्षित परिणाम के साथ जिला ने.यु.के.सं. के प्रभावी कार्यकरण की निगरानी के लिए जिला ने.यु.के. संगठनों में उपायुक्त/जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में युवा कार्यक्रमों पर जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी) की बैठकों का आयोजन किया गया।
- इसी प्रकार, संबंधित राज्य निदेशकों द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री तथा विकास एजेंसियों के प्रमुखों तथा अन्य गैर–सरकारी सदस्यों की अध्यक्षता में युवा कार्यक्रम पर राज्य सलाहकार समिति (एसएसीवाईपी) की बैठकें आयोजित की गईं।
- जिला एवं राज्य ने.यु.के. संगठनों से विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यकरण और अन्य परिचालन क्षेत्रों में एनएसएस और एनसीसी के साथ प्रभावी अभिसरण/तालमेल स्थापित करने के लिए कहा गया है। इस संबंध में क्रमशः ने.यु.के.सं. एवं एनएसएस के साथ–साथ एनसीसी युवा/स्वयंसेवा/कैडेटों के बीच एक–दूसरे के कार्यक्रमों में अभिसरण/तालमेल की हद पर प्रकाश डालते हुए कार्य योजना विकसित की गई है।
- पहचाने गए ध्यान केंद्रित क्षेत्रों और स्थानीय आवश्यकताओं के लिए युवाओं के विकास और सशक्तिकरण की परियोजनाओं की मंजूरी के लिए मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों के बीच सम्पर्क स्थापित किए गए थे।

जन प्रतिनिधियों की भागीदारी

पूरे भारत में विभिन्न स्तरों पर ने.यु.के.सं. के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में जन प्रतिनिधियों अर्थात् माननीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद के सदस्यों के साथ–साथ विकास विभागों और एजेंसियों के प्रमुखों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और भागीदारी रही।

नेहरू युवा केंद्र संगठन (ने.यु.के.सं.) की उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान ने.यु.के.सं. ने अपने 10 मूल कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा मंडल नेटवर्क को मजबूत बनाना और युवा मंडल सदस्यों का क्षमता निर्माण था। ये कार्यक्रम सभी जिलों के ने.यु.के.सं. के लिए एक जैसे हैं। इसके अलावा, ने.यु.के.सं. ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ–साथ अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रमों को समन्वित किया ताकि ग्रामीण युवाओं और सामान्य रूप से, ग्रामीण समुदायों के लाभ के लिए और अधिक कार्यक्रम और गतिविधियां प्रदान की जा सकें।

संगठनात्मक संरचना
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार
शासी बोर्ड
मुख्यालय
राज्य कार्यालय (29)
नेहरू युवा केन्द्र (623)
राष्ट्रीय युवा कोर (10,081)
युवा मंडल/महिला मंडल

वर्ष 2016–17 में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के शासी बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	शासी बोर्ड सदस्यों की स्थिति
1	श्री विजय गोयल	युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	अध्यक्ष
2	डॉ. ए.के. दूबे	सचिव (युवा मामले)	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
3	श्री शेखर राव पैराला	प्रतिष्ठित व्यक्ति	उपाध्यक्ष
4	श्री दिलीप सेकिया	प्रतिष्ठित व्यक्ति	उपाध्यक्ष
5	श्री दिनेश प्रताप सिंह	प्रतिष्ठित व्यक्ति	उपाध्यक्ष
6	श्री प्रवेश साहिब सिंह	संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
7	श्री नलिन कुमार कटील	संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
8	श्रीमती रुपा गांगुली	संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
9	श्री इंजेती श्रीनिवास	सचिव (खेल)	सदस्य
10	सुश्री किरन सोनी गुप्ता	अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय	सदस्य
11	ले.जनरल विनोद वशिष्ठ	महानिदेशक – एन.सी.सी.	सदस्य
12	श्री ललित कुमार गुप्ता	संयुक्त सचिव (युवा मामले)	सदस्य
13	श्री नवीन अग्रवाल	निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना	सदस्य
14	श्रीमती लता पिल्लई	निदेशक – आरजीएनआईवाईडी	सदस्य
15	श्री राजीव कपूर	निदेशक –एलबीएसएनएए	सदस्य
16	श्री शिव राज	प्रतिष्ठित व्यक्ति	सदस्य
17	श्रीमती रानी निघोत द्विवेदी	प्रतिष्ठित व्यक्ति	सदस्य
18	मेजर जनरल दिलावर सिंह (सेवानिवृत्त)	महानिदेशक – नेयुकेसं	सदस्य सचिव

नेहरू युवा केन्द्र संगठन में दिनांक 17.04.2017 को स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या

क्र.सं.	पद का पदनाम	कुल स्वीकृत पद	कार्यरत व्यक्ति	प्रतिनियुक्ति पर	यू.एन.वी.डी. वाई.सी.	रिक्तियां
	ग्रुप ए					
1	महानिदेशक	1	1			0
2	निदेशक	4	1	1		2
3	संयुक्त निदेशक	1	4			–3
4	मंडल निदेशक	18	10			8
5	उप निदेशक	56	31			25
6	सहायक निदेशक	9	11	2		–4
7	जिला युवा समन्वयक	623	229	25	25	344
8	सहायक निदेशक (रा.भा.)	1	1			0
	कुल	**713**	**288**	**28**	**25**	**372**
	ग्रुप बी					
9	लेखा अधिकारी	4	0			4
10	प्रशासनिक अधिकारी	18	0			18
11	अनुभाग अधिकारी	5	0			5
12	विधि अधिकारी	1	1			0
13	निजी सचिव – महानिदेशक	1	0			1
14	सहायक लेखा अधिकारी	19	3			17
15	कनिष्ठ कम्प्यूटर प्रोग्रामर	19	0			19
16	निजी सचिव – अध्यक्ष	1	0			1
17	वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	0			1
18	कनिष्ठ लेखा अधिकारी/एकाउटेंट	23	3			20
19	आशुलिपिक–I	12	9			3
20	सहायक प्रशिक्षण एवं खोज सहायक	45	4	2		39
21	ईडीपी सहायक	1	1			0
22	लाईब्रेरियन	1	0			1
23	ऑडिटर	2	0			2
	कुल	**153**	**21**	**2**		**130**
	ग्रुप सी					
24	कनिष्ठ एकाउटेंट	4	0			4
25	कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	0			4
26	लेखालिपिक–सह–टंकक	688	464			218
27	आशुलिपिक–II	27	5			22
28	यू.डी.सी.	6	5			1
29	कनिष्ठ लिपिक	30	13	1		15
30	वाहन चालक	70	41			29
31	एमटीएस	578	514			40
	योग ©	**1407**	**1042**	**1**		**364**
	कुल योग (ए+बी+सी)	**2273**	**1351**	**31**	**25**	**866**

कोर कार्यक्रम

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा आयोजित कोर कार्यक्रमों का विवरण

ए) कोर कार्यक्रम

महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ–साथ कोर कार्यक्रमों कासंक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है –

1. युवा मंडल विकास कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा मंडलों के विद्यमान नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने और विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन–धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन और निर्मल भारत अभियान के तहत शौचालयों का निर्माण करना, प्रचार/प्रसार करना था। यह कार्यक्रम दैनिक कार्यों के बजाय अभियान के रुप में कार्यान्वित किया गया था। अभियान के दौरान युवाओं को ग्राम आधारित युवा मंडलों के नेटवर्क के माध्यम से इन योजनाओं के बारे में एकत्रित एवं जागरुक किया गया था। उन्हें इन योजनाओं को अपनाकर लोकप्रिय बनाने के लिए भी प्रेरित किया गया था। अन्य लोगों को इन योजनाओं के लाभों के बारे में जानकारी देने और सम्मिलित करने के लिए भी प्रेरित किया गया था। टीम के सदस्यों ने युवा नेताओं, ग्राम पंचायत प्रधानों एवं सदस्यों और अन्य विचारक नेताओं के साथ मिलकर चर्चा की।

उन्होंने नेहरु युवा केन्द्र और इसके वार्षिक कार्य योजना 2016–17 के बारे में सूचनाओं का प्रचार/प्रसार किया और युवा मंडलों की वर्तमान स्थिति का सत्यापन किया और उनके युवा मंडल की प्रोफाईल, सदस्यों के विवरण को निर्धारित प्रपत्र में अद्यतन किया। संबंधित जिला नेहरु युवा केन्द्र द्वारा युवा मंडल प्रोफाईल को नेयुकेसं की वेबसाईट पर ऑनलाईन दर्शाया गया है। प्रत्येक युवा मंडल विकास कार्यक्रम के आयोजन के लिए रुपये 15,000/– की राशि निर्धारित थी। इस कार्यक्रम की उपलब्धियां निम्नानुसार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
2118	1900	120174	36090	156264

'राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–1** पर दिया गया है।

2. युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण का उद्देश्य–

3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व के गुण, व्यक्तित्व के विकास और उनमें सामुदायिक विकास पहल के लिए उनकी कौशल क्षमता को बढ़ाना है, जिससे कि वे सामान्य रुप से जनमानस और विशेषकर युवाओं के बीच सरकार एवं अन्य विकासात्मक विभागों और युवाओं के लिए विकासात्मक एजेंसियों की विभिन्न योजनाओं का प्रचार–प्रसार कर सकें और सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रुप में कार्य कर सकें। युवा

नेतृत्व और सामुदायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक आयोजन के लिए रुपये 88,000/– निर्धारित किए गए थे। इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
2118	1769	51027	24562	75589

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–2** पर दिया गया है।

3. खेलकूद को प्रोत्साहन

i) (युवा मंडलों हेतु खेलकूद सामग्री)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति को विकसित करना है। खेलकूद गतिविधियों के लिए मूलभूत खेलकूद सामग्रियों की खरीद हेतु युवा मंडलों को सहायता प्रदान की गई है। गांवों में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक युवा मंडल को रूपये 3,000/– की खेल सामग्री आवंटित की गई है (रुपये 1,000/– फुटबाल सहित) ।इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
22765	21371

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–3** पर दिया गया है।

ii) ब्लॉक एवं जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता

ने.यु.के.सं. द्वारा स्थापित युवा मंडलों के बीच ग्रामीण खेलों को प्रोत्साहित एवं लोकप्रिय करना है। इस कार्यक्रम का एक और उद्देश्य खेल गतिविधियों को दैनिक प्रक्रिया और ग्रामीण भारत की जीवन शैली के अनुसार बनाना है और युवाओं को उनकी प्रतिभा उजागर करने के अवसर उपलब्ध कराना है। खेलों का चयन जिला नेहरु युवा केन्द्र द्वारा संबंधित ब्लॉक में, उपलब्ध खेल के ढ़ांचों और खेल के मैदानों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक समूह एवं जिला स्तरीय अंतर युवा मंडल खेल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए क्रमशः रुपये 18,000/– और रुपये 30,000/– उपलब्ध कराये गये थे। प्रत्येक खेल प्रतियोगिता की अवधि 2 दिन की थी या कार्यक्रम की आवश्यकता के आधार पर थी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्धियां निम्नानुसार हैं –

स्तर	निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
			पुरुष	महिला	कुल
ब्लाक	1933	1781	187892	49002	236894
जिला	623	519	73175	19041	92216

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–4 और 4ए** पर दिया गया है।

4. कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसयूटीपी)

यह कार्यक्रम सभी 623 जिलों में लागू किया गया था। यह प्रयास उनके रोजगार को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित, प्रतिष्ठित/मान्यता प्राप्त कौशल विकास एजेंसियों के सहयोग से रोजगार कौशल आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को चलाकर किया गया। प्रत्येक कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए 3 माह हेतु रुपये 30,000/– और दो माह के लिए रुपये 15,500/– प्रति पाठ्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां इस प्रकार हैं–

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
5112	4751	20338	108205	128543

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–5** पर दिया गया है।

5. लोक, कला और संस्कृति को प्रोत्साहन देना

ग्रामीण युवाओं को उनकी लोककला और संस्कृति को समझने और बढ़ावा देने के साथ–साथ उन्हें उनकी लोक कला संस्कृति का प्रदर्शन करने और इसका संरक्षण करने तथा उसे प्रोत्साहित करने की सुविधा प्रदान करना है। यह कार्यक्रम लोक गीत, लोक नृत्य और लोक साहित्य के विशेष संदर्भ में आयोजित किए गए थे। प्रत्येक लोक कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रति जिला रुपये 20,000/– का प्रावधान रखा गया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्धियां निम्नानुसार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
623	531	69698	42650	112348

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–6** पर दिया गया है।

6. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजन

कार्यक्रम को करने के पीछे का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों विशेषकर दिवस/सप्ताह जिसमें राष्ट्रीय युवा दिवस और सप्ताह शामिल है, के बारे में जागरुकता उत्पन्न करना है। इस प्रयोजन के लिए, प्रत्येक 623 जिला नेहरु युवा केन्द्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के 20 दिवसों/कार्यक्रम के आयोजन के लिए

रुपये 75,000/– के बजट का प्रावधान किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
12460	12322	859973	465459	1325432

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–7** पर दिया गया है।

7. जिला युवा सम्मेलन और युवा कृति

जिला युवा सम्मेलन और युवा कृति का आयोजन सभी जिला नेयुकेसं द्वारा ग्रामीण युवा नेताओं को उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने और उन्हें स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिए अवसर तथा मंच प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवा मंडल नेताओं को उनकी रुचि के विभिन्न मुद्दों के प्रति संवेदनशील करना है जैसे राष्ट्र निर्माण में

युवा मंडलों की भूमिका, उनके रोजगार के लिए उपलब्ध अवसरों से संबंधित विषयों पर जागरुकता सृजन और किस प्रकार से विभिन्न मंत्रालयों, एजेंसियों की विभिन्न

योजनाओं/कार्यक्रमों का लाभ लिया जा सकता है आदि। जिला युवा सम्मेलन और युवा कृति के आयोजन के लिए प्रति जिला रुपये 30,000/– का प्रावधान रखा गया है। इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
623	543	105144	53952	159096

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–8** पर दिया गया है।

8. महात्मा गांधी युवा स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वच्छता एवं जल संरक्षण की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में जागरुकता उत्पन्न करना है। यह कार्यक्रम वर्ष भर चलने वाला कार्यक्रम है जिसे वर्ष 2016–17 के दौरान 150 चयनित जिलों में आयोजित किया गया। इस कार्य के लिए रुपये 1,00,000/– प्रति जिले का प्रावधान किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
150	85	10158	5267	15425

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–9** पर दिया गया है।

9. युवा आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित जिलों में युवाओं द्वारा युवाओं के लिए एक गांव को मॉडल विलेज के रुप में विकसित करना है। इसमें गांव में आयोजित गतिविधियों में गांव को खुले में शौच मुक्त कराना, 100 प्रतिशत टीकाकरण, 100 प्रतिशत बच्चों का प्राथमिक पाठशालाओं में नामांकन, सफाई, बीमारियों से बचाव, स्वास्थ्य देखभाल और सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाना आदि शामिल है। यह वर्षभर चलने वाला कार्यक्रम था। वर्ष 2016–17 के दौरान यह कार्यक्रम 200 चयनित गांवों में आयोजित किया गया। इस उद्देश्य के लिए प्रति जिला रुपये 50,000/– की राशि उपलब्ध कराई गई।

इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
200	95	23826	10620	34446

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–10** पर दिया गया है।

10. उत्कृष्ट युवा मंडलों के लिए पुरस्कार

पुरस्कार का उद्देश्य प्रदान की गई स्वैच्छिक सेवाओं की पहचान करना और युवा मंडलों को सामुदायिक विकास और कल्याण के लिए प्रोत्साहित करना है। जिन युवा मंडलों की पहचान सामाजिक बदलाव के लिए उत्प्रेरक के रूप में की गई है वे इन निम्न गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं जैसे –कौशल प्रशिक्षण, गांवों में टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों का सृजन,

राष्ट्रीय एकता, खेल, संस्कृति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पर्यावरण संवर्धन। स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक बुराईयों का उन्मूलन, सामुदायिक विकास आदि है। यह पुरस्कार जिला स्तर पर दिए गए हैं और विजेता को रुपये 25,000/– की पुरस्कार राशि दी गई, राज्य स्तर पर रुपये 1,00,000/– की पुरस्कार राशि दी गई और राष्ट्रीय स्तर पर रुपये 5,00,000/–, रुपये 3,00,000/– और रुपये 2,00,000/– की राशि से सम्मानित किया गया। युवा मंडलों द्वारा इस पुरस्कार राशि का उपयोग सामुदायिक विकास परियोजनाओं/ कार्यक्रमों में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं–

स्तर	निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
जिला	623	310
राज्य	32	13

*राज्यवार कार्यक्रम का विवरण **अनुलग्नक–11 और 11ए** पर दिया गया है।

11. युवा कार्यक्रमों के लिए जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी) की बैठकें

यह गतिविधि अपने आप में कोई युवा कार्यक्रम नहीं है बल्कि क्षेत्रगत कार्यकर्ताओं के लिए कार्यक्रम की उचित योजना, समन्वय कार्यान्वयन, पारदर्शिता और प्रबंधन हेतु प्रत्येक जिला नेहरु युवा केन्द्र के प्रभावी रुप से कार्य करने तथा अपेक्षित परिणाम के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य युवाओं के सशक्तिकरण और विकास के लिए संसाधन एकत्रीकरण करना और समंन्वय कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन और नेहरू युवा केन्द्र के बीच यदि कोई कड़ी छूटी हुई हो तो सम्पर्क स्थापित करना है। जिला स्तर का नेहरू युवा केन्द्र युवाओं को ओर अधिक सेवाएं प्रदान करने के लिए, जिला प्रशासन, जिला प्राधिकारी, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवा नेताओं से मार्गदर्शन और सुविधा हेतु संपर्क विकसित करता है।

उपर्युक्त स्वरूप का वांछित समन्वय एवं तालमेल प्राप्त करने के लिए ने.यु.के. द्वारा प्रत्येक जिले में युवा कार्यक्रमों से संबंधी जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी) गठित की जाती है। डीएसीवाईपी की वर्ष में दो बार (दूसरी और चौथी तिमाही में) बैठकें की जानी अनिवार्य है जिसके लिए इसके सदस्य सचिव अर्थात् ने.यु.के. के जिला युवा समन्वयक द्वारा पहल की जानी होती हैं। जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट इस बैठक की अध्यक्षता करता है और जिले के अन्य विकास अधिकारी अध्यक्ष के आदेशानुसार बैठक में भाग लेते हैं।

इसी प्रकार, प्रत्येक राज्य में युवा कार्यक्रमों संबंधी राज्य सलाहकार समिति (एसएसीवाईपी) गठित की गई है। एसएसीवाईपी की अध्यक्षता राज्य के माननीय युवा मंत्री करते हैं और वर्ष में दो बार इसकी बैठक होती है। न्यूनतम बैठकें आयोजित करने के लिए 623 जिला ने.यु. केन्द्रो और 29 मंडल कार्यालयों में से प्रत्येक को क्रमशः 2000/–रू. तथा 1000/–रू. और 3,000/–रू., 1,500/– दिए गए।

आयोजित बैठकों की संख्या निम्नलिखित है–

बैठक का स्तर	निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
युवा कार्यक्रमों पर जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी)	1246	359
युवा कार्यक्रमों पर राज्य सलाहकार समिति (एसएसीवाईपी)	60	10

*डीएसीवाईपी और एसएसीवाईपी की बैठकों के राज्यवार ब्यौरे **अनुलग्नक–12 और 13** में दिए गए हैं।

राज्य/मंडल स्तरीय नियमित कार्यक्रम

1. समीक्षा सह योजना बैठक

समीक्षा सह योजना बैठक आयोजित करने का उद्देश्य ने. यु.के. के चल रहे कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना और सभी संगत मुद्दों पर सहमति बनाकर रचनात्मक हस्तक्षेपों से प्रगति को मॉनीटर करना, युवा विकास एवं सशक्तिकरण के लिए अभिनव परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की योजना बनाना और युवा मंडलों/महिला मंडलों के विद्यमान नेटवर्कों को सुदृढ़ करने के लिए उपाय सुझाना तथा युवा विकास के लिए सरकार (राज्य तथा केन्द्रीय दोनों सरकारों) की चल रही स्कीमों और कार्यक्रमों के संबंध में सूचनाओं को साझा करना और शीघ्रता से समन्वय करना था।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, जरूरत पड़ने पर आकस्मिकता योजना और क्रियान्वयन हेतु कार्यनीति तैयार की गई और निष्पादित की गई। युवा मंडलों द्वारा की जाने वाली वर्षभर की गतिविधियों की सूची तैयार की गई और गतिविधियों की प्राथमिकता निर्धारित की गई।

राज्य निदेशकों ने जरूरत और अपेक्षानुसार न्यूनतम 04 बैठकें आयोजित की। प्रत्येक बैठक की अवधि एक दिन थी। जोन में कार्यरत सभी उपनिदेशकों और जिला युवा समन्वयकों को बैठकों में आमंत्रित किया गया। राज्य कार्यालयों की प्रति बैठक और प्रति उपनिदेशक एवं जिला युवा समन्वयक को 200/–रूपये दिए गए।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत हुई उपलब्धियां निम्नलिखित हैं–

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
116	90

'कार्यक्रमों के राज्यवार ब्यौरे **अनुलग्नक–14** में दिए गए हैं।

बी) अन्य विकासात्मक विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम

कोर कार्यक्रमों के अलावा, नेयुकेसं द्वारा कई समन्वय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहली बार, समन्वय कार्यक्रम को वार्षिक कार्य योजना 2016–17 का अभिन्न अंग बनाया गया है जिसमें एनवाईसी स्वयंसेवकों ने जिला युवा समन्वयक के मार्गदर्शन एवं सहयोग से युवा मंडलों को शामिल करते हुए समन्वय कार्यक्रम आयोजित किया।

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	उपलब्धियां
1	युवा मंडल सदस्यों को रोजगार कौशल विकास प्रशिक्षण के साथ जोड़ना	युवाओं की संख्या	126341
2	प्रधानमंत्री वित्तीय समावेशन योजनाओं (प्रधान मंत्री जन धन खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा बैंक (माइक्रो यूनिट विकास और पुनः वित्त एजेंसी) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, मेक इंडिया – कौशल भारत, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया और अन्य के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान करना।	ग्रामीणों की संख्या	474960

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	उपलब्धियां
3	नये जल निकायों का सृजन	जल निकायों की संख्या	15558
4	विद्यमान जल निकायों का रखरखाव/ मरममत/सुधार	जल निकायों की संख्या	8772
5	खुदाई, कीटाणुशोधन, तालाबों, कुओं की मरम्मत और गाद निकालना, प्राकृतिक पेय जल संसाधन, लघु सिंचाई चैनलों, पानी के टैंक, जल संचयन, आदि की मरम्मत एवं रखरखाव	संख्या	9032
6	शमशान घाटों की मरम्मत, खेल के मैदानों, स्कूल रखरखाव,	संख्या	3545
7	कुंओं की सफाई एवं मरम्मत	संख्या	6049
8	गांवों में जल संचयन	संख्या	6712
9	गांवों में बोरी बांध का निर्माण	संख्या	2150
10	कृषि भूमि मृदा कॉर्ड	संख्या	133699
11	ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर स्वच्छता अंबेसडर का चयन	अंबेसडरों की संख्या	3807
12	स्कूल/कॉलेजों में सफाई	स्कूल एवं कॉलेजों की संख्या	13884
13	पीएचसी/उपकेन्द्र/अस्पतालों की सफाई	संख्या	31721
14	सार्वजनिक स्थानों एवं गलियों की सफाई करने के लिए सफाई अभियान	संख्या	194008
15	जिला और राज्य कार्यालय के परिसर, शौचालयों व कूड़ा स्थानों की सफाई	संख्या	4672
16	सार्वजनिक मूर्तियों की सफाई	संख्या	31104
17	खुले में शौच मुक्त करने की प्रेरणा परिणामस्वरूप शौचालय का निर्माण	शौचालयों की संख्या	56223
18	बालवृक्ष प्लांटेशन और उनकी सुरक्षा	पौधों की संख्या	1508223
19	पॉलिथीन बैग और प्लास्टिक सामग्री एकत्रित करना जिससे कि पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरुकता उत्पन्न की जा सके।	गांवों की संख्या	93852
20	जंगली घास का उन्मूलन (जैसे गाजर घास, लांटाना, जल कुंभी आदि)	गांवों की संख्या	32984
21	रक्त दान	रक्त इकाईयों की संख्या	122527
22	स्वयंसेवी रक्त दाताओं और उनके रक्त समूहीकरण का नामाकंन	युवाओं की संख्या	140790
23	नवयुवतियों को आयरन फोलिक एसिड की गोलियों की पहुंच प्रदान करना	किशोर लडकियों की संख्या	210688
24	प्रेरित लड़कियां और उनके माता पिता जिन्होंने 18 साल की होने तक उसकी शादी को स्थगित कर दिया।	लडकियों की संख्या	132223
25	संस्थागत प्रसव सुविधा उपलब्ध कराना एवं प्रेरित करना	महिलाओं की संख्या	48144

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	उपलब्धियां
26	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	गर्भवती माताओं की संख्या	70351
27	बच्चों का टीकाकरण (0–5 साल)	बच्चों की संख्या	187235
28	मोतियाबिंद (नेत्र) का आपरेशन	रोगियों की संख्या	16620
29	स्वास्थ्य जांच शिविर (डॉट्स, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य)	शिविरों की संख्या	18439
30	स्कूलों के बच्चों का नामांकन	बच्चों की संख्या	162111
31	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं	संख्या	338909
32	वोटर आईडी कार्ड प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करना	व्यक्तियों की संख्या	134035
33	स्थानीय आवश्यकताओं एवं वरीयताओं के आधार पर लक्ष्यों के साथ योजना में जोडे गए कार्यक्रम		27115

सी) स्वच्छ भारत मिशन

भारत के माननीय प्रधानमंत्री के आव्हान पर और गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन ने 623 जिला नेहरु युवा केन्द्रों, 29 राज्य कार्यालयों और 12000 एनवाईसी स्वयंसेवकों और ग्राम आधारित युवा मंडल की सहभागिता के साथ स्वच्छ भारत मिशन का आयोजन किया गया, इस अभियान में इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए समाज के समस्त वर्गों की सहभागिता पर ध्यान केन्द्रित किया जिससे कि जनमानस में जागरुकता लाई जा सके और उनके व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सके।

इस संदर्भ में, नेयुकेसं द्वारा 25 सितम्बर, 2014 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर यह अभियान आरंभ किया गया। उसके पश्चात मैदानी

स्तर पर नेहरु युवा केन्द्रों के युवा मंडलों, एनवाईसी स्वयंसेवकों, ग्राम समुदाय की सहभागिता के साथ गतिविधियाँ आयोजित की गई। कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह के दौरान, माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, नौकरशाह, समाज के सभी वर्गों से प्रख्यात व्यक्ति शामिल थे। नेयुकेसं के 623 जिलों और 29 राज्य कार्यालय परिसरों के शौचालय और कचरा स्थानों को साफ किया गया। 15 अक्टूबर को वैश्विक हाथ धुलाई दिवस और 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस मनाया गया जिससे कि स्वच्छता के संदेश को प्रसारित किया जा सके।

युवा मंडल के सदस्यों को अपने–अपने क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। सफाई अभियान जिसमें जंगली घास का उन्मूलन, पॉलिथीन बैग और प्लास्टिक सामग्री निपटान के लिए एकत्रित करना, सार्वजनिक संपत्ति के रखरखाव (आंगनवाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आदि) सड़कों के किनारे शैड और बस स्टैंड, आम जगहों और गलियों की सफाई, श्मशान मैदानों की मरम्मत, खेल के मैदानों, स्कूल और सामुदायिक शौचालय का रखरखाव, खुदाई, कीटाणुशोधन, तालाबों, कुंओं की मरम्मत और गाद निकालना, प्राकृतिक पेय जल संसाधन, लघु सिंचाई चैनलों, पानी के टैंक, जल संचयन, आदि की मरम्मत एवं रखरखाव आदि। इन गतिविधियों को बड़े उत्साह और

उल्लास के साथ आयोजित किया गया।

साफ–सफाई और स्वच्छता शिक्षा के मुद्दों को नेयुकेसं के कार्यक्रमों का अभिन्न भाग बनाया गया और स्वच्छ भारत पर युवा मंडल नेताओं/सदस्यों/एनवाई स्वयंसेवकों और नेयुकेसं के अधिकारियों के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नेहरु युवा केन्द्रों के युवा मंडलों के सदस्यों और एनवाईसी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ शौचालयों के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है –

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	आमंत्रित युवा मंडलों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ **(25 सितम्बर, 2016)**	4492	8636	131029
2.	स्वच्छता पर गांधी जयंती का आयोजन	4541	13595	179207
3.	**विश्व हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर** को आयोजित गतिविधियों के प्रकार	3755	13437	122380
4.	**विश्व शौचालय दिवस 19 अक्टूबर** को आयोजित गतिविधियों के प्रकार	3870	9094	75693
5.	31 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान के रुप में सरदार पटेल जयंती का आयोजन	4270	14158	190513

****

डी) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

युवा मामले विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा युवाओं में नेतृत्व, कौशल विकसित करने के लिए वर्ष 2016–17 के दौरान राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) नामक एक नयी केन्द्रीय क्षेत्र की योजना शुरू की है। राष्ट्रीय युवा नेता के निम्नलिखित घटक हैं –

1. पड़ोस युवा संसद (एनवाईपी)
2. विकास कार्यक्रम के लिए युवा (वाईएफडीपी)
3. राष्ट्रीय युवा नेता पुरस्कार (एनवाईएलए)
4. राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद (एनवाईएसी)
5. राष्ट्रीय युवा विकास कोष (एनवाईडीएफ)

एनवाईएलपी योजना का उद्देश्य गांव के स्तर पर एक यथोचित संस्थागत मंच बनाना है जहां युवा अपने जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों/चिंताओं पर स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्शित कर सकें।

वर्ष 2016–17 के दौरान, ब्लॉक स्तर पर पड़ोस युवा संसद और विकास के लिए युवा कार्यक्रम (आईईसी: प्रचार और मीडिया गतिविधियाँ) एनवाईसी स्वयंसेवकों और नेयुके के युवा मंडलों की सक्रिय भागीदारी के साथ 623 जिला नेहरु युवा केन्द्रों द्वारा आयोजित किया गया।

1. पड़ोस युवा संसद

जीवंत पड़ोस युवा संसद के आकार में युवा मंडल हेतु एक मंच विकसित करने के लिए है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवा मंडल के सदस्यों को, सामान्य रूप में स्थानीय समुदायों के सम्मुख आने वाले समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में शिक्षित

करने के लिए और इस तरह के मुद्दों पर बहस/विचार विमर्श में उन्हें शामिल करना है।

इन कार्यक्रमों के दौरान प्रख्यात वक्ताओं द्वारा समकालीन मुद्दों पर सम्बोधन दिया जायेगा जैसे सुशासन, सरकारी योजनाओं में युवाओं की प्रतिभागिता, प्रधानमंत्री जन–धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, शौचालयों का निर्माण आदि।

विभिन्न युवा मंडलों के नेताओं को प्रेरित किया जायेगा कि वे अपने क्षेत्र में लौटने के बाद अपने मंडल के सदस्यों को शामिल कर इसी प्रकार की चर्चा/बहस का आयोजन करेंगे। यह कार्यक्रम मोटे तौर पर ब्लॉक और युवा संसद की तर्ज पर आधारित था। ग्राम स्तरीय सरकारी पदाधिकारी और इसके साथ–साथ ग्रामपंचायत प्रधान/सदस्य, आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता आदि को इस प्रकार के कार्यक्रमों में शामिल किया जायेगा। ग्राम स्तरीय पडोस युवा संसद ब्लॉक स्तर पर पडोस युवा संसद की अनुवर्ती कार्रवाई थी।

इस प्रकार के प्रत्येक कार्यक्रम के पश्चात सिफारिशों को तैयार किया गया और इसे संबंधित सरकारी पदाधिकारियों और इसके साथ–साथ ग्राम पंचायत को विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में उस ब्लॉक विशेष के 80 युवाओं ने **ब्लॉक स्तरीय पडोस युवा संसद में भाग लिया**। इस कार्यक्रम के तहत उपलब्धियाँ इस प्रकार से हैं –

निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	लाभार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल
11,558	9,530	5,27,650	2,21,657	7,49,307

इसके अतिरिक्त **5,26,632** लाख युवाओं को शामिल करते हुए **25,919** ग्राम स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2. विकास कार्यक्रम के लिए युवा (वाईएफडीपी)

उद्देश्यः

कार्यक्रम का उद्देश्य विशाल युवा ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना है। यह पूरे देश में एक बड़े पैमाने पर श्रम दान (स्वैच्छिक श्रम) में युवाओं को शामिल करके हासिल किया जा सकता है। यह युवाओं के व्यक्तित्व और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने और श्रम की गरिमा की भावना को बढ़ावा देंगा।

युवाओं के विकास के घटक

इसके तीन घटक हैं –

(ए) जागरुकता उत्पत्ति

(बी) आईईसी घटक–प्रचार एवं मीडिया अभियान

(सी) ब्लॉक स्तर पर युवा मंडलों को पुरस्कार

ए) जागरूकता उत्पत्ति

इसका उद्देश्य युवाओं के बीच स्वैच्छिक श्रम की आवश्यकता एवं महत्व और सामाजिक समन्वय और गांव के विकास के प्रति योगदान के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्हें अपने संबंधित गांवों में निरंतर और सामूहिक कार्रवाई के लिए भावना उत्पन्न करने के लिए उत्साहित करना है।

इस कार्यक्रम के तहत जिला नेहरु युवा केन्द्र, युवा मंडल और महिला मंडल सदस्यों में अपने सदस्यों की भागीदारी के साथ 12 महीनों में 100 घंटों तक श्रमदान करने के लिए एकत्रित, शिक्षित और प्रेरित करता है। यह रविवार को 2–3 घंटे या कामकाजी दिनों, छुट्टियों या किसी अन्य समय के दौरान आरामदायक महसूस कर किया जा सकता है। इस उद्देश्य के लिए नेहरु युवा केन्द्र लक्षित गांवों में जहां युवा मंडल और महिला मंडल हों वहां नेहरु युवा केन्द्र की जागरूकता उत्पत्ति और गतिविधियों का आयोजन कर सकता है। इस प्रक्रिया के दौरान, कार्यक्रम के तहत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की प्रकृति बारे में बताया जाता है।

इसके अलावा, इस कार्यक्रम के तहत युवा मंडल और महिला मंडलों के स्वैच्छिक प्रयासों और योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए, उन्हें स्वैच्छिक श्रम/श्रम दान के क्षेत्र में ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट युवा मंडल और महिला मंडलों को पुरस्कार देने की योजना के बारे में भी जानकारी दी गई है।

(बी) आईईसी घटक– प्रचार और मीडिया अभियान

एक तरफ जागरूकता निर्माण गतिविधियों को और मजबूत करने और युवाओं के बीच कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने एवं दूसरी तरफ विभिन्न स्तरों पर वकालत और पर्यावरण निर्माण करने के लिए, आईईसी घटक – प्रचार और मीडिया अभियान इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है।

यह गतिविधि, शिक्षा पर्चे, बैनर, मुद्रित दिशा निर्देशों, हैण्ड बिल, नारा लेखन, गांव से गांव मीडिया सर्किल कवरेज, ऑल इंडिया रेडियो/एफएम/ए एम रेडियो और स्थानीय मीडिया चैनलों पर वार्ता, रैलियाँ, प्रेस वार्ता, अभिलेखीकरण तथा सर्वोत्तम प्रचार–प्रसार की विधियाँ आदि के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

एक विशाल आईईसीः 270 जिला नेहरु युवा केन्द्र में प्रचार और मीडिया अभियान चलाया गया।

सी) ब्लॉक स्तर पर युवा मंडलों के लिए पुरस्कार

कार्यक्रम का उद्देश्य नेहरु युवा केन्द्र युवा मंडल और महिला मंडलों के बीच स्वयंसेवीवाद की भावना, स्वैच्छिक श्रम का प्रचार करना और उनके योगदान को पहचानना है।

प्रचालनः योजना ब्लॉक स्तर पर संचालित की गई थी और प्रतियोगिता ब्लॉक स्तर पर आरंभ की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियाँः

कार्यक्रम के तहत ऐसी किसी भी गतिविधि या कोई भी कार्य लिया जा सकता है, जिसमें स्वैच्छिक श्रम शामिल है और स्थानीय क्षेत्र या समुदाय के लिए उपयोगी है। स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों पर विशेष रुप से ध्यान केन्द्रित किया गया। एक उदाहरण के रूप में गतिविधियों की सूची निम्नानुसार हैः –

क) खुदाई, रखरखाव, कीटाणुशोधन, जलाशयों की गाद हटाना व मरम्मत तथा नदियों की सफाई।

ख) गाजर घास हटाना, लैंटाना और पानी जलकुंभी निकालना, ये पौधे पर्यावरण के लिए खतरा हैं। गाजर घास भी स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

ग) पौधे लगाना, खरपतवार का उन्मूलन, गांव के चरागाह भूमि का विकास, पॉलिथीन के थैलों और प्लास्टिक सामग्री के निपटान के लिए इकठ्ठा करना आदि।

घ) स्कूल भवनों, ग्राम पंचायत भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य सार्वजनिक इमारतों की सफाई, मरम्मत/रखरखाव, पुताई/चित्रकारी।

ई) गांव की सड़कों, रास्तों को जोड़ने वाले छोटे पुलों, लघु जल संचयन ढांचों, आदि का निर्माण/मरम्मत।

च) स्कूल/कॉलेज परिसरों की साफ सफाई और खेल के मैदानों का विकास/रख–रखाव।

छ) गांव की सड़कों और आम जगहों की साफ–सफाई का अभियान।

ज) जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सोख्ता गड्डे युक्त शौचालय के निर्माण में मदद करना व स्कूल या सामुदायिक शौचालय, आदि का रखरखाव।

झ) प्राचीन विरासत स्थलों का संरक्षण/सफाई/रखरखाव।

पात्रता मापदंड

यह कार्यक्रम जैसा कि स्वतः ध्वनित होता है, प्राथमिकता के आधार पर युवा मंडलों और महिला मंडल द्वारा उनके संबंधित गांवों और ग्राम पंचायतों में स्वैच्छिक आधार पर किया जाएगा। गतिविधियाँ स्थानीय पहल और संसाधन जुटाने के आधार पर आयोजित की गई। यह केवल गतिविधि की लागत को ही नहीं कम करेगा, बल्कि उनकी यात्रा, आवास और भोजन पर पैसा खर्च करने की जरूरत को भी कम करेगा।

- जिला नेहरु युवा केन्द्र से संबद्ध सभी युवा मंडल और महिला मंडल आवेदन करने के लिए पात्र थे।
- यह पुरस्कार कैलेंडर वर्ष (यानी जनवरी से दिसंबर) के दौरान युवा मंडलों द्वारा आयोजित गतिविधियों के आधार पर दिया गया था।
- चिन्हित गांव आधारित मंडल और महिला मंडलों का 12 माह में 100 घंटे श्रमदान, एक न्यूनतम कार्य होगा। यह रविवार या अल्पकार्य वाले दिवसों, छुट्टियों या किसी भी अन्य समय के दौरान जब वे सहज महसूस करते हैं तब 2–3 घंटे कर सकते हैं।
- युवा मंडल और महिला मंडल के उन सदस्यों को प्रमाण पत्र दिए गए जिन्होंने सफलतापूर्वक श्रमदान के 100 घंटे पूरे किए थे।

पुरस्कार

- प्रत्येक ब्लॉक में युवा मंडल/महिला मंडल के लिए दो पुरस्कार दिये गये।
- प्रथम पुरस्कार एक प्रमाण पत्र और रुपये 8000/– की नकद राशि।
- द्वितीय पुरस्कार के रूप में एक प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार के रूप में रुपये 4000/– की राशि।
- यह पुरस्कार जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में दिये गये।
- युवा मंडल, पुरस्कार राशि का उपयोग, सामुदायिक विकास परियोजनाओं में या युवा मंडल/महिला मंडल के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए करेंगे।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजन

1. दिनांक 21 जून, 2016 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस का राज्य, जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर देशभर में आयोजन

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने 21 जून, 2016 को भारत भर में राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर योग के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को उचित तरीके से मनाया। इस उद्देश्य के लिए, 29 राज्यों के राज्य निदेशकों और उप निदेशकों के साथ महानिदेशक, नेयुकेसं और सचिव, युवा मामलें द्वारा एक वीडियो कांफ्रेंस आयोजित किया गया था। महानिदेशक, नेयुकेसं द्वारा जम्मू और पंजाब में प्रगति और तैयारी की समीक्षा की।

आयुष मंत्रालय और अन्य संगठनों द्वारा चिह्नित किए गए एनजीओ और उनके विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग किया गया। बुकलेट (हिंदी और अंग्रेजी दोनों) और डीवीडी आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जो सभी नेहरु युवा केन्द्रों के युवा मंडलों और युवती मंडलों में परिचालित की गई थी और आवश्यक मार्गदर्शन के लिए नेयुकेसं वेबसाइट www.nyks.org पर रखी गई थी। एनएसएस, एनसीसी, भारत स्काउट्स एंड गाइड, हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड और भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ संयुक्त रुप से स्वयंसेवकों और बुनियादी ढांचे के सहयोग के लिए समन्वय स्थापित किया गया।

विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों को व्यापक रूप से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा कवर किया गया था। नेयुकेसं फेस बुक और आयुष मंत्रालय के यूआरएल पर एक्शन फोटो लगाए गए थे।

ए) राज्य स्तरीय कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने 21 जून 2016 को 17 राज्यों की राजधानियों यानी जम्मू (जम्मू–कश्मीर), लखनऊ और वाराणसी (उत्तर प्रदेश), होशियारपुर (पंजाब), बंगलौर (कर्नाटक), इम्फाल (मणिपुर), विजयावाड़ा

(आंध्र प्रदेश), भुवनेश्वर (ओडिशा), शिमला (हिमाचल प्रदेश), वडोदरा (गुजरात), कोहिमा (नागालैंड), ऐजवाल (मिजोरम), अगरतला (त्रिपुरा), गंगटोक (सिक्किम), एर्नाकुलम (केरल) और जयपुर (राजस्थान) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य स्तर की घटनाओं का आयोजन किया गया। पूरे इसके अलावा देश में जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर बड़े कार्यों का आयोजन किया गया। मेगा कार्यक्रमों में, 55,705 प्रशिक्षित युवाओं ने आम योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग का प्रदर्शन किया।

राज्य राजधानियों के कार्यक्रम के दौरान 50 योग गुरुओं को सम्मानित किया गया। 03 माननीय गवर्नर, 08 केंद्रीय मंत्री, माननीय सांसद, विधायक, महापौर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

बी) जिला स्तर के कार्यों और प्रदर्शनी

आम योग प्रोटोकॉल के अनुसार जन योग अभ्यास और प्रदर्शन के सफल संगठन के लिए 381 जिला नेहरु युवा केन्द्र में आम योग प्रोटोकॉल और प्रारंभिक गतिविधियों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। जिला नेहरु युवा केन्द्र ने आम योग प्रोटोकॉल के अनुसार बड़े पैमाने पर योग प्रदर्शन का आयोजन किया। इसके अलावा, योग के विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा योग, युवा सम्मेलन, व्याख्यान पर प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई जिसमें युवा मंडलों के 2,21,811 सदस्यों ने भाग लिया।

जिला युवा सम्मेलनों के दौरान, विषयों के विशेषज्ञों ने इस तरह के विषयों पर व्याख्यान दिए: नई सरकार की कौन सी योजनाएं और कार्यक्रम युवाओं तक पहुंचे हैं और क्या वे उनके लिए उपयोगी/फायदेमंद हैं, युवा व्यक्तिगत शारीरिक और खेल विकास, योग– भारतीय संस्कृति और विरासत (योग न केवल व्यक्ति के शरीर को विकसित करता है बल्कि दिमाग के साथ–साथ यह समन्वय और योग और बीमारियों के इलाज में इसके महत्व और उपयोगिता के लिए महत्वपूर्ण है) और युवाओं की चिंता के अन्य मुद्दों।

माननीय केंद्रीय और राज्य सरकार मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, लोक प्रतिनिधियों, डीएम/ डीसी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गतिविधियों में भाग लिया।

सी) ग्राम स्तर के कार्य

लगभग 40,903 नेहरु युवा केन्द्र के युवा मंडलों ने विशाल योग प्रदर्शन, योग विशेषज्ञों का सम्मान, योग पर विषय विशेषज्ञों और स्थानीय संसाधनों को संगठित करके अपने गांवों में अन्य गतिविधियों के बारे में बात की गई। योग दिवस समारोह के दौरान, ग्राम पंचायत प्रधान, विकास विभाग के अधिकारी, एनजीओ, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने गतिविधियों में भाग लिया। इस गतिविधियों के दौरान, 9,75,040 युवाओं ने हिस्सा लिया।

डी) ब्लॉक पड़ोस युवा संसद – 10 से 19 जून, 2016

नेहरु युवा केन्द्र युवा मंडलों को प्रेरित करने के लिए, जिला नेहरू युवा केंद्रों ने 3,879 ब्लॉक स्तरीय पड़ोस युवा संसदों का आयोजन किया जिसके लिए रु 12,000/–की राशि प्रदान की गई थी। युवा मंडलों और युवती मंडलों के 3,39,887 सदस्यों ने कार्यक्रमों में भाग लिया। एक घंटे का सत्र योग और प्रशिक्षण पर समर्पित था। इन कार्यक्रमों के दौरान, योग के लाभ पर व्याख्यान, सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग प्रथाओं का प्रदर्शन, योग पर वृत्तचित्र (डीवीडी) शो के बाद चर्चा आयोजित की गई।

संसद में भाग लेने वाले युवामंडलों के प्रशिक्षित सदस्यों को स्थानीय संसाधनों और योग विशेषज्ञों को संगठित करके अपने गांवों में योग शिविरों/प्रदर्शनों को व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित किया गया था।

पड़ोसी युवा संसद के आयोजन का उद्देश्य युवा मंडलों के सदस्यों को सामान्य रूप से स्थानीय समुदायों और विशेष रूप से युवाओं के सामने आने वाले समकालीन

सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में शिक्षित करना था और इन मुद्दों पर बहस/चर्चाओं में शामिल करना था।

इन कार्यक्रमों के दौरान, प्रतिष्ठित वक्ताओं ने समकालीन मुद्दों पर बात कीः– जैसे सुशासन, प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, शौचालयों का निर्माण आदि सहित सरकारी योजनाओं में युवाओं की भागीदारी।

विभिन्न मंडलों के युवा नेताओं को प्रेरित किया गया कि उनके संबंधित क्षेत्रों में लौटने के बाद, वे अपने मंडल से जुड़े सदस्यों के साथ समान रुप से चर्चा/बहस की व्यवस्था करेंगे।

प्रत्येक कार्यक्रम के बाद सिफारिशें प्राप्त की गई और उसे संबंधित सरकारी तंत्र और इसके साथ–साथ ग्राम पंचायतों के विचारार्थ भेजा गया था।

2. नशे के दुरूपयोग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया (26 जून)

जिला नेहरू युवा केंद्रों ने 26 जून, 2016 को अपने संबद्ध युवा मंडलों के माध्यम से नशे के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन किया गया।

युवा मंडलों ने नशीली दवाओं के कारण होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखायी। नशीली दवाओं और उनके गंभीर परिणामों पर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। युवाओं के लिए प्रमुख नागरिकों और रोल मॉडल को युवाओं को ड्रग्स और शराब का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करने हेतु आमंत्रित किया गया था। वक्ताओं का मानना था कि नशीली दवाईयों और अवैध शराब की खपत के मुद्दे के समाधान के लिए जागरूकता उत्पन्न करने और सार्थक नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है।

वक्ताओं का मानना था कि यह शर्मनाक और निराशाजनक है कि युवा सहकर्मी दबाव में शराब पी रहे हैं जोकि बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि "भाषण देना आसान है, लेकिन हम क्या ठोस कार्य करते हैं वह मायने रखता हैं"।

इस अवसर पर, युवा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और नारे लेखन, पोस्टर बनाने, निबंध लेखन, कोलाज बनाने आदि जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

3. विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन (5 जून)

विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करने के लिए, जिला नेहरू युवा केंद्रों से संबद्ध युवा मंडलों ने हमारे गांव एवं हमारे शहर को स्वच्छ बनाने के लिए जागरुकता उत्पन्न करने हेतु हरित शपथ हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। कई युवा मंडलों द्वारा गांवों में भित्तिचित्र बोर्ड लगाए गए थे, जिन पर लोगों ने बेहतर वातावरण के लिए अपने सुझाव लिखे थे। गांव वालों को जूट/कपड़ो का बैग का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया था और पॉलीथीन बैग का इस्तेमाल नहीं करने के लिए कहा गया था। हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

पर्यावरण को स्वच्छ, हरा और प्रदूषण मुक्त रखते हुए, युवाओं को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के खतरों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए एक अभियान आयोजित किया गया। पेड़ की रक्षा के लिए प्रतिज्ञा भी प्रसारित की गई थी। एक संदेशः– कि हम सभी का कर्तव्य है कि न केवल बहुतायत में पेड़ लगाए बल्कि उनकी देखभाल करें और उनकी रक्षा करें, ग्रामीणों के बीच प्रचारित किया गया।

इस अवसर पर, पेंटिंग, ड्राइंग, क्विज़, नारा लेखन आदि जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

4. विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन (11 जुलाई)

आज, जनसंख्या विस्फोट दुनिया की प्रमुख चिंताओं में से एक है। चूंकि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि का यह मुद्दा दुनिया की अन्य प्रमुख समस्याओं को जन्म दे रहा है। वर्तमान समय में जनसंख्या के तेजी से विकास के कुछ प्रमुख परिणाम गरीबी, बेरोजगारी, प्रदूषण, वनों की कटाई आदि हैं। इस विस्फोट की जांच करने की गंभीर आवश्यकता है और विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन इस दिशा में सिर्फ एक कदम है।

11 जुलाई को लिंग समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और मानवाधिकार समेत परिवार नियोजन के महत्व जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रसार के लिए दुनिया भर में विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का आयोजन वर्तमान समय में हमेशा बढ़ती आबादी के विकास और वृद्धि की दिशा में प्रकाश की किरण है। घोषणा वर्ष 1989 से हर साल यह दिवस मनाया जाता है।

पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी, जिला नेहरू युवा केंद्रों ने गांव आधारित युवा मंडलों की मदद से विश्व जनसंख्या दिवस मनाया। इस दिन को चिह्नित के लिए संगोष्ठियों, चर्चाओं, शैक्षिक सूचना सत्र, रैलियों, पेंटिंग, पोस्टर बनाने, प्रश्नोत्तरी इत्यादि जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित करना है।

5. तिरंगा यात्रा – याद करो कुर्बानी (आजादी के 70 वें वर्ष का जश्न)

कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रवाद की भावना को पुनः जागृत करना, उत्साह पैदा करना और युवाओं तथा आम लोगों के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और भारत सरकार की पहलों को प्रचारित करना था।

तिरंगा यात्रा का फोकस औपनिवेशिक ब्रिटिशवाद से आजादी की प्राप्ति का जश्न मनाने के लिए किया गया था; याद रखें और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करें और साथ ही साथ एक आम संकल्प के साथ मिलकर काम करें और देश के लिए जिएं। युवाओं को तिरंगा के महत्व और प्रोटोकॉल के प्रति संवेदन किया गया। उन्हें बताया गया कि तिरंगा विकास, सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

कवरेज और गतिविधियां

ए) 113 जिलों में तिरुंगा यात्रा का आयोजन देश में 100 प्रतिशत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (सूची संलग्न) को कवर करते हुए जीवन के सभी क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

बी) कार्यक्रमों का आयोजन स्थल शहीदों से जुड़े स्मारक या स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा चिह्नित किये गये स्थान थे। कार्यक्रम राष्ट्रीय ध्वजारोहण और राष्ट्रीय गान के गायन के साथ आरंभ हुआ।

सी) इसके बाद, प्रतिष्ठित वक्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रोटोकॉल और ध्वजारोहण पर बात की और इसके साथ–साथ बताया कि तिरंगा विकास, सामाजिक सद्भाव और एकता के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति की सच्ची भावना के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

डी) इसमें पहले औसतन 4.5 किमी की तिरंगा यात्रा जिला मुख्यालय के मुख्य लेन और बाजारों से होकर गुजरी। यात्रा के दौरान युवा और स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में राष्ट्रीय ध्वज, बैनर और पोस्टर लिए हुए थे और उन्होंने देशभक्ति नारे लगाये और गीतों का गायन किया, जिससे तिरंगामय वातावरण उत्पन्न हुआ।

ई) तिरंगा यात्रा एक पूर्व निर्धारित स्थान पर सम्पन्न हुई – विशेषतः स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा चिह्नित या शहीदों से जुड़े स्मारकों पर सम्पन्न हुई। यहाँ, विषय आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे जागरूकता उत्पन्न हुई और कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं एवं अन्य लोगों को प्रेरित किया गया।

- भारत सरकार की हालिया पहलों पर चर्चा करें।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वतंत्रता संग्राम की थीम पर एकांकी नाटक।
- स्वतंत्रता आंदोलन पर फिल्म।
- स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और उनके प्रेरणादायक जीवनी पर चर्चा।
- फेलिसिटेशन – शहीदों के परिजनों और स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व सैनिक को शौर्य/बहादुरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

च) प्रत्येक स्थान पर पांच से छह गतिविधियां आयोजित की गईं जिसमें 69,640 महिलाएं और पुरुष युवा शामिल थे, जिन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम के संदेशों को सीधे ग्रहण किया और प्रचारित किया।

गणमान्य और संदर्भ व्यक्तियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया

कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, 02 माननीय केन्द्रीय मंत्रियों, 11 माननीय संसद सदस्य, 02 माननीय स्पीकर, राज्य विधान सभाओं, 06 राज्य सरकारों के माननीय मंत्री, 37 माननीय विधायकों/एमएलसी, 13 महापौर/उप महापौर, सचिव (युवा मामले), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, महानिदेशक, नेयुकेसं, कार्यकारी निदेशक, नेयुकेसं और 17 डीएम/डीसी ने तिरुंगा यात्रा कार्यक्रम के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न गतिविधियों की शोभा बढ़ाई।

गणमान्य व्यक्तियों और संदर्भ व्यक्तियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और कार्यों पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा उनसे और तिरंगा से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया और साथ ही साथ उन्हें अपने साथियों के बीच प्राप्त ज्ञान का प्रचारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

6. स्वच्छता पखवाड़ा (16 अगस्त से 31 अगस्त)

स्वच्छता पखवाड़े के आयोजन का उद्देश्य लोगों को उनकी दैनिक गतिविधियों में से कुछ घंटे समर्पित करने और भारत की स्वच्छता की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

16 से 31 अगस्त, 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक राष्ट्रव्यापी गहन सफाई और स्वच्छता अभियान समस्त जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा एनवाईसी स्वयंसेवकों, संबद्ध युवा मंडलों, स्थानीय युवाओं और जिले के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों को शामिल करके किया गया था। नेयुकेसं ने लोगों को इस संदेश के प्रति संवेदनशील

किया कि स्वच्छ भारत अभियान– न केवल आसपास की सफाई के बारे में बल्कि पेड़ लगाने में लोगों की भागीदारी की आव यकता, कचरा मुक्त वातावरण बनाने, स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने और अंततः स्वच्छ भारत के लिए रास्ता तय करने के लिए भी है। स्वच्छ भारत अभियान न केवल नागरिकों को स्वच्छता की अच्छी आदतों को अपनाने में मदद करता है बल्कि स्वच्छता की दिशा में ईमानदारी से काम कर देश के रूप में हमारी छवि को भी बढ़ावा देता है। नेयुकेसं द्वारा दो प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया:

ए) पर्यावरण निर्माण गतिविधियां

- **प्रेरणा–** युवा मंडलों और युवा सदस्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया गया था।
- **स्वच्छ भारत मिशन का लोगो–** स्वच्छ भारत मिशन का लोगो सभी स्तरों पर अपनाया और लोकप्रिय किया गया।
- स्वच्छ स्थानों, स्वच्छता और स्वच्छता के मुख्य मुद्दों को उजागर करने वाले बैनर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए गए थे।
- स्वच्छ भारत मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सक्रिय समर्थन और मार्गदर्शन के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों की बैठकें आयोजित की गईं।
- **स्वच्छता शपथ '(प्रतिज्ञा)–** नेहरु युवा केन्द्रों और उनके संबद्ध युवा मंडलों के सभी कार्यालयों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में स्वच्छता शपथ (प्रतिज्ञा) ली।
- **इस अभियान पर और स्वच्छता की आवश्यकता पर सार्वजनिक रुप से ध्यान केंद्रित करने के लिए गतिविधियां–**इस अभियान और स्वच्छता की आवश्यकता पर सार्वजनिक रुप से ध्यान केंद्रित करने के लिए रैलियॉ, प्रभात फेरी, सफाई के लिए शॉर्ट रन, संगोष्ठियों, संदर्भ व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान, नुक्कड नाटकों, पुस्तिकाओं का वितरण और अन्य आईईसी सामग्री, दीवार लेखन और अन्य सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

बी) स्वच्छ पखवाड़े गतिविधियां

30 अगस्त से 1 सितंबर 2016 को, युवा मंडलों द्वारा गहन सफाई अभियान अपने गांव में आयोजित किया गया। सभी गतिविधियों को युवा मंडलों के स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से आयोजित किया गया था। फिर भी, अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसमें भाग लेकर इसे जन आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया गया था।

1 सितंबर, 2016 को, युवा मंडलों के सदस्यों ने दिल्ली के महत्वपूर्ण यातायात सर्कलस पर स्वच्छता के महत्व पर प्लेकार्ड प्रदर्शित करके लोगों को संवेदनशील करने का प्रयास किया।

मीडिया द्वारा स्वच्छता पखवाड़े गतिविधियों को व्यापक कवरेज दिया गया था।

7. हिन्दी पखवाडे का आयोजन (14–28 सितम्बर)

नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा 14–28 सितम्बर, 2016 तक बड़े ही उत्साह के साथ हिन्दी पखवाडे का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान अनेक प्रतियोगितायें जिसमें निबंध लेखन, नारा लेखन, सुलेख, टिप्पण एवं आलेखन सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मेलन एवं कार्यशालायें विभिन्न स्तरों पर आयोजित की गई। पखवाडे के आयोजन में ग्राम आधारित युवा मंडलों को शामिल करते हुए नेहरु युवा केन्द्रों द्वारा पखवाडे का आयोजन किया गया।

8. पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती का आयोजन (25 सितम्बर)

नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा 25 सितम्बर, 2016 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती का आयोजन देशभर में बडे उत्साह के साथ किया गया। जिले में संबद्ध युवा मंडलों और अन्य मूल पण धारियों और एनवाईसी स्वयं सेवकों को शामिल करते हुए समस्त जिला नेहरु युवा केन्द्रों द्वारा गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया।

9. गांधी जयंती का उत्सव (2अक्टूबर)

दिनॉक 2 अक्टूबर 2016 को गांधी जयंती का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र संगठन से संबद्ध युवा मंडल के द्वारा किया गया। इन कार्यक्रमों का आयोजन आपस में भाईचारे की भावना को फैलाने के लिए और भाईचारे को सही से समझने के लिए, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता की भावना लोगों में खास तौर पर युवाओं में फैलाने के लिए किया गया।

युवा मंडल से हजारों युवाओं ने शांति एवं सामाजिक एकता के प्रतीक के रुप में विभिन्न स्तरों पर आयोजित कई प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लिया। यह कार्यक्रम युवा गायकों द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना के गायन के साथ आरम्भ हुआ। गांधी जी के मनपसंद गीत **"वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड़ परायी जाणे रे"** एवं कई और भजनों का गायन किया गया।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कई अन्य कार्यक्रम भी किए गए जैसे प्रभात फेरी, सर्वधर्म प्रार्थना, गांधी जी के जीवन पर फोटो प्रदर्शनी, जागरूकता अभियान, दीवार लेखन, सफाई अभियान, कार्य शिविर (सामुदायिक विकास कार्यक्रम), सह भोज (समुदाय भोज) आदि का आयोजन भी किया गया।

10. दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) 'के रूप में स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 से 6 नवंबर, 2016 तक राष्ट्रीय एकता सप्ताह का आयोजन।

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2016 तक गांव, जिला, राज्य और राष्ट्रीय मुख्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। ये गतिविधियाँ नेयुकेसं युवा मंडलों, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से स्थानीय युवाओं और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से आयोजित की गई और इसके साथ–साथ ग्रामीणों को दिन और सप्ताह के जश्न समारोह में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पुष्प श्रद्धांजलि– सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ कार्यक्रम शुरू किए गए थे। कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में खुद को समर्पित करने तथा एकता के साथ रहने के लिए आग्रह किया ताकि एक भारत और श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत किया जा सके। यह भारत को दुनिया के सबसे महान देशों में से एक बनने में सक्षम बनाएगा।

एकता के लिए दौड– बड़ी संख्या में लोगों को विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर एकता के लिए दौड कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य देश को एकजुट करने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालना था। इस गतिविधि के माध्यम से, जनता

के बीच राष्ट्रीय एकता दिवस के बारे में जागरूकता बढ़ी। 8,597 युवा मंडलों ने अपने गांवों में एकता के लिए दौड़ कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें 6,87,792 लोगों ने भाग लिया।

शपथ ग्रहण समारोह– दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को नेयुकेसं के सभी कार्यालयों, अर्थात् राष्ट्रीय मुख्यालय, राज्यों में राज्य कार्यालयों, जिला नेहरु युवा केन्द्र और गांवों में युवा मंडलों ने अपने संबंधित कार्यालयों में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजित किया गया और सभी कर्मचारियों एवं राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक को राष्ट्रीय एकता दिवस के लिए वचनबद्ध किया गया था। राष्ट्रीय गान का गायन राष्ट्रीय एकता दिवस के उत्सव का आवश्यक घटक था। प्रमुख गतिविधियों के संचालन के बाद, प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रीय गान गाया गया था। नेहरू युवा केंद्र संगठन ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और कार्यों पर व्याख्याताओं और वार्ता का भी आयोजन किया। वक्ताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। 6,738 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 6,25,741 युवा ने भाग लियो।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक की अध्यक्षता में नेयुकेसं राष्ट्रीय मुख्यालय में भी शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम– एकता और टीम निर्माण की भावना को बढ़ावा देने के लिए, भारत भर के गांव और ब्लॉक स्तरों पर विभिन्न प्रकार के खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें हजारों खिलाड़ियों ने भाग लिया। युवाओं और स्थानीय ग्रामीणों की व्यापक भागीदारी के लिए विषय आधार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

भारत के नागरिकों के बीच एकता और सुरक्षा के संदेशों को फैलाने के साथ–साथ देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए, प्रमुख स्थानों पर बैनर प्रदर्शित किए गए थे। आईईसी सामग्री भी जनता के बीच वितरित की गई थी। ऐसी गतिविधियां 6,572 गांवों में आयोजित की गईं, जिनमें 3,68,054 लोग पहुंचे थे।

प्रतियोगिताएं – प्रश्नोत्तरी, निबंध और नारा लेखन – इस दिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य देश के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना था। वाद–विवाद, निबंध और नारा लेखन, कविता पाठ आदि की 3,588 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 1,93,752 युवाओं ने भाग लिया। बड़ी संख्या में लोगों के अलावा विशेष रूप से युवाओं ने गतिविधियों में भाग लिया।

इस अवसर ने हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे देश की अंतर्निहित ताकत और लचीलापन की फिर से पुष्टि करने का अवसर प्रदान किया। पूरे राष्ट्रीय एकता सप्ताह की गतिविधियों को प्रेस और मीडिया द्वारा व्यापक कवरेज दिया गया था।

11. नेयुकेसं स्थापना दिवस और नेहरू जयंती (14 नवंबर) का आयोजन

जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी) स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी के साथ 14 नवंबर, 2016 को पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस

मनाया गया। इस अवसर पर, सद्भावना, शांति, एकता, राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

युवा मंडल को अपने स्थानीय गांवों में वर्ष भर स्थानीय संसाधनों को एकत्रित कर कार्यक्रम और गतिविधियॉं करने के लिए प्रेरित किया गया।प्रेरणा के एक परिणाम के रूप में, कई युवा मंडलों ने पंडित नेहरु के दर्शन और शिक्षा पर चर्चा के लिए सम्मेलन, नेहरू के जीवन एवं कार्यों पर प्रदर्शनी और अपने गांवों में सद्भावना रैलियॉं, पदयात्राएं, सद्भावना शपथ, सामुदायिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्रमदान शिविर (कार्य शिविर), सफाई अभियान, खेल, चिकित्सा शिविर आदि स्वैच्छिक आधार पर आयोजित किए गए।

12. कौमी एकता दिवस एवं सप्ताह का आयोजन (25 नवंबर)

दिनॉक 19 नवंबर को कौमी एकता दिवस का आयोजन किया और यह आयोजन दिनॉक 25 नवंबर, 2016 तक जारी रहा। इस दिन को नेहरू युवा केन्द्र ने बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जिसमें गांव आधारित युवा मंडल और एनवाइसी स्वयं सेवक सम्मिलित रहे।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्रमदान शिविर, सफाई अभियान, खेल प्रतियोगिताऍं, सेमिनार, प्रख्यात विद्वानों के द्वारा 'कौमी एकता को बढावा देने में युवाओं की भूमिका' पर व्याख्यान आदि आयोजित किये गये। युवाओं को समाज में एकता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

13. राष्ट्रीय संविधान दिवस समारोह जारी है (26 नवंबर)

26 नवंबर, 2016 को संविधान दिवस, जिला नेहरु युवा केन्द्र और राज्य कार्यालयों द्वारा मनाया गया। एनवाईसी के स्वयंसेवकों ने कम से कम एक गांव का दौरा किया और साथ–साथ भारत के संविधान के गठन में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के इतिहास और प्रक्रिया के बारे में युवाओं को जानकारी दी।

इसका उद्देश्य भारतीय संविधान और इसके वास्तुकार डॉ बी आर अम्बेडकर के बारे में जागरूकता फैलाना था। लोगों को सूचित किया गया कि 1949 में, भारत का संविधान अपनाया गया था जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था, जो मुक्त भारत के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत था।

संविधान के प्रस्तावना को जोर से पढ़ा गया और इसके बाद उनके कार्यालयों में प्रस्तावना की प्रति कोफ्रेम करवाकर रखवाया गया। भारत के संविधान पर मॉक संसद सत्र, पड़ोस युवा संसद भी एक हिस्से के रूप में ब्लॉक स्तर पर भी आयोजित किए गए थे।

कई युवामंडलों द्वारा उनके गांवों में युवा रैली, निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिताओं, का आयोजन किया गया। उन्होंने बुनियादी दर्शन और मौलिक मूल्यों पर भाषण दिया जिस पर संविधान बनाया गया था।

नेयुकेसं के महानिदेशक ने अधिकारियों को संविधान और इसके महत्व के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान को राष्ट्र के सुचारु संचालन के लिए तैयार किया गया था। यह एक दस्तावेज है जिसे प्रत्येक नागरिक को उच्च सम्मान के साथ रखना चाहिए। इस दिवस के आयोजन से नेयुकेसं के कार्यकर्ताओं के बीच मूल्यों को समाहित करने का अवसर मिला है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक हिन्दुस्तानी आशा, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र का राजदूत है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि युवाओं को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए कि वे इसे आगे ले जाने के लिए रोशनी प्रदान करें। कर्त्तव्य के आद अधिकार होते हैं और हमारे नेहरु युवा केन्द्र संगठन के कार्यकर्ताओं को इसे समझना चाहिए और इसका अभ्यास करना चाहिए।

14. विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर)

विश्व एड्स दिवस का आयोजन हर वर्ष 1 दिसंबर को एचआईवी संक्रमण के द्वारा होने वाली एड्स महामारी से बचाने के लिए किया जाता है।

1 दिसंबर 2015 को गांव आधारित युवा मंडल/महिला मंडल के माध्यम से नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा विश्व एडस दिवस आयोजित किया गया। निबंध, पेटिंग, चित्रकला, वाग्मिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, खेलकूद, कार्यशालाओं और सेमिनार, और रैली आदि का आयोजन एचआईवी/एड्स पर जागरूकता पैदा करने के लिए और इसके विस्तार को रोकने के लिए किया गया। इसके अतिरिक्त एचआईवी/एड्स के विभिन्न पहलुओं पर कई व्याख्यान व समूह चर्चा और स्वैच्छिक रक्तदान की महत्ता पर समूह चर्चा की गई।

15. विक्लांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन (सुलभ भारत अभियान – सुगम्य भारत अभियान) – 3 दिसंबर, 2016

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सुगम भारत अभियान (जिसे सुलभ भारत अभियान भी कहा जाता है) नामक एक पहल की शुरुआत की, जिसे दुनिया भर में विक्लांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने विक्लांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 3 दिसंबर, 2016 को देशभर में अपने गांव युवा मंडल और महिला मंडलों के नेटवर्क के माध्यम से इस दिन को ''सुलभ भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान)'' के रूप में मनाया गया।इस दिन को निर्मित पर्यावरण, परिवहन व्यवस्था और आईसीटी ईको–प्रणाली के लिए सार्वभौमिक पहुंच बनाने हेतु आयोजित किया गया।

इस दिन के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य लोगों की समझ में विक्लांगता के मुद्दों के प्रति सुधार करना और इसके साथ–साथ समाज में उनको आत्मसम्मान दिलाने, उनको सहयोग करने और समाज में उनके अधिकारों में सुधार करना था। इस आयोजन का उद्देश्य राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जैसे जीवन के हर क्षेत्र में समाज में विकलांग लोगों को शामिल करना भी था।

इस दिन के आयोजन के एक भाग के रूप में, जागरुकता उत्पत्ति गतिविधियां जैसे– प्रेरक व्याख्यान, युवाओं द्वारा पर्यावरण निर्माण के लिए चर्चा, भाषणों, विक्लांगों को सम्मानित करना, विक्लांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाओं का प्रसार, आदि का आयोजन किया गया। जिसमें नेहरु युवा केन्द्र के युवा मंडल और महिला मंडलों, विक्लांग व्यक्तियों के संगठन के सदस्यों ने सक्रिय रुप से भाग लिया।

उपरोक्त के अतिरिक्त, लोगों को विक्लांगों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में संवेदनशील किया गया, जैसे सार्वजनिक स्थानों में पहुंच के संदर्भ में, विद्यालयों, कॉलेजों, अस्पतालों, ग्रामपंचायत कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों में रैंप/ढलान बनवाकर इस प्रयोजन के लिए जागरूकता पैदा करने के अभियान के दौरान पणधारी और सेवा प्रदाता शामिल थे।

16. राष्ट्रीय युवा दिवस और युवा सप्ताह का आयोजन(13 से 19 जनवरी)

12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में और 13 से 19 जनवरी को राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप मे ंअत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष ने.यु.के.सं. ने जिला प्रशासन, युवा मंडलों, पंचायती राज संस्थाओं तथा अन्य सगंठनों के समन्वय से स्वामी विवकोनंद की जयंती मनाने में नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाई।

नेयुकेसं ने अपनी पूरी ताकत के साथ रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से पूरे देश में 12 जनवरी, 2017 को आयोजित रक्त दान शिविर में हिस्सा लिया।

सप्ताह के लंबे समारोहों के दौरान, स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रचारित आदर्शों पर प्रभात फेरी, सर्व धर्म प्रार्थना, श्रमदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल और क्रीड़ा, चित्रकला, पोस्टर, वाद–विवाद, भाषण इत्यादि सहित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में, सामान्य रूप से बड़ी संख्या में लोगों और युवाओं ने भाग लिया।

17. मतदाता जागरूकता अभियान

पंजाब, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में आने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान अपने वोट डालने की जरूरत के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा मतदाताओं जागरूकता अभियान के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान, चुनाव वाले राज्यों में संगोष्ठियों, रैलियों, नुक्कड़ नाटक, लिपियों, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। कुछ जिला नेहरु युवा केन्द्रों ने मतदाता जागरुकता रथ चलाया गया। जिसके माध्यम से मतदाताओं को अपना वोट डालने के लिए प्रेरित किया गया। क्षेत्रीय भाषाओं में आईईसी सामग्री भी वितरित की गई थी। गतिविधियों को व्यापक रूप से मीडिया द्वारा कवर किया गया था।

चुनावी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के लिए शपथ दिलाई गई। भावी मतदाताओं को 18 साल की उम्र प्राप्त करने के तुरंत बाद खुद को नामांकित करने और उन्हें अपने वोट देने का अधिकार के लिए प्रेरित किया गया।

युवाओं के बेहतर भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए अभियान के दौरान, यह जोर दिया गया कि लोगों को चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रभाव और विचार के बिना सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

18. शहीद दिवस का आयोजन (30 जनवरी)

युवामंडलों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ, नेहरू युवा केंद्रों ने 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के साथ मिलाकर शहीद दिवस मनाया गया। 30 जनवरी को 11 बजे दो मिनट का मौन रखा गया। लोगों ने खड़े होकर मौन रखा।

इस अवसर पर प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था और भाषण और दिन के महत्व से जुड़ी बातचीत, विशेष रूप से स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका का जिक्र करते हुए, आयोजित किए गए थे। वार्ता और भाषणों का विषय नागरिकों के कर्तव्य और नैतिक दायित्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया था ताकि कड़ी मेहनत की स्वतंत्रता को संरक्षित, और समृद्ध किया जा सके और राष्ट्रीय लक्ष्यों और सामान्य लक्ष्यों और आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्क्रीन फिल्मों/वृत्तचित्रों, शहीदों और राष्ट्रीय एकीकरण की भूमिका भी व्यवस्थित की गई।

19. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी)

जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और गतिविधियों जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के व्याख्यान,

विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए आयोजित किए गए।

इस अवसर पर प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया और उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा, भूमि और संपत्ति के अधिकार, महिलाओं के खिलाफ अपराध, यौन उत्पीड़न – ईव टिजिंग, दहेज, बाल विवाह, बालिका भ्रूण हत्या, और सेक्स चयनात्मक गर्भपात, घरेलू हिंसा, तस्करी, आदि पर अपने विचार रखे। उन्होंने बड़े पैमाने पर सामाजिक कार्यकर्ता/सुधारकों की भूमिका पर बात की और अपने जीवन पर कई बार प्रयास किया। युवामंडलों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में महिला दिवस समारोह के दौरान भाग लिया।

विशेष कार्यक्रम एवं परियोजनायें

विशेष परियोजनाओं और विभिन्न मंत्रालयों से प्राप्त निधि के तहत कार्यक्रम

सिंहस्थ कुंभ महापर्व, उज्जैन, (मध्य प्रदेश) में विशेष सेवा शिविर

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा सिंहस्थ कुंभ महापर्व, उज्जैन में विशेष सेवा शिविर का आयोजन दिनांक 22 अप्रैल 2016 से 21 मई 2016 तक किया गया। विशेष कार्यक्रम शिविर में युवा संगोष्ठी, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सफाई अभियान और भक्तों की सहायता की गई।

माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश सरकार ने शिविर का दौरा किया और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

श्री राजीव गुप्ता, सचिव, युवा मामले विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेष सेवा शिविर का दौरा किया और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने विशेष सेवा शिविर में नेहरु युवा केन्द्र के काम की सराहना की।

श्री एस एन सुब्बाराव, निदेशक, राष्ट्रीय युवा परियोजना ने ''भारत की संतान'' पर सहगान प्रस्तुत किया। समूहगान में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे के सार को अत्यन्त रोचक ढंग से दर्शाया गया। श्री विष्णु दत्त शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, नेयुकेसं और डॉ. अनुप स्वरूप, उप कुलपति, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी, अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान नेयुकेसं के कार्यक्रम और गतिविधियों, कौशल विकास और उद्यमिता पर प्रदर्शनी लगाई गई। जोरदार तूफान और गड़गड़ाहट के बावजूद, नेयुकेसं के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छ भारत मिशन' के लिए अथक प्रयास किये तथा भक्तों और तीर्थयात्रियों की सहायता की। सुश्री अर्चना चिटणीस, माननीय विधायक ने शिविर का दौरा किया और व्याख्यान सत्र में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम दैनिक आधार पर आयोजित किये गये।

श्री पारस जैन, माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार सिंहस्थ कुंभ महापर्व उज्जैन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

पूरे देश से कुल 879 प्रतिभागियों ने विशेष सेवा शिविर में भाग लिया, जिसमें चयनित जिला युवा समन्वयक, लेखालिपिक–सह–टंकक, राष्ट्रीय युवा कोर स्वयंसेवी और नेहरु युवा केन्द्र के अन्य युवा स्वयं सेवक शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में शांति और एकता के लिए दौड–ब्रह्मकुमारी और दिल्ली मंडल की आयुष, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और यूएनआईसी के सहयोग से एक पहल

नेहरू युवा केंद्र संगठन, अलीपुर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर शांति और एकता के लिए दौड़ कार्यक्रम में भाग लिया। यह आयोजन 18 जून 2016 को इंडिया गेट, नई दिल्ली में आयुष, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और यूएनआईसी के सहयोग से ब्रह्मकुमारिस,

दिल्ली मंडल द्वारा आयोजित किया गया था। नेयुकेसं, एनएसएस, भारत स्काउट्स और गाइड और दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के युवा सहित 4000 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री राजीव गुप्ता, सचिव, (युवा मामले), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को ऐसे सभी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जो न केवल स्वास्थ्य में सुधार करता है बल्कि एकता की भावना भी जागृत करता है।

उत्तर दिल्ली, दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तर पूर्व दिल्ली और पश्चिम दिल्ली जिलों के युवा मंडल और महिला मंडलों के कुल 300 युवाओं ने एकता और शांति के लिए दौड कार्यक्रम में भाग लिया है।

रन फॉर रियो कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र संगठन की भागीदारी

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, सरकार द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के माध्यम से भारत के मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली से सुबह 31 जुलाई 2016 को आयोजित रन फॉर रियो कार्यक्रम में भाग लिया।

मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली से भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा "रन फॉर रियो" को हरी झंड़ी दिखा कर रवाना किया। रन फॉर रियो कार्यक्रम में लगभग 20,000 युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने कहा "मुझे यकीन है कि हमारे एथलीट दुनिया का दिल जीतेंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि भारत क्या है"।

दौड़ का उद्देश्य न केवल एथलीटों को प्रदर्शित करना था कि पूरे देश को उन पर गर्व है और उन्हें आगामी रियो ओलंपिक प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें देना था, बल्कि जनमानस विशेषकर बच्चों और युवाओं को ओलंपिक भावना और खेल की भावना और भाक्ति के साथ जोड़ना था।

दिल्ली के 9 जिला नेहरू युवा केन्द्रों के युवा मंडलों से कुल 2419 युवा (पुरुष –1383 और महिला –1036), ने रन फॉर रियो कार्यक्रम में भाग लिया।

नमामि गंगे कार्यक्रम के शुभारंभ में नेयुकेसं की भागीदारी

नेहरू युवा केंद्र संगठन स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन, जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण के साथ मिलकर युवाओं और सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से गंगा के प्रदूषण को समाप्त करने और संरक्षण के लिए सहयोग कर रहा है। इस परियोजना में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच राज्यों में गंगा नदी के साथ लगे 52 जिलों, 118 कस्बों और 1,651 ग्राम पंचायत के माध्यम से सहयोग करने की योजना है।

युवा एकता जागरुकता विकसित करने में प्रशिक्षण एवं प्रतिभागिता; स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन, औषधीय पौधों और देशी पौधों की प्रजातियों का पौधारोपण, शौचालयों के निर्माण के लिए प्रेरित करने में नेयुकेसं की भूमिका प्राथमिकता के साथ। गंगा नदी के किनारे अवैध गतिविधियों की निगरानी में युवा भी शामिल होंगे।

नमामि गंगे परियोजना का शुभारंभ 7 जुलाई 2016 को स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन, जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण, भारत सरकार द्वारा किया गया था।

मुख्य कार्यक्रम हरिद्वार में आयोजित किया गया **श्री नितिन गडकरी, माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, श्री हरीश रावत, माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड, सुश्री उमा भारती, माननीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री, भारत सरकार और**

डॉ0 महेश शर्मा, माननीय संस्कृति, पर्यटन और विमानन, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार इस अवसर पर उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश में श्री संजय बालीयान माननीय राज्य मंत्री, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण, भारत सरकार द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, शुभारंभ कार्यक्रम में माननीय सांसदों और विधायकों को भी आमंत्रित किया गया। वाराणसी में शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज सिन्हा, माननीय रेलवे और संचार राज्य मंत्री, भारत सरकार थे। इलाहाबाद में शुभारंभ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री साध्वी निरंजन ज्योति, माननीय खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री, भारत सरकार थी।

बिहार में सिद्धि घाट, हाजीपुर (वैशाली जिला) में शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री राम विलास पासवान माननीय मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण भारत सरकार द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। सोनपुर (सारन) बिहार में श्री राजीव प्रताप रुडी, माननीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। बिहार के बक्सर में श्री राम कृपाल यादव, माननीय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास, भारत सरकार द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

नेयुकेसं ने जिला नेहरु युवा केन्द्रों के युवा मंडलों के 7935 युवा स्वयंसेवकों को एकत्रित किया जिन्होंने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और हरियाणा में 7 जुलाई 2016 को 24 आवंटित स्थानों/घाटों पर नमामी गंगे के कार्यक्रम के शुभारंभ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

अंतर्राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा खेल एवं युवा मामले विभाग, मेघालय सरकार के साथ चार मुख्य राज्यों में अंतर्राज्यीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के लिए समन्वय स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच बेहतर संबंध के लिए राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विनिमय, बातचीत और संस्कृतियों, प्रथाओं और परंपराओं पर विचारों का आदान–प्रदान को बढ़ावा देना है।

जुलाई 2016 के दौरान मेघालय में अंतर्राज्यीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र संगठन, भुवनेश्वर (ओडिशा) और अलीपुर (दिल्ली) द्वारा किया गया था।

भुवनेश्वर में, अंतर्राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन कलिंग स्टेडियम में 6 जुलाई 2016 से 10 जुलाई 2016 तक किया गया था। मेघालय सरकार द्वारा प्रायोजित 36 युवाओं के एक समूह द्वारा कार्यक्रम में भाग लिया गया। स्थानीय नेहरु युवा केन्द्र, युवा स्वयंसेवकों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ एस.जे. ज़मिर, माननीय राज्यपाल, उडीसा द्वारा प्रतिभागियों को राजभवन में आमंत्रित किया गया और उन्होंने ओडिशा के माननीय राज्यपाल के साथ बातचीत की। श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय मंत्री, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, भारत सरकार द्वारा प्रतिभागियों के साथ बातचीत की गई और मेघालय सरकार और नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा आयोजित किए जा रहे ऐसे प्रयासों की सराहना की। प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का दौरा किया, जैसे कि सूर्य मंदिर, कोणार्क, जगन्नाथ मंदिर, पुरी, राज्य संग्रहालय, नंदन कानन चिड़ियाघर, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, पुरी और चंद्रभागा समुद्री तट इत्यादि।

मेघालय अंतर्राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम 14 जुलाई 2016 से 19 जुलाई 2016 तक विश्व युवक केंद्र, चाणक्यपुरी, दिल्ली में नेहरू युवा केंद्र संगठन, अलीपुर, दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था। मेघालय के 2 एस्कॉर्ट्स के साथ कुल 35 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। दिल्ली के एनवाईसी स्वयंसेवकों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने 17 जुलाई 2016 को दिल्ली में मेघालय हाउस का दौरा किया और मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री श्री मुकुल संगमा के साथ बातचीत की।

प्रतिभागियों को गांधी स्मृति और दर्शन समिति राजघाट, नई दिल्ली जाने का अवसर मिला और गांधीवादी रचनात्मक स्वैच्छिक कार्य पर एक कार्यशाला में भाग लिया। प्रतिभागियों को भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), नोएडा में भी ले जाया गया जहां उन्होंने यात्रा और पर्यटन पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों को संबंधित संस्थानों द्वारा उपरोक्त पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था।

प्रतिभागियों को दिल्ली में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के महत्वपूर्ण स्थानों पर ले जाया गया जैसे इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, लोटस मंदिर, कुतुब मीनार, तारामंडल इत्यादि।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लिए युवाओं की सहभागिता हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांक 30.08.2016 को शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार और नेहरु युवा केन्द्र संगठन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन श्री एम वेंकैया नायडू, माननीय शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार एवं श्री राव इन्द्रजीत सिंह, माननीय शहरी विकास राज्य मंत्री की उपस्थिति में किए गए।

इस समझौता ज्ञापन पर श्री प्रवीण प्रकाश, संयुक्त सचिव (एसबीएम), शहरी विकास मंत्रालय और मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेयुकेसं द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

समझौता ज्ञापन के अनुसार नेहरू युवा केन्द्र के स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वस्थ स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रुपये 4.70 करोड़ के बजट के साथ 9 पायलट यूएलबी आयोजित करने के लिए जागरूकता अभियान आरंभ करने के लिए युवाओं को गतिशील करेगा।

श्री राजीव गुप्ता, (युवा मामले), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

एचआईवी/एड्स के प्रति संवेदनशीलता और प्रशिक्षण कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र, कठुआ (जम्मू–कश्मीर) द्वारा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, जम्मू–कश्मीर और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सितंबर 2016 के दौरान जिले के विभिन्न स्थानों पर स्कूल न जाने वाले युवाओं के लिए एचआईवी/एड्स के प्रति संवेदनशीलता/प्रशिक्षण पर कार्यक्रम, युवा मंडल, महिला मंडल और ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किये गए।

श्री राजीव जसरोटिया, माननीय विधायक गांव पडयारी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। माननीय विधायक ने युवाओं और ग्रामीण समुदाय को एचआईवी/एड्स की भयानक बीमारी के बारे में जानने के लिए आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि युवा मंडल के सदस्यों और स्वयंसेवकों को एचआईवी संक्रमण के जाल में फसने और समाज से एचआईवी/एड्स को खत्म करने हेतु चिकित्सकीय निर्धारित तरीकों को अपनाने के लिए अत्यधिक ध्यान देने के लिए संदेश फैलाना चाहिए।

डॉ. भारत भूषण, अतिरिक्त उपायुक्त, कठुआ, गांव बखता में मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ. भारत भूषण ने युवाओं और ग्रामीण समुदाय को एचआईवी/एड्स के भयानक/घातक प्रभाव के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि एड्स पूरी दुनिया में मानव जाति को प्रभावित करने वाली सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। एचआईवी/एड्स असाध्य रोग है और जागरूकता, आत्म–अनुशासन, आत्म–नियंत्रण, घातक बीमारी की जांच और नियंत्रण करना ही बचाव का साधन है।

संदर्भ व्यक्तियों के रूप में एचआईवी/एड्स संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सा

अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

संदर्भ व्यक्तियों ने निजी स्वच्छता, एचआईवी/एड्स और उसके नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर किशोरों और युवाओं को शिक्षित और प्रशिक्षित किया। किशोरों और युवाओं को सरकार द्वारा लागू स्वास्थ्य कल्याण की विभिन्न योजनाओं से भी जागरूक किया गया। युवाओं को महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, लाडली योजना और युवा विकास योजना आदि की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया गया।

चार, एक दिवसीय एचआईवी/एड्स संवेदनशीलता और प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 630 किशोर और युवाओं ने भाग लिया।

स्वच्छ भारत (शहरी) पर जागरूकता अभियान का शुभारंभ समारोह

स्वच्छ भारत मिशन में स्वच्छ दिल्ली एनसीआर परियोजना के लिए युवाओं और समुदायों की साझेदारी के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से गुरुग्राम में जागरूकता अभियान के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री राव इंद्रजीत सिंह, माननीय शहरी विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा 3 अक्टूबर 2016 को एसएस वाटिका, सूरत नगर, फेस–II, गुड़गांव में किया गया। सन् 2014 में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा लाल किले के प्राचीर से भारत को स्वच्छ बनाने के लिए किए गए आह्वान को पूरा करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान (सजाये हुए रथ) को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय माननीय मंत्री महोदय ने युवाओं को पूरी तरह से स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। माननीय मंत्री जी ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें लगभग 1500 युवाओं ने स्वच्छ भारत की ओर योगदान करने की शपथ ली।

श्री उमेश अग्रवाल, माननीय विधायक गुरुग्राम ने कहा कि भारत को स्वच्छ बनाने के तहत गुरूग्राम शीर्ष शहरों में से एक होना चाहिए।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेयुकेसं ने स्वच्छ दिल्ली एनसीआर परियोजना के बारे में बताया। श्री टी.एल. सत्यप्रकाश, आयुक्त, गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) और श्री सौरभ जैन, संयुक्त निदेशक, एसबीएम, शहरी विकास मंत्रालय तथा श्री विमल यादव, पूर्व महापौर ने इस अवसर पर संबोधित किया।

जागरुकता अभियान के अवसर के दौरान युवाओं द्वारा स्वच्छ भारत पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। युवा मंडल के सदस्यों द्वारा कविता पाठ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर और नेत्र जांच शिविर जिला प्रशासन और रेड क्रॉस सोसाइटी, गुड़गांव द्वारा आयोजित किया गया जिसमें चश्मे का मुफ्त वितरण भी किया गया।

स्वच्छ दिल्ली एनसीआर परियोजना के शुभारंभ कार्यक्रम में कुल 1500 युवाओं और आम जनता ने भाग लिया।

24 – 29 नवंबर 2016 तक नागपुर में पूर्वोत्तर युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा पूर्वोत्तर डिविज़न, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ वर्ष 2016–17 के लिए पूर्वोत्तर युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के लिए समन्वय स्थापित किया गया। इस कार्यक्रम में, पूर्वोत्तर के 5 राज्यों से युवाओं को नागपुर (महाराष्ट्र) भ्रमण के लिए चयनित किया गया।

कार्यक्रम का मूल उद्देश्य पूर्वोत्तर के 6 राज्यों के युवाओं को सामाजिक आर्थिक विकास, सांस्कृतिक आचार, भाषा,

हमारे राष्ट्रीय जीवन के विविधता पहलू में एकता का चित्रण करने, लोगों की जीवन शैली को समझने और सरकार के सामाजिक और वित्तीय समावेश कार्यक्रम को जानने के लिए नागपुर (महाराष्ट्र) जाने का अवसर प्रदान करना था।

नागपुर (महाराष्ट्र) में विभिन्न विकास गतिविधियों, कौशल विकास, शैक्षिक और रोज़गार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ–साथ उन्हें तकनीकी और औद्योगिक उन्नति के बारे में भी अवगत कराना था। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं को देश के दूसरे हिस्से में अपने सहकर्मी समूहों के साथ भावनात्मक संबंध विकसित करने और अपने राज्यों में विकास गतिविधियों को चलाने के लिए प्रयास करने के लिए मदद करना था।

नेहरू युवा केंद्र संगठन, नागपुर, महाराष्ट्र में पूर्वोत्तर युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24 नवंबर से 29 नवंबर 2016 को डॉ हेडगेवार स्मारक समिति, स्मृति मंदिर, रेशिमबाग, नागपुर में किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमान प्रसाद जी महानकर द्वारा किया गया था। इस अवसर पर श्री अनिल जी सोल, एमएलसी, श्रीमती रानी निघोत द्विवेदी, सदस्य, शासी बोर्ड, नेयुकेसं, श्री विकास जी कुंभारे, विधायक और श्री शशिकांत पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

आपसी बातचीत सत्र आत्मविश्वास और नेतृत्व विकास, कौशल भारत, स्टैंडअप और स्टार्टअप इंडिया, रोजगार परक कौशल विकास के रास्ते एवं दायरे, स्वच्छ भारत अभियान और अन्य विकास के मुद्दों को कार्यक्रम में शामिल किया गया ।

सुश्री रानी निघोत द्विवेदी, सदस्य, शासी बोर्ड, नेयुकेसं, दिल्ली, सुश्री शिवानी दानी, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री अनिल सोल, एमएलसी, डॉ सुरेंद्र गोले, निदेशक अनंत वेद मानव संसाधन प्रशिक्षण फर्म, डॉ वेद प्रकाश मिश्रा, उपकुलपति, दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्री सुनील कुटकारु, डॉ विजय जाधव, निदेशक, पॉलिटेक्निक कॉलेज, श्री प्रमोद शुसारी, सहायक आयुक्त प्रमुख वक्ता और संदर्भ व्यक्ति थे।

युवाओं को दिनांक 27 नवम्बर, 2017 को माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रसारित 'मन की बात' सुनने का अवसर प्रदान किया गया, जिसमें श्री नरेंद्रजी मोदी जी ने भारत के युवाओं से आर्थिक परिवर्तन के सिपाही बनने की अपील की थी।

युवाओं को राजभवन, महाराजबाग, दीक्षा भूमि, मातृ सेवा संघ कॉलेज ऑफ सोशल वर्क इत्यादि का दौरा करने का मौका दिया गया।

युवाओं को श्री नितिन गडकरी, माननीय मंत्री, सड़क परिवहन, राजमार्ग और नौवहन, भारत सरकार के साथ बातचीत करने का सुनहरा मौका मिला। माननीय मंत्री ने प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से एवं रोजगार के अवसरों पर बात की। उन्होंने पूर्वोत्तर युवाओं से राष्ट्र विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने राज्यों में विकास गतिविधियों को शुरू करने के प्रयास करने का भी आग्रह किया।

इस अवसर पर एक पूर्वोत्तर सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और असम के युवाओं ने लोक नृत्य और लोक

गीतों के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। जैसे त्रिपुरा के रिंग आदिवासी नृत्य, मणिपुर के थांगल नृत्य, मेघालय के खासी नृत्य, मणिपुर के थांगता नृत्य, मेघालय के वांगला नृत्य, नागालैंड के कुकी नृत्य, असम के बिहू नृत्य, त्रिपुरा के चक्मा नृत्य और अन्य लोक नृत्य एवं लोक गीत। स्थानीय युवाओं ने महाराष्ट्र के लवनी, गोंडल और गणेश वंदना और कुछ लोक नृत्य भी किए।

महाराष्ट्र के युवाओं सहित कुल 275 युवाओं ने उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

നെഹ്രു യുവ കേന്ദ്രയുടെ ആഭിമുഖ്യത്തിൽ കോലാനി തോട് ശുചീകരണം ഉദ്ഘാടനം ഇടുക്കി എം. പി ജോയ്സ് ജോർജ്ജ് നിർവ്വഹിക്കുന്നു.

सरकार के विमुद्रीकरण कदम पर युवा भागीदारी – युवा सोच पर एक कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने दिनांक 11 नवंबर 2016 को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से राजघाट, नई दिल्ली में युवा सोच पर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

श्री विजय गोयल, माननीय मंत्री राज्य (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल, भारत सरकार ने काला धन, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और नक्सलीवाद पर नियंत्रण और गरीब और अमीर लोगों के बीच असमानता के अंतर को भरने और देश की आर्थिक वृद्धि हेतु राजनितिक उपायों हेतु सरकारी पहल पर लोगों को शिक्षित करने और लोगों को जागरूक करने के लिए नेयुकेसं के 500 युवाओं को शपथ दिलाई।

उन्होंने युवाओं को सामान्य जनता के बीच सरकार के विमुद्रीकरण को लोकप्रिय बनाने जागरूकता लाने और शिक्षित करने के लिए आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री की पहली महत्वपूर्ण पहल स्वच्छ भारत थी और दूसरी महत्वपूर्ण पहल काले धन से भ्रष्टाचार मुक्त भारत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सामान्य जनता के बीच विमुद्रीकरण के दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव को समझने, प्लास्टिक के पैसे को अपनाने के लिए पर्यावरण को सक्षम बनाने, दिन–प्रतिदिन जीवन में नकदी रहित पैसे के लिए मोबाइल बैंकिंग को अपनाने, सरकार के राजनयिक आंदोलन को लोकप्रिय बनाने के लिए सोशल मीडिया अभियान के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

कार्यक्रम में दिल्ली के कुल 500 युवाओं ने भाग लिया।

9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम (टीवाईईपी) 2016–17

नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा हर वर्ष आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन गृह मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोगसे आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा राज्यों में वामपंथी उग्रवादियों से प्रभावित जिलों से चयनित आदिवासी युवाओं को देश के अन्य भागों में ले जाया जाता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति संवेदनशील किया जाना, उन्हें अनेकता में एकता की संकल्पना के बारे में जागरूक किया जाना, उन्हें देश के विभिन्न भागों में हो रही विकासात्मक गतिविधियों, तकनीकी/औद्योगिक उन्नति के बारे में जानकारी देना, देश के अन्य भागों के लोगों के साथ भावात्मक संपर्क स्थापित किया जाना और उनके व्यक्तित्व को विकसित करने उनके कौशल विकास की आवश्यकताओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक कैरियर परामर्श प्रदान किया जाना है।

छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा राज्यों के 28 एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों से 1995 आदिवासी युवाओं और 206 एस्कॉर्ट्स को 10 स्थानों पर 9वॉं आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम कार्यक्रम 2016–17 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजन स्थलों में गुजरात, जयपुर, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु, जम्मू, दिल्ली और शिमला शामिल थे।

कार्यक्रम की संक्षिप्त आख्या निम्नानुसार हैं: –

वदोदरा (9 से 15 दिसंबर 2016)

नेहरू युवा केंद्र संगठन, वदोदरा ने 9 दिसंबर से 15 दिसंबर 2016 तक गुजरात सहकारी प्रबंधन संस्थान, राजेंद्रनगर, वदोदरा, गुजरात में, श्री भारतभाई डांगर, महापौर, वडोदरा नगर निगम ने आदिवासी युवाआदान प्रदान कार्यक्रमका उद्घाटन किया। श्रीएल.एम. डिंडोर, एसडीएम, वदोदरा भी उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित थे।

समापन समारोह में श्री शेखर राव पेराला, उपाध्यक्ष, नेयुकेसं मुख्य अतिथि थे। साबरमती आश्रम, स्वर्णिम पार्क और सीआरपीएफ शिविर में क्षेत्रीय दौरा भी आयोजित किया गया। श्री ओ.पी. कोहली, गुजरात के माननीय राज्यपाल के साथ एक परस्पर संवादात्मक बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट व्यक्तियों से बातचीत, कौशल विकास, कैशलेस लेनदेन, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल वित्त, भारत की स्वतंत्रता आंदोलन, युवा नेतृत्व, पर्यावरण, देशभक्ति, रोजगार उत्पादन आदि सत्र शामिल थे।

प्रतिभागियों के लिए साबरमती आश्रम, अहमदाबाद, स्वर्णिम पार्क, गांधीनगर, सीआरपीएफ परिसर, गांधीनगर के लिए क्षेत्रीय भ्रमण और दैनिक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

समूह चर्चा, योग, और शारीरिक अभ्यास पूरे अवधि के दौरान कार्यक्रम का हिस्सा थे। एस्कॉर्ट्स समेत कुल 221 प्रतिभागियों ने वदोदरा (गुजरात) में आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया।

जयपुर (21 से 27 दिसंबर 2016)

9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन 21 दिसंबर 2016 को कालिंदी सभागर, सुरेश ज्ञान विज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर में किया गया था। डॉ. धर्मबुद्धी, कुलपति, सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की एवं श्रीमती सुमन शर्मा, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग मुख्य अतिथि थी।

श्री कैलाश वर्मा, संसदीय सचिव, राजस्थान सरकार, श्री जगदीश मीणा, डीआईजी, सीआरपीएफ, श्री विवेश खोलीया, उपाध्यक्ष, अनुसूचित जाति आयोग, राजस्थान सरकार, श्री एस. पी. भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस, जयपुर उद्‌घाटन समारोह में उपस्थित थे।

डॉ. बुद्धीप्रकाश ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में जीवन में अनुशासन को बढ़ावा देने के माध्यम से युवाओं के समग्र विकास पर बात की। उन्होंने बताया कि सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस शिविर से दो आदिवासी युवाओं को मुफ्त शिक्षा और छात्रावास की सुविधा के लिए चुना जाएगा।

श्रीमती सुमन शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए सूचित किया कि युवाओं को ज़रूरत वाले लोगों को भारत सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्रसारित करने और समाज में लड़कियों और महिलाओं के लिए सकारात्मक वातावरण बनाने में आगे आना चाहिए। श्री विकास खोलिया ने कहा कि युवा विकास का केंद्र हैं और देश की सभ्यता और संस्कृति युवाओं के चारों ओर घूमती है। श्री कैलाश वर्मा ने युवाओं को सतत विकास के लिए स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का पालन करने के लिए आह्वान किया।

9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम, जयपुर का समापन कार्यक्रम 27 दिसंबर 2016 को आयोजित किया गया। श्री राजेंद्र सिंह राठौर, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, राजस्थान सरकार द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए राजस्थान के बारे में बताया गया कि युवा राष्ट्र विकास के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र विकास में भागीदारी के लिए युवाओं और समाज के सही मार्ग और तरीकों को दिखाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए।

श्री प्रभु लाल सैनी, माननीय कृषि मंत्री, राजस्थान सरकार ने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे युवा देश है और युवा देश के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बदल सकते हैं।

श्रीमती मनन चतुर्वेदी, अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग, राजस्थान सरकार जनजातीय संस्कृति, भाषा, जीवनशैली और युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के माध्यम से उनके समग्र विकास पर बात की।

छत्तीसगढ़ के 9 एलडब्ल्यूई जिलों से एस्कॉर्ट्स सहित कुल 218 जनजातीय युवाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, नकदी रहित लेनदेन, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और शराब, संस्कृति, राष्ट्रीय एकता, नक्सलवाद से मुकाबला पर सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण शामिल था।

लखनऊ (2 से 8 जनवरी 2017)

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रोफेसर एस पी सिंह, उप कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, श्री श्याम चंद्र डे, कमांडेंट सीआरपीएफ, श्री आईपी सिंह, पूर्व राज्य मंत्री और डॉ. विक्टर, निदेशक, आईएमआरटी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री राम नरेश, अवर सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित थे।

समापन समारोह कार्यक्रम में श्री अरविंद कुमार, प्रधान सचिव (राजस्व), उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विमुद्रीकरण, डिजिटल लेनदेन और युवाओं के लिए विशेष रूप से रोज़गार के अवसरों पर विस्तार से बात की। श्री श्यामचंद, कमांडेंट सीआरपीएफ ने युवा नेतृत्व और युवा सशक्तिकरण पर बात की।

इस कार्यक्रम में अति विशिष्ट व्यक्ति के साथ बातचीत, कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, कैरियर मार्गदर्शन, युवाओं के लिए विशेष रूप से आतिथ्य और अस्पताल प्रबंधन क्षेत्रों पर उपलब्ध विभिन्न कैरियर के अवसरों के संदर्भ में परामर्श सत्र शामिल रहे। विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्यमिता विकास के अवसरों के तहत प्रतिभागियों के प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। कैशलेस लेन देन और विमुद्रीकरण पर सत्र भी आयोजित किया गया था। समूह की चर्चा, योग, शारीरिक अभ्यास और सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरी अवधि के दौरान कार्यक्रम का हिस्सा थे। प्रतिभागियों को आईआईटी प्रशिक्षण केंद्र में ले जाया गया जहां उन्हें रेमंड द्वारा मुफ्त प्रशिक्षण पर जानकारी मिली।

क्षेत्र के दौरे के दौरान, प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थान बाडा इमामबाड़ा जाने का मौका मिला। लखनऊ का बाडा इमामबाड़ा सबसे मशहूर स्मारकों में से एक है।

एस्कॉर्ट्स समेत कुल 207 प्रतिभागियों ने लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रममें भाग लिया।

पुणे (4 से 10 जनवरी 2017)

9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रमका उद्घाटन 4 जनवरी 2017 को मुख्य सभागार, सीआरपीएफ समूह केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र में किया गया था।

श्रीमती चित्राताई जगनाडे, अध्यक्ष, तालेन्गांव नगर परिषद, श्री शेखर राव पेराला, उपाध्यक्ष, नेयुकेसं, श्री कृष्णराव भेगडे, पूर्व विधायक, श्रीमतीरानी निघोत द्विवेदी, सदस्य,भासी बोर्ड, नेयुकेसं, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेयुकेसं, ब्रिगेडियर आरके सिंह, सुरक्षा सलाहकार, डब्ल्यूई डिवीजन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और श्री अरुणेंद्र प्रताप, डीआईजीपी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

श्री अरुणेंद्र प्रताप, डीआईजीपी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और आदिवासी समाज, युवा विकास और राष्ट्र निर्माण पर बात की।

इस कार्यक्रम में राष्ट्र विकास, डिजिटल लेनदेन, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, स्वच्छ भारत, मौलिक अधिकार और कर्तव्यों, आदिवासी और सामाजिक न्याय, समानता और बंधुता के लिए संवैधानिक प्रावधान, कैरियर मार्गदर्शन और कौशल विकास विभिन्न कैरियर के अवसरों के संदर्भ में युवाओं की भूमिका पर सत्र शामिल थे। युवाओं के लिए योग, प्रार्थनाएं, देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा थे। प्रतिभागियों के लिए पैनल चर्चा, परस्पर संवाद और प्रश्न उत्तर सत्र भी आयोजित किए गए।

महत्वपूर्ण आईटी निगमों जैसे टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, पर्सिस्टेंट और सीआरपीएफ कैंपस, पिंपरी–चिंचवड नगर निगम कंपनियॉं जिन्होंने अपनी सीखने की प्रक्रिया

विकसित की है, के क्षेत्र के दौरों का आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों को वेट एण्ड जॉय एम्यूजमेंट पार्क और लोनावला भी ले जाया गया।

दिनांक 10 जनवरी 2017 को पुणे में समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें श्री राजेश डबारे, आई आर एस, महानिदेशक, बीएआरटीआई, महाराष्ट्र सरकार ,श्री आर.के. सिंह, सुरक्षा सलाहकार, एलडब्ल्यूई डिवीजन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अरुणेंद्र प्रताप, डीआईजीपी, सीआरपीएफ, श्रीमान अन्नासाहेब बोदाडे, उपायुक्त, पीसीएमसी, पुणे, डॉ. एम के सिन्हा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीआरपीएफ और कर्नल बिश्ट, एफईएक्सओ, पुणे के भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्रीमान राजेश डबारे, आईआरएस, महानिदेशक, बीएआरटीआई, महाराष्ट्र सरकार द्वारा आदिवासी समुदाय पर बात की जैसे उनकी कड़ी मेहनत की क्षमता, प्रकृति के प्रति निकटता, कठिनाई सहने की क्षमता, प्रतिकूल परिस्थितियों में रहना आदि, उन्हें जीवन कौशल के अधिकारी बनाते हैं। उन्होंने आदिवासियों को देश की मुख्यधारा में लाने के लिए शैक्षिक विकास पर जोर दिया है।

ब्रिगेडियर आर.के. सिंह, सुरक्षा सलाहकार, एलडब्ल्यूई डिवीजन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने आदिवासी युवाओं के लिए व्यावसायिक कौशल के साथ शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने युवाओं से सरकार द्वारा आदिवासियों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। प्रतिभागियों को शिविर के दौरान अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी दिया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले एस्कॉर्ट्स सहित कुल 211 आदिवासी युवाओं ने भाग लिया।

हैदराबाद (23 से 29 जनवरी 2017)

छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों के एस्कॉर्ट अधिकारियों सहित 222 आदिवासी युवाओं की भागीदारी के साथ सहकारी प्रबंधन संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद में 23–01–2017 से 29–01–2017 तक 9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ के 7 एलडब्ल्यूई जिलों और झारखंड राज्यों के 3 जिलों से लिया गया था। दिनांक 22 जनवरी 2017 को श्री पी. शेखर राव, माननीय उपाध्यक्ष, नेयुकेसं ने ब्रोशर जारी किया और प्रेस बैठक आयोजित की जिसमें 9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के 7 दिनों के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।

श्री के स्वामी गौड, माननीय उपाध्यक्ष, तेलंगाना विधान परिषद द्वारा दिनांक 23–01–2017 को शिविर का उद्घाटन किया गया। श्री के विश्वेश्वर रेड्डी, माननीय सांसद, लोकसभा, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री एस.डी. पांडे, डीआईजी, सीआरपीएफ, हैदराबाद, श्रीआर एलंगोवन, निदेशक, आईसीएम भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

दिनांक 24 से 26 जनवरी 2017 तक, अतिथि व्याख्याता विभिन्न विषयों में आयोजित किए गए थे जैसे कि करियर मार्गदर्शन, करियर योजना, सामाजिक विकास और आदिवासी के बीच नेतृत्व आदि। युवा संगठन के साथ इंटरैक्टिव सत्र, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र निर्माण आदि पर सत्र भी आयोजित किए गए।

27 जनवरी 2017 को प्रतिभागियों ने सीआरपीएफ शिविर का दौरा किया और महेश्वरम मंडल में सूर्यलक्ष्मी कपास इंडस्ट्रीज का दौरा किया और इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। प्रतिभागियों को हैदराबाद शहर के चारों ओर चारमीनार, सालारजंग संग्रहालय, लुंबिनी पार्क आदि में ले जाया गया।

29 जनवरी 2017 को समापन समारोह आयोजित किया गया था और श्री ए चंदुलाल, माननीय मंत्री, जनजातीय कल्याण मंत्रालय तेलंगाना सरकार, हैदराबाद थे। श्री पी वैद्यनाथ राव, एमडी, SETWIN तेलंगाना सरकार, श्री आर. ऐलन गोवन, निदे ाक, आईसीएम और श्री ऋषि पाल सिंह, राज्य निदेशक, नेयुकेसं, आंध्रप्रदेश, तेलांगना राज्य समापन समारोह के दौरान उपस्थित थे। मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

चैन्नई (24 से 30 जनवरी 2017)

9वां आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम 24.01.2017 से 30.01.2017 तक वेत्री कृष्णन महल, चैन्नई में आयोजित किया गया। आदिवासी युवा प्रतिभागियों को झारखंड के 10 जिलों, ओडिशा के एक जिले और आंध्र प्रदेश राज्य के एक जिले से लिया गया था। श्री के पांडिया राजन, माननीय मंत्री स्कूल शिक्षा, पुरातत्व, खेल और युवा कल्याण, तमिलनाडु सरकार द्वारा 9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का चैन्नई तमिलनाडु में उद्घाटन किया गया।

प्रतिभागियों ने जनजातीय विकास के मुद्दों, केंद्रीय और राज्य सरकारों की चल रही जनजातीय विकास योजनाओं के बारे में बातचीत के सत्रों में हिस्सा लिया। उन्होंने 27.01.2017 को आरजीएनआईवाईडी, श्री पेरंपुदुर का भ्रमण किया और जीवन कौशल शिक्षा, बातचीत सत्र में आरजीएनआईवाईडी के छात्रों के साथ समूह चर्चा में भाग लिया। 29.01.2017 को आदिवासी युवाओं ने चैन्नई में और आसपास के ऐतिहासिक महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया। जनजातीय युवाओं ने चैन्नई अवदी में सीआरपीएफ परिसर का भ्रमण किया और सीआरपीएफ की भर्ती प्रक्रिया पर सेमिनार में भाग लिया। शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण और सांस्कृतिक कार्यक्रम पर प्रदर्शन 28.01.2017 को आयोजित किया गया।

समापन समारोह 30.01.2017 को आयोजित किया गया। श्री शेखर राव पेराला, उपाध्यक्ष नेयुकेसं, दिल्ली और श्री के मुथु कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक (एसआर), प्रेस सूचना ब्यूरो, चेन्नई कार्यक्रम के क्रमशः मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम में एस्कॉर्ट्स सहित कुल 221 आदिवासी युवाओं ने भाग लिया।

बैंगलोर (4 से 10 फरवरी 2017)

कर्नाटक के बैंगलोर में 9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के उद्घाटन में श्री टी वेंकटरामन्याह, माननीय विधायक, डोडाबालापुर, बैंगलोर, श्री वी प्रसाद, जिला पंचायत, बैंगलोर ग्रामीण, श्री एमके जगदीश सहायक आयुक्त, बैंगलोर ग्रामीण, श्री के के झा, उप सचिव

(एलडब्ल्यूई), गृह मंत्रालय, भारत सरकार इस अवसर पर उपस्थित थे।

विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर गुंडप्पा, बैंगलोर विश्वविद्यालय, स्नातकोतर सेंटर ने भारतीय संविधान – जनजातीय समुदाय के लिए विशेष प्रावधान पर व्याख्यान दिया ।

डॉ जेम्स, फर्स्ट एड्स ट्रेनिंग संकाय, सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन, बैंगलोर ने प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण पर जानकारी दी।

श्रीमती रामाका, शोधकर्ता ने प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास पर 'करियर मार्गदर्शन स्वयं के बारे में जानना' पर संबोधित किया । श्रीमती अंजुम अग्रवाल, हिंदी प्रध्यापक, केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, बैंगलोर ने 'आदिवासी लड़कियों को शिक्षित करने और सशक्त बनाने की आवश्यकता' पर व्याख्यान दिया।

इस कार्यक्रम में अतिविशिष्ट व्यक्तियों के साथ बातचीत, भारतीय संविधान पर सत्र – जनजातीय समुदाय के लिए विशेष प्रावधान, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन – व्यक्तित्व विकास – स्वयं को जानना, शामिल था।

समूह चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरी अवधी के दौरान कार्यक्रम का हिस्सा थे। प्रतिभागियों को आईटी पार्क – विप्रो, इंफोसिस, वेलंकानी समूह और एचपी और लाल बाग बॉटनिकल गार्डन में ले जाया गया जहां उन्हें जानकारी मिली।

क्षेत्र के भ्रमण के दौरान, प्रतिभागियों को सीआरपीएफ समूह केंद्र जाने का अवसर मिला और सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ इंटरफ़ेस भी था। सीआरपीएफ पर फिल्म शो, सीआरपीएफ पर योग्यता पर बातचीत / प्रदर्शन – सीआरपीएफ के लिए चयन प्रक्रिया – स्वास्थ्य परीक्षण। प्रतिभागियों को विद्या सौध, जवाहरलाल नेहरू प्लेनेटरीयम, विश्वेश्वरिया औद्योगिक संग्रहालय, इस्कॉन, मैसूर साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड का दौरा किया।

समापन समारोह से पहले कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों के अनुभव, मूल्यांकन और प्रतिक्रिया साझा करने के लिए सत्र आयोजित किए गए थे।

एस्कॉर्ट्स समेत कुल 230 प्रतिभागियों ने बैंगलोर (कर्नाटक) में आदिवासी आदान प्रदान कार्यकम में भाग लिया।

दिल्ली (22 से 28 फरवरी, 2017)

9वें आदिवासी आदान प्रदान कार्यकम का उद्घाटन 23 फरवरी 2017 को गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली में किया गया था।

श्री विजय गोयल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने 23 फरवरी 2017 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ ए.के दुबे, सचिव, युवा मामले विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, श्री दिनेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, नेयुकेसं,

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेयुकेसं, श्री वीरेंद्र मिश्रा, कार्यकारी निदेशक नेयुकेसं ने इस कार्यक्रम की शोभा बढाई।

व्यक्तित्व विकास, नकद रहित लेनदेन, भारतीय संविधान, योग और स्वास्थ्य कार्यक्रम पर व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए, इसके बाद शिविर में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

प्रतिभागियों को सीआरपीएफ शिविर, ओल्ड जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली जाने का अवसर मिला, जिसमें सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने जनजातीय युवा प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए।

उन्हें विभिन्न प्रशिक्षण प्रक्रिया और सीआरपीएफ के अभ्यास के लाइव प्रदर्शन को देखने का मौका मिला। प्रतिभागियों को सीआरपीएफ के शौर्य संस्थान वसंत कुंज भी ले जाया गया जहां उन्हें सीआरपीएफ की स्थापना, सीआरपीएफ गतिविधियों पर वृत्तचित्र फिल्म के द्वारा जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को दिल्ली गेट, गांधी स्मृति, राज घाट और दिल्ली के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर ले जाया गया। प्रतिभागियों को मंडी हाउस से इंद्रप्रस्थ तक मेट्रो ट्रेन की सवारी करने का भी मौका मिला।

दिल्ली में 9वें आदिवासी आदान प्रदान कार्यक्रम के समापन समारोह में श्री विनय सहस्रबुद्धे, माननीय सासंद, मुख्य अतिथि थे।

एस्कॉट्‌र्स समेत कुल 227 प्रतिभागियों ने दिल्ली में आदिवासी आदान प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया।

जम्मू (19 से 25 फरवरी 2017)

09वें आदिवासी आदान प्रदान कार्यक्रम का उद्‌घाटन 19 फरवरी 2017 को सरस्वती धाम, श्री माता वैष्णो देवी साइन बोर्ड, जम्मू, जम्मू–कश्मीर में किया गया था।

डॉ जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तरपरिक्षेत्र, विकास मंत्रालय एवं केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, मंत्री कार्मिक लोक शिकायतें एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष, भारत सरकार द्वारा दिनांक 18 फरवरी 2017 को कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया गया।

श्री जुगल किशोर शर्मा माननीय सांसद लोकसभा, श्री शमशेर सिंह मनहास, सांसद लोकसभा, श्री राजेश गुप्ता, माननीय सदस्य विधानसभा तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री बिनय झा, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त, पंजाब और जम्मू–कश्मीर, श्री हेमंत गुप्ता, आईआरएस, संयुक्त आयुक्त, आयकर, जम्मू–कश्मीर, डॉ गौरव सहगल, एचओडी विपणन और एससीएन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू, श्री रवि कुमार, जेके महिला विकास निगम, जम्मू, डॉ विनोद कुमार, जेकेईडीआई, श्री टी के कौल, औद्योगिक संवर्धन अधिकारी, डीआईसी जम्मू, श्री संतोष सराफ, डिप्टी सीईओ, केवीआईबी, जम्मू भी उपस्थित थे।

प्रतिभागियों ने राजभवन में जम्मू–कश्मीर के माननीय राज्यपाल श्री एन एन वोहरा के साथ मुलाकात एवं बातचीत की।

इस कार्यक्रम में अतिविशिष्ट व्यक्तियों के साथ बातचीत, भारतीय संविधान, जनजातीय समुदायों की कठिनाईयों और अवसरों, अनुशासन और आत्म विकास, युवा सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण, स्व रोजगार, वित्तीय और सामाजिक समावेश और करियर मार्गदर्शन आदि पर सत्र शामिल थे। प्रतिभागियों द्वारा सभी दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गऐ।

प्रतिभागियों को बड़ी ब्रह्मा में प्रिया गोल्ड उत्पादक प्लांट का भ्रमण किया, जिसमें उद्योग फेडरेशन के अध्यक्ष श्री राजेश जैन से मिलने का मौका मिला। प्रतिभागियों ने श्री अजय परगल, उद्योगपति के साथ ट्रीट कोल्ड ड्रिंक्स उत्पादक प्लांट बड़ीब्रह्मा का भी भ्रमण किया।

प्रतिभागियों को अनुसूचित जाति विकास कल्याण के राज्य सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री भूषण लाल डोगरा के साथ सुचेतगढ़ ऑक्टोई पोस्ट (भारत–पाक सीमा शून्य रेखा) पर जाने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को कटरा में श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड जाने का अवसर भी मिला।

समापन समारोह में श्रीमान सिमरनदीप सिंह, आईएएस, उपायुक्त, जम्मू मुख्य अतिथि थे। एस्कॉर्ट्स समेत कुल 225 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

शिमला (6 वीं से 12 मार्च 2017)

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा ने सूद धर्मशाला, राम मंदिर, शिमला, हिमाचल प्रदेश में 6 मार्च से 12 मार्च 2017 तक आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

शिमला, हिमाचल प्रदेश में 9 वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन 6 मार्च 2017 को श्री तरुण कपूर, अतिरिक्त मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किया गया। श्री राकेश प्रजापति, अतिरिक्त उपायुक्त, शिमला इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि थे।

विषय विशेषज्ञ सुश्री विभूति दुबे, कॉर्पोरेट प्रेरक, श्री श्रीनिवास जोशी, सेवानिवृत्त, आईएएस, श्री अजय कश्यप, सीनियर मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया, डॉ प्रमोद शर्मा, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, डॉ प्रवीण भाटिया, प्रोफेसर न्यूरो सर्जरी, आईजीएमसी शिमला द्वारा विभिन्न मुद्दों पर व्याख्यान

दिए जैसेः—सामाजिक महत्व, युवाओं की आवाज, नेतृत्व की अवधारणा, व्यक्तित्व विकास, जीवन कौशल, कौशल भारत, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वास्थ्य, डिजिटल भारत, स्वच्छ भारत, सामुदायिक विकास, आदिवासी युवा सशक्तिकरण इत्यादि।

इस कार्यक्रम में अतिविशिष्ट के साथ बातचीत, भारतीय संविधान पर सत्र – जनजातीय समुदाय, योग, पर्यटन स्थलों का भ्रमण, अनुभव साझा करने, राज्य प्रस्तुति, समूह चर्चा, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, करियर मार्गदर्शन – व्यक्तित्व विकास – स्वयं के बारे में जानना, 'शिक्षित करने की आवश्यकता और आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाना' आदि भाामिल थे।

समापन समारोह से पहले कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों के अनुभव, मूल्यांकन और प्रतिक्रिया साझा करने के लिए सत्र आयोजित किए गए ।

एस्कॉट्र्स समेत कुल 219 प्रतिभागियों ने शिमला (हिमाचल प्रदेश) में आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में भाग लिया।

9वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में प्रतिभागियों एवं एस्कॉर्ट का विवरण

क्र.सं.	मेजबान राज्य का नाम/स्थान	समाप्ति की तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	एस्कॉट की संख्या	कुल
1	वडोदरा (गुजरात)	9 दिसम्बर से 15 दिसम्बर, 2016	दादा भगवान संत संस्थानक, केलनपुर, दाभोई रोड़, तह. एवं जिला वडोदरा, गुजरात	200	21	221
2	जयपुर (राजस्थान)	21 से 27 दिसम्बर, 2016	ज्ञान विहार विश्वविद्यालय कैम्पस, जगतपुरा, जयपुर, राजस्थान	199	19	218
3	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	2 जनवरी से 8 जनवरी, 2017	प्रबंधन अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संस्थान, विपुल खंड–VI गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	186	21	207
4	पुणे (महाराष्ट्र)	4 जनवरी से 10 जनवरी, 2017	मुख्य सभागार, सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर, तलेगांव, पुरानी मुंबई, पुणे हाईवे, मह. मावल, जिला पुणे, महाराष्ट्र	191	20	211
5	हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	23 जनवरी से 29 जनवरी, 2017	सहकारी प्रबंधन संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश	202	20	222
6	चैन्नई (तमिलनाडू)	24 जनवरी से 30 जनवरी, 2017	वेत्री कृष्णन कल्याण मंतापम, यूथ हॉस्टल, अदयार, चैन्नई, तमिलनाडू	200	21	221

7	बैंगलुरु (कर्नाटक)	4 फरवरी से 10 फरवरी, 2017	डॉ. ऐनी बेसेंट स्काऊट एवं गाईड राज्य प्रशिक्षण कैम्पिंग सेंटर, डोडाबालापुर, बैंगलोर, कर्नाटक	206	24	230
8	जम्मू (जम्मू एवं क मीर)	19 फरवरी से 25 फरवरी, 2017	सरस्वती धाम, श्री माता वैष्णो देवी शाईन बोर्ड, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर	203	22	225
9	दिल्ली (दिल्ली)	22 फरवरी से 28 फरवरी, 2017	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली	210	17	227
10	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	6 से 12 मार्च, 2017	सूद धर्मशाला, राम मंदिर, शिमला, हिमाचल प्रदेश	198	21	219
			कुल	**1995**	**206**	**2201**

गणतंत्र दिवस समारोह, 2017 के अवसर पर 'देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण' पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार नेहरू युवा केंद्र संगठन ने गणतंत्र दिवस समारोह 2017 के अवसर पर 'देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया।

भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना पैदा करना तथा राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए नेतृत्व के गुणों से युक्त युवाओं की पहचान करना था। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गये।

गणतंत्र दिवस समारोह, 2017 के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा दिनांक 19 –20 जनवरी, 2017 को हिंदी भवन, राउज़ एवेन्यू, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

25 राज्यों के कुल 25 राज्य स्तर के प्रथम पुरस्कार विजेताओं ने दिल्ली में राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर के भाषण प्रतियोगिता का उद्घाटन श्री विजय गोयल, माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार ने दीपक प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान डॉ ए के दुबे,

सचिव (युवा मामले), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, श्री दिनेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, शासी बोर्ड, नेहरू युवा केंद्र संगठन, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन और डॉ. वीरेंद्र मिश्रा, कार्यकारी निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन उपस्थित थे।

श्री विजय गोयल, माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि जो समाज के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं वे देशभक्त हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए गऐ सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे– बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, स्वच्छ भारत मिशन, कैशलेस लेनदेन, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी, प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैण्ड अप इंडिया आदि में युवाओं को सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

डॉ ए के दुबे, सचिव, (युवा मामले), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस अवसर के दौरान अपने भाषण में युवाओं का आव्हान किया कि जो कुछ भी आप करें, आप आत्मविश्वास और अपनी योग्यता और पूर्णता के साथ करें यह देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आपका योगदान होगा। उन्होंने आगे कहा कि, युवाओं को कभी हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा अपने प्रयासों में प्रगति करना जारी रखना चाहिए।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अपने स्वागत भाषण में युवाओं के बीच अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व के महत्व पर बल दिया जो देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में मदद करता है।

उन्होंने कहा कि भाषण प्रतियोगिता को नेयुकेसं के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है जिसमें युवा बड़े पैमाने पर भाग लेते हैं।

नेहरू युवा केंद्र संगठन के कार्यकारी निदेशक डॉ वीरेंद्र मिश्रा ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में भागीदारी के लिए आत्मविश्वास, मेहनत और विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागियों ने सम्मानित सभा के सम्मुख 10 मिनट की प्रस्तुति में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी उपस्थित लोगों द्वारा सराहना की गई। प्रतिभागियों द्वारा वर्तमान राष्ट्र विकास के मुद्दों और परिदृश्यों के साथ देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर वर्तमान मुद्दे जैसे देश के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए गए प्रमुख कार्यक्रम जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, कैशलेस लेनदेन, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी, प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैण्ड अप इंडिया आदि पर युवाओं की भागीदारी और जागरूकता विकास जैसे परिदृश्यों को जोड़ते हुए देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर अपनी प्रस्तुति दी। देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में मैत्रीभाव की भावना साझा करने के साथ–साथ स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और कार्यों को प्रतिभागियों द्वारा उनकी प्रस्तुति में अत्यन्त प्रभावी ढंग से उद्धृत किया गया।

श्री रवि गुप्ता, प्रेरक ने कार्यक्रम के दौरान डिजिटल इंडिया अभियान और कैशलेस लेनदेन के बारे में विस्तार से बात की उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल और नकद रहित लेनदेन के बारे में समझने का प्रयास किया।

19–20 जनवरी, 2017 को नेहरु युवा केन्द्र, एनएसएस और भारतीय विद्या पीठ के लगभग 250 युवाओं ने समारोह में भाग लिया।

आठ जजों के पैनल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया और जम्मू–कश्मीर राज्य की सुश्री सीरत बाजी को नकद पुरस्कार रुपये 2,00,000/–के साथ पहला पुरस्कार, छत्तीसगढ़ से दूसरे पुरस्कार

विजेता श्री प्रतीक कुमार शर्मा को नकद पुरस्कार रुपये 1,00,000/–के साथ और तीसरे पुरस्कार विजेता श्री ध्रुव शर्मा को नकद पुरस्कार रुपये 50,000/–के साथ विजेता घोषित किया गया। सभी प्रतियोगी को प्रमाण पत्र भी दिए गए।

विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र श्री दिनेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, भासी बोर्ड सदस्य, नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा 20 जनवरी 2017 को हिंदी भवन, राउज़ एवेन्यू, नई दिल्ली में प्रदान किए गए।

श्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिता कार्यक्रम के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान अपने अध्यक्षीय भाषण में कड़ी मेहनत, ईमानदारी, महिलाओं का सम्मान करने की आदत, देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुरस्कार वितरण समारोह से पहले राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता के जजों के पैनल ने राष्ट्र विकास में युवा भागीदारी के परिप्रेक्ष्य में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर अपने विचार और अनुभव साझा किए।

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता पुरस्कार विजेताओं का सम्मान।

दिनांक 28 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, दिल्ली छावनी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता के पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार विजेताओं को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया और प्रतिभागियों को डॉ. सुभाष रामराव भामरे, माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

निष्कर्षः –

भाषण प्रतियोगिता द्वारा सामान्य जनता के बीच देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण के विकास के लिए युवाओ को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया शुरू की है और राष्ट्र विकास के लिए राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों पर जागरूकता को सुविधाजनक बनाने के लिए भी काम शुरू किया है। भाषण प्रतियोगिताओं ने युवाओं को एक तरफ सार्वजनिक रूप से बोलने के अपने प्रस्तुति कौशल और कला को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया और पूरे युवा समुदाय के बीच वांछित माहौल बनाया और भारत में युवाओं के बीच स्वस्थ सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा दिया और सोशल मीडिया को सक्रिय किया। भाषण प्रतियोगिताओं ने युवाओं में अंतर्निहित नेतृत्व क्षमता का विकास, जागरूकता निर्माण, लोकप्रियता और भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए युवा नेता और राष्ट्रीयता को आगे बढ़ाने का प्रयास किया हैं। इससे उन्हें अपने नेतृत्व के गुणों को विकसित और परिष्कृत करने में भी मदद मिली है। इस कार्यक्रम ने देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर स्वस्थ बहस के लिए बहुत सकारात्मक वातावरण तैयार किया है जिससे युवाओं के बीच देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न हुई है।

गणतंत्र दिवस समारोह 2017 के भाग के रूप में 'देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण' पर भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का विवरण

क्र.सं.	राज्य	जिला स्तरीय प्रतियोगिता		राज्य स्तरीय प्रतियोगिता		राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या
		जिलों की संख्या जिसमें भाशण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी	जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या	राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि	राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या	
1	आंध्र प्रदेश	3	132	02.01.2017	3	1
2	आसाम	9	170	23.12.2016	8	1
3	बिहार	11	278	03.01.2017	11	1
4	छत्तीसगढ़	5	84	07.01.2017	5	1
5	दिल्ली	9	178	03.01.2016	9	1
6	गुजरात	2	40	05.01.2017	2	1
7	हरियाणा	5	220	11.01.2017	5	1
8	हिमाचल प्रदेश	4	86	29.12.2016	4	1
9	जम्मू एवं कश्मीर	5	265	23.12.2016	5	1
10	झारखंड	6	156	05.01.2017	6	1
11	कर्नाटक	5	81	05.01.2016	5	1
12	केरल	5	62	26.12.2016	5	1
13	मध्य प्रदेश	17	375	07.01.2017	17	1
14	महाराष्ट्र	10	183	05.01.2017	10	1
15	मणिपुर	7	91	07.01.2016	6	1
16	मेघालय	2	20	30.12.2016	2	1
17	नागालैंड	1	10	14.12.2016	1	0
18	ओड़िशा	5	61	22.12.2016	5	1
19	पंजाब	7	175	23.12.2016	6	1
20	राजस्थान	8	225	25.12.2016	8	1
21	सिक्किम	1	21	27.12.2016	1	1
22	तमिलनाडू	14	302	28.12.2016	11	1
23	तेलंगाना	2	61	30.12.2016	2	1
24	त्रिपुरा	3	38	24.12.2016	3	1
25	उत्तर प्रदेश	14	345	05.01.2017	11	1
26	पश्चिमी बंगाल	14	339	06.01.2017	14	1
	कुल	**174**	**3998**	**26**	**165**	**25**

19–20 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता प्रतिभागियों की सूची

क्र.सं.	राज्य	प्रतियोगी का नाम	पिता का नाम	जिला
1	आंध्र प्रदेश	बी. भारत	बिसाती आदिनारायण	अनंतपुरम
2	आसाम	लवलीना सहारिया	श्री कुलेन सहारिया	दाररंग
3	बिहार	श्री शिवेन्द्र कुमार मालविया	श्री जितेन्द्र कुमार मालविया	गया
4	छत्तीसगढ़	प्रतीक कुमार शर्मा	सुशील शर्मा	दुर्ग
5	दिल्ली	शाहनवाज़	मनब्बर अली	पूर्वी दिल्ली
6	गुजरात	पटेल अंजली पी.	पंकज भाई	गांधी नगर
7	हरियाणा	प्रिया शर्मा	श्याम सुन्दर शर्मा	अम्बाला
8	हिमाचल प्रदेश	शिवा देवी	हीरा लाल	कुल्लू
9	जम्मू एवं कश्मीर	सीरत बाजी	मुश्ताक हुसैन	जम्मू
10	झारखंड	श्री राजा राम मिश्रा	सुबोध मिश्रा	गिरीडिह
11	कर्नाटक	आदित्य शेट्टी जनाना	श्री जनाना वसंत शेट्टी	मंगलोर
12	केरल	देविका कृष्णन	श्री राधाकृष्णन पी.	त्रिचूर
13	मध्य प्रदेश	शुभम शर्मा	मदन मोहन शर्मा	ग्वालियर
14	महाराष्ट्र	श्री सुबोध प्रेमदास धुरंधर	प्रेमदास	अमरावती
15	मणिपुर	सी. थंगमिनलाल दुंगेल	पओखोसी दुंगेल	चुराचंदपुर
16	मेघालय	वंगबोरलंग मालंगीअंग	श्री वाथिंग्रोय सिअंगशाई	री–भोई
17	ओड़िशा	राकेश दास	रमाकांत दास	केन्द्रापारा
18	पंजाब	सुश्री काजल महाजन	अजय महाजन	गुरदासपुर
19	राजस्थान	ध्रुव शर्मा	श्री सीताराम शर्मा	उदयपुर
20	सिक्किम	याशल दोरजी थमंग	चन्द्र बीर थमंग	दक्षिण सिक्किम
21	तमिलनाडू	प्रदीप कुमार एस.	सेंथिल कुमार वी.	सेलम
22	तेलंगाना	श्रीमती एन. अनुशा	लक्ष्मण राव	वारंगल
23	त्रिपुरा	श्री जगत मोनी जमातिया	परामोनी जमातिया	पश्चिम त्रिपुरा
24	उत्तर प्रदेश	श्रीमती सुमन झा	शंकर कुमार झा	वाराणसी
25	पश्चिमी बंगाल	देबादरिता समाजदार	सोमेन समाजदार	दक्षिण कोलकाता

मेरा मोबाइल, मेरा बैंक, मेरे बटुए पर जागरूकता और शिक्षा

सरकार द्वारा हाल ही में काले धन की रोकथाम के लिए भ्रष्टाचार, आतंकवाद और नक्सलीवाद पर नियंत्रण करने तथा गरीब और अमीर लोगों के बीच असमानता के अंतर को भरने और देश के आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए विमुद्रीकरण किया है। नकद के बिना लेनदेन को लोकप्रिय बनाने और अपने दैनिक जीवन में इसे अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन के द्वारा कैशलेस लेनदेन के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया हैः–

- नकदी के बिना लेनदेन के लिए मोबाइल के उपयोग पर प्रमुख नेयुकेसं युवा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण।
- मोबाईल के माध्यम से नकद के बिना लेनदेन को अपनाने के लिए लोगों को एकत्रित और प्रेरित करना।
- ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से लेनदेन शुरू करने के लिए लोगों को शिक्षित करना और उनमें सामर्थ्य विकसित करना।

मार्च, 2017 के महीने के दौरान, देश भर में 512 जिलों में नेहरु युवा केन्द्र के युवा नेताओं द्वारा कैशलेस लेनदेन पर 93,62,051 लोगों को जागरूक और प्रशिक्षित किया गया था।

दिनांक 31.03.2017 को मेरा मोबाईल..........मेरा बैंक...................मेरा बटुआ पर संकलित रिपोर्ट

क्र.सं.	राज्य	कार्यक्रम आयोजित करने वाले जिलों की संख्या	अभिमुख/प्रशिक्षित एन.वाई.वी. की संख्या 1	युवा नेताओं को अभिमुख करने के लिए एन.वाई.वी. द्वारा पहुंच बनाने वाले गांवों की संख्या	एन.वाई.वी. द्वारा प्रशिक्षित/अभिमुख किए गए युवा नेताओं की संख्या 2	युवा नेताओं द्वारा अपने गांवों में प्रशिक्षित किए गए व्यक्तियों की संख्या 3
			प्राप्त लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
1	आंध्र प्रदेश	14	332	5332	63714	859396
2	अरुणाचल प्रदेश	3	43	67	270	420
3	आसाम	21	374	4710	28120	472650
4	बिहार	38	838	9992	49689	105762
5	छत्तीसगढ़	16	226	452	904	1808
6	दिल्ली	9	44	309	2642	4763
7	गुजरात	31	160	310	8600	204530
8	हरियाणा	19	189	3374	44465	189761
9	हिमाचल प्रदेश	12	155	1041	10458	24022
10	जम्मू एवं कश्मीर	14	327	5029	20873	66459
11	झारखंड	8	127	82	895	1270
12	कर्नाटक	20	187	1681	3004	12136
13	केरल	16	210	3998	26115	20250
14	मध्य प्रदेश	48	639	4434	24974	141185
15	महाराष्ट्र	36	530	5465	48109	257255
16	मणिपुर	10	106	172	4912	11675
17	मेघालय	1	15	10	40	40
18	मिजोरम	8	56	784	674	29873
19	नागालैंड	3	14	16	105	105
20	ओड़िशा	13	255	262	4830	36810
21	पंजाब	21	230	3200	2300	49070
22	राजस्थान	32	543	24378	138189	337800
23	सिक्किम	4	57	195	3900	5850
24	तमिलनाडू	25	214	23617	3000	40555
25	तेलंगाना	10	150	5320	21997	243709
26	त्रिपुरा	4	0	990	1320	32110
27	उत्तर प्रदेश	41	718	8986	114065	1928897
28	उत्तराखंड	11	125	2316	6418	13190
29	पश्चिमी बंगाल	24	722	9073	105513	3523019
	योग	**512**	**7586**	**125595**	**740095**	**8614370**
	कुल योग(1+2+3)	**9362051**				

किशोर स्वास्थ्य और विकास परियोजना (एएचडीपी):

यह कार्यक्रम यूएनएफपीए से वित्त पोषण के द्वारा आयोजित किया गया। परियोजना का उद्देश्य गैर छात्र किशोरों में निम्न के प्रति सामर्थ्य विकसित करना है:–

(i) जीवन कौशल आधारित संवेदनशील तरीके से प्रजनन और यौन स्वास्थ्य

(ii) बेहतर रोजगार के लिए शिक्षा और कौशल निर्माण संस्थानों में संयोजन

(iii) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में युवा मित्रवत और लिंग–संवेदनशील सेवाओं के पहुंच में सुधार।

परियोजना को पायलट आधार पर 5 राज्यों (महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओड़िशा और बिहार) के 10 चिह्नित किए गए जिलों में लागू किया गया था। किशोरों को किशोर मंडलों में व्यवस्थित किया गया था और विस्तार कार्य प्रशिक्षित पीयर शिक्षकों के माध्यम से किया गया। वर्ष 2016–17 के दौरान (30.06.2016 तक), 1,860 किशोर मंडलों का पुनर्गठन किया गया है। 7,440 पीयर शिक्षक चुने गए और आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

7440 सहकर्मी शिक्षकों के लिए पीयर शिक्षक प्रशिक्षण तीसरे चरण में पूरा किया गया था। स्वास्थ्य मेला 13190 किशोरों की भागीदारी के साथ 193 किशोर मंडलों में पूरा किया गया था। 13 बैठकें (प्रयास अपना तीसरा चरण) 1222 किशोरों की भागीदारी के साथ 40 किशोर मंडलों में आयोजित की गई थी। 14 बैठकें (सकारात्मक रिश्तों का सपना (लिंग भेदभाव)) 2195 किशोरों की भागीदारी के साथ 91 किशोर मंडलों में आयोजित की गई थी। 15 बैठकें (स्वास्थ्य और सकारात्मक रिश्तों का सपना (तकरार सुलझाना) 477 किशोर मंडलों में 9460 किशोरों की भागीदारी के साथ आयोजित की गई थी। 16 बैठकें 14652 किशोरों की भागीदारी के साथ 694 किशोर मंडलों में आयोजित की गई थी। 17 बैठकें 40300 किशोर की भागीदारी के साथ 1200 किशोर मंडलों में आयोजित की गई थी। 18 बैठकें 40300 किशोरों की भागीदारी के साथ 1671 किशोर मंडलों में आयोजित की गई थी। सामाजिक कार्य परियोजनाओं को 1410 में किशोर मंडलों द्वारा 39525 किशोरों की भागीदारी के साथ पूरा किया था। समापन 1814 किशोर मंडलों द्वारा 65147 किशोरों की भागीदारी के साथ पूरा किया गया।

किशोरावस्था स्वास्थ्य और विकास कार्यक्रम अंततः 30 जून 2016 को पूरा किया गया।

बैंगलोर में प्रवासी भारतीय दिवस के दौरान आयोजित प्रदर्शनी

प्रवासी भारतीय दिवस 7, 8 और 9 जनवरी 2017, को बैंगलोर में विदेश मंत्रालय द्वारा मनाया गया। बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) कार्यक्रम का स्थल था।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नेयुकेसं कर्नाटक द्वारा पीबीडी में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। पीबीडी के एक भाग के रूप में बीआईईसी में सभी प्रमुख सरकारी विभागों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी से भरे दो विशाल हॉल थे युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय को पीएबीडी के हॉल नंबर 2 में प्रदर्शनी के लिए 1000 वर्ग फुट क्षेत्र आवंटित किया गया था। प्रदर्शनी के दो घटक थे –

युवा कृति प्रदर्शनी– 9×9 आकार के 7 स्टाल थे जिसमें चयनित युवा मंडलों के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। वे असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कर्नाटक राज्यों से थे। केरल से कॉफी पेड़ की जड़ों पर लकड़ी के हस्तशिल्प, असम रेशम उत्पाद, पुडुचेरी से चमड़े के शिल्प, तमिलनाडु के आर्टिफैक्ट ने आगंतुकों को आकर्षित किया। कर्नाटक के 3 स्टाल थे – बिदर से ब्लैक मेटल हस्तशिल्प, हसन से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता की चित्रकला, बैंगलोर से लकड़ी के खिलौने और जूट बैग प्रदर्शनी के आकर्षण में शामिल थे।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नेयुकेसं, आरजीएनआईवाईडी और एनएसएस पर प्रदर्शनी

युवा कृति के समीप 400 वर्ग फुट क्षेत्र के एक हॉल में, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एजेंसियों की सफलता की कहानियों का प्रदर्शन, प्रदर्शनी में आने वाले प्रवासियों के दौरे के लिए किया गया था। नेयुकेसं, आरजीएनआईवाईडी और एनएसएस पर पैनलों का प्रदर्शन किया गया। एजेंसियों पर मुद्रित सामग्री भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराई गई थी। पैनलों पर नेयुकेसं, एनएसएस और आरजीएनआईवाईडी की सभी प्रमुख गतिविधियों को रोशनी डाली गई थी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों पर भी रोशनी डाली गई थी।

आगंतुक

अनेकों अति विशिष्ठ व्यक्तियों द्वारा पीबीडी के प्रदर्शनी स्टालों का दौरा किया। पुर्तगाल गणराज्य के प्रधानमंत्री, सूरीनाम गणराज्य के उपराष्ट्रपति और मलेशिया के युवा कल्याण मंत्री द्वारा स्टालों का भ्रमण करने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्तियों में से थे। महाराष्ट्र, केरल, छत्तीसगढ़ और पांडिचेरी के मुख्यमंत्रियों ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के साथ स्टालों का दौरा किया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार ने भ्रमण किया और युवाओं से बातचीत की। सचिव, संयुक्त सचिव एवं निदेशक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आयोजन में समर्थन और मार्गदर्शन के लिए महानिदेशक और कार्यकारी निदेशक, नेयुकेसं उपस्थित थे।

नेहरु युवा केन्द्र के युवाओं के उत्पादों और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत एजेंसियों की सफलता की कहानियों पर प्रदर्शनी ने प्रवासी भारत दिवस प्रदर्शनी का भ्रमण करने वाले हर किसी का ध्यान आकर्षित किया

कैशलेस प्रशिक्षण परियोजना –दिल्ली 2016–17

नेहरू युवा केंद्र संगठन, दिल्ली राज्य ने दिल्ली के 10 जिलों में नकद रहित, जागरूकता, शिक्षा और लेनदेन के प्रशिक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

नेहरू युवा केंद्र संगठन मुख्यालय द्वारा अनुमोदित मेरिट सूची के अनुसार दिल्ली (उत्तर, पूर्वोत्तर, पूर्व, केन्द्र, दक्षिण, दक्षिण पूर्व, केन्द्र, दक्षिण पश्चिम, पश्चिम और उत्तर पश्चिम) के 10 जिलों में 50 स्वयंसेवकों को नियुक्त किया गया ।

कैशलेस लेनदेन पर लक्षित समूह को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तैनात स्वयंसेवकों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में अभिमुख कराया। उन्हें व्यक्तिगत लक्ष्य दिये गये। श्री दिनेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, नेयुकेसं और डॉ वीरेंद्र मिश्रा, कार्यकारी निदेशक ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। स्वयंसेवकों को टी–शर्ट, टोपी, परिचय पत्र और संदर्भ किट प्रदान की गई थी।

कार्यक्रम रिपोर्टिंग में लिए दैनिक रिपोर्टिंग सिस्टम विकसित किये गये। एनवाईवी/ लेखालिपिक–सह–टंककों को स्वयंसेवकों से जिलावार रिपोर्ट एकत्र करने की ज़िम्मेदारी दी गई। दिए गए प्रोफार्मा पर रिपोर्ट स्वयंसेवकों द्वारा एकत्रित की गई और यह रिपोर्ट राज्य स्तर पर संकलित की गई।

दिल्ली के 10 जिलों में नेहरु युवा केन्द्रों के युवा स्वयंसेवकों द्वारा कैशलेस लेनदेन पर कुल 37079 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया।

एनपीवाईएडी से वित्त पोषण के साथ आयोजित कार्यक्रम

वर्ष 2016–17 के दौरान, नेयुकेसं ने युवा मामले के विभाग के युवा और किशोर विकास (एनपीवायएडी) के राष्ट्रीय कार्यक्रम से वित्त पोषण के साथ निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

1. राष्ट्रीय एकता शिविर

राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों से युवाओं को एक साझा मंच पर लाकर, उन्हें देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर देना, उन्हें विविधता में एकता के धागे को पहचानने में सक्षम करना है, जो हर भारतीय को एक सूत्र में बाँधता है। इस कार्यक्रम में 250 प्रतिभागियों को भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016–17 के दौरान, 31.3.2017 तक 5637 युवाओं सहित 22 राष्ट्रीय एकता शिविर आयोजित किए गए हैं।

निर्धारित लक्ष्यों को कई गतिविधियों अर्थात् सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्य शिविरों, ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण परिवार के साथ निवास, सभी धर्मों के प्रवचनों और सांप्रदायिक सद्भाव, एकता और भाईचारे के संदेश के साथ के माध्यम से पूरा किया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान आपसी चर्चा, एवं विचार विमर्श, युवा संबंधी, लोकतंत्र, पर्यावरण संरक्षण, मानव अधिकार, संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य, और विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान कर उन्हें कार्यक्रम के साथ एकीकृत किया गया।

राष्ट्रीय एकता शिविर की मुख्य विशेषताएं

राष्ट्रीय एकता शिविर में निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित किया गया:

- भारत, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की विशिष्टताओं, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और समकालीन चुनौतियों को समझना।
- भारतीय लोकतंत्र, भारतीय संविधान की विशिष्ट बातों और नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को समझना।
- परंपरागत वेशभूषा में परेड (सांस्कृतिक रैली/पदयात्रा) कार्यक्रम।
- जनता में सद्भावना, शांति, विकास और एकजुटता के संदेश का प्रसार करना और सांस्कृतिक विविधता, विशिष्टता और देश की अखंडता को प्रदर्शित करना।
- प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सद्भाव, भारतीय संविधान, लोकतंत्र, नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों, स्वतंत्रता संग्राम, व्यक्तित्व विकास, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, आपदा तैयारियां और प्रबंधन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, भाषा सीखने, भारत को जानने और बुनने नो इंडिया एंड निट इंडिया के बारे में सूचित करने पर जोर दिया गया था।
- ऐतिहासिक स्थानों का क्षेत्रीय दौरा।

राष्ट्रीय एकता शिविर

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित	2016–17	
		कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	1	250
2	अरुणाचल प्रदेश	0	0
3	आसाम	1	255
4	बिहार	0	0
5	छत्तीसगढ़	0	0
6	दिल्ली	1	300
7	गुजरात, दादरा नगर एवं हवेली तथा दमन एवं दीयू	1	242
8	हरियाणा	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	2	540
10	जम्मू एवं कश्मीर	1	252
11	झारखंड		
12	कर्नाटक	1	250
13	केरल, लक्षद्वीप एवं माहे	0	0
14	मध्य प्रदेश	1	242
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	2	537
16	मणिपुर	1	250
17	मेघालय	0	0
18	मिजोरम	0	0
19	नागालैंड	0	0
20	ओड़िशा	2	504
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	1	250
22	राजस्थान	1	254
23	सिक्किम	0	0
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	0	0
25	तेलंगाना	0	0
26	त्रिपुरा	0	0
27	उत्तर प्रदेश	5	1251
28	उत्तराखंड	1	260
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0	0
	कुल	**22**	**5637**

2. युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (वाईएलपीडीपी)

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा नेताओं को प्रशिक्षित करना और गांवों और युवा मंडलों के लिए ज़िम्मेदारी संभालने तथा गांवों के सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक–सांस्कृतिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक गुणों से लैस करना है। कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहलुओं पर जागरूकता उत्पन्न करता है। यह एक 30 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है, प्रत्येक कार्यक्रम में 30 युवा भाग लेते हैं। 2016–17 के दौरान, 31.7.2017 तक 197 युवाओं सहित 6 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम निम्न उद्देश्यों पर केंद्रित थे:

- ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व के गुणों का विकास।
- जीवन कौशल शिक्षा और मूल जीवन कौशल का मकसद।
- कृषि आधारित और अन्य व्यावसायिक कौशल पर युवाओं की जागरूकता और क्षमता निर्माण।
- आत्मविकास और व्यक्तित्व प्रबंधन।उद्यमिता विकास और उद्यमों को शुरू करने पर सुझाव।
- कैरियर परामर्श और कैरियर मूल्यांकन।
- तनाव प्रबंधन तकनीकें।
- टीम प्रबंधन और बातचीत का कौशल।

3. किशोरावस्था के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण (किशोरों का सशक्तिकरण)

कार्यक्रमों का उद्देश्य किशोरों के बीच व्यवहार को विकसित करना है जो उन्हें स्वस्थ विकल्प बनाने के लिए सशक्त बनाएगा, उनके जीवन कौशल को मजबूत करने के लिए उन्हें अपने जीवन में आने वाली खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के लिए, एचआईवी से बचाने के लिए ज्ञान बढ़ाने के लिए, किशोरावस्था प्रजनन यौन स्वास्थ्य के मुद्दों और चिंताओं का प्रबंधन करने और अपने मुद्दों को हल करने के लिए अपनी सामूहिक क्षमता को सशक्त करती है। वर्ष 2016–17 के दौरान, 31.6.2017 तक 226 किशोरों सहित 5 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

किशोरावस्था के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण की मुख्य विशेषताएं (किशोर सशक्तिकरण):

किशोरावस्था के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण (किशोर सशक्तिकरण): निम्नलिखित पर केंद्रित है:

- जीवन कौशल विकास के लिए गतिविधियों की चिह्नित करना।

- एचआईवी/एड्स और स्कूल न जाने वाले किशोरों के सामाजिक मुद्दों सहित किशोरावस्था प्रजनन और यौन स्वास्थ्य (एआरएसएच) के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण और जिम्मेदार व्यवहार विकसित करने के लिए आवश्यक जीवन कौशल सृजित करना।
- पारंपरिक लिंग भूमिकाओं (हिंसा, प्रभुत्व, भेदभाव) के हानिकारक पहलुओं को चिह्नित करना और संबंधों में लिंग समानता की दिशा में प्रभावी तरीके से काम करना।
- जीवन कौशल बढ़ाना जैसे –माता–पिता और बच्चों, शिक्षकों और छात्रों के बीच यौन और प्रजनन स्वास्थ्य समस्याओं पर सकारात्मक संचार और वार्ता कौशल बढ़ाना।
- निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना कौशल, जिसमें नैतिक और स्थिति के अनुसार विश्लेषण कौशल शामिल हैं।
- युवा वयस्कों को उनके लाभ के लिए कार्यक्रमों में नेतृत्व करने की क्षमता बढ़ाना, विशेष रूप से समस्याओं का आकंलन करना, प्रतिक्रियाएं देना, कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रबंधन और उनका मूल्यांकन करना।

4. साहसिक शिविर (साहसिक कार्य का प्रचार)

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच साहस और जोखिम लेने की भावना को प्रोत्साहित करना, राष्ट्रीय आपदाओं और अन्य आपात स्थिति के दौरान परिस्थितियों से निपटने के लिए युवाओं की क्षमता निर्माण करना और प्राकृतिक संसाधनों के पारिस्थितिकी और संरक्षण पर जोर देने के साथ प्रकृति के प्रति सराहना के भाव उत्पन्न करना। यह प्रत्येक बैच में 25 प्रतिभागियों के लिए 7 दिवसीय आवासीय शिविर होता है। वर्श 2016–17 के दौरान, 31 युवाओं को शामिल करते हुए 2 साहसिक शिविर 31.3.2017 तक आयोजित किए गए।

साहसिक शिविर की मुख्य विशेषताएं (साहसिकता को प्रोत्साहन):

साहसिक शिविर (साहसिकता को प्रोत्साहन) में निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित किया:

- व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।
- आत्म अनुशासन और सख्त दैनिक परिचर्या रखी जाती है।
- सभी विश्वास प्रार्थना, सामुदायिक गायन, शारीरिक व्यायाम और योग जैसी गतिविधियां दैनिक कार्यक्रम में शामिल की जाती हैं।
- युवा परिदृश्य, युवा समस्याओं और संभावनाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर समूह चर्चा, वार्ता, पैनल चर्चा, संगोष्ठी, का आयोजन किया जाता है।
- टीम बिल्डिंग, जोखिम लेने और जोखिम प्रबंधन पर चर्चा की जाती है।
- एकता और एकीकरण की भावना को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं।
- शिविर के पूरा होने की पूर्व संध्या पर एक लंबा सत्र आयोजित किया जाता है जिससे प्रतिभागियों को अपने सीखने के अनुभव साझा करने और उनके सीखने के परिणामों को मजबूत करने में मदद मिलती है।
- सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में साहस का अनुभव भी उपयोगी हो सकता है, इस पर एक सत्र भी आयोजित किया जाता है।

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय युवा कोर नामक योजना 2010–11 में एनएसवी योजना (1977–78) और आरएसवाई योजना (2005) में सं ाोधन के प चात आरंभ की गई)।

एनवाईसी योजना के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं ...

- अनुशासित और समर्पित युवाओं के एक समूह की स्थापना, जिनमें राष्ट्र निर्माण के कार्य में संलग्न होने का झुकाव और भावना है।
- समावेशी विकास की प्राप्ति को सुविधान्वित करना (सामाजिक और आर्थिक दोनों)
- समुदाय में जानकारी, बुनियादी ज्ञान के प्रसार बिंदु के रूप में कार्य करना
- समूह मॉड्यूलेटर्स और सहकर्मी समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना
- सार्वजनिक नैतिकता, ईमानदारी और परिश्रम की गरिमा को बढ़ाने की दिशा में छोटे साथियों के लिए आदर्श के रूप में कार्य करना।

इस योजना के प्रावधान के अनुसार, हर साल 623 जिलों में कुल 12,000 स्वयंसेवकों को तैनात किया जा रहा है। जिले के डीएम/डीसी की अध्यक्षता में स्वयंसेवकों के चयन के लिए चयन समिति होती है। 18–29 वर्ष के आयु वर्ग के स्वयंसेवकों को केवल 2 वर्ष की अधिकतम अवधि के लिए तैनात किया जाता है। प्रत्येक स्वयंसेवक को मासिक मानदेय के रूप में 5000/– रुपये का भुगतान अक्टूबर, 2016 से किया जा रहा है। पूर्व में प्रत्येक स्वयं सेवक को रुपये 2500/– के मासिक मानदेय का भुगतान किया जाता था। वर्श 2016–17 के दौरान देशभर में कुल 10081 स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है।

यह स्वयंसेवक ग्रामीण युवा मंडलों/महिला मंडलों और जिला नेहरु युवा केन्द्रों/विकासात्मक विभागों के बीच संपर्क कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

इस योजना के तहत प्रावधान के अनुसार, नए तैनात स्वयंसेवकों के लिए 15 दिन प्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम और दूसरे वर्ष में जारी स्वयंसेवकों के लिए 7 दिन पुन चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

स्वयंसेवकों नेयुकेसं के कोर कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों को लागू करने के अलावा गांव/सामुदायिक स्तर पर युवा मंडल और महिला मंडलों को प्रेरित करने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया है।

राजभाषा प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2016–2017

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार राजभाषा नीति कार्यान्वयन हेतु प्रयास किए गए।

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें एवं समीक्षा

वर्ष 2016–17 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 04 बैठकें (14.06.2016, 03.10.2016, 27.12.2016 तथा 14. 03.2017) को आयोजित की गई। इन बैठकों में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और निर्देश जारी किए गए थे। बैठकों में अधीनस्थ कार्यालयों के लिए निर्णय लिए गए।

2. राजभाषा निरीक्षण

वर्श 2016–17 के दौरान कुल 165 कार्यालयों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया। जिसमें नेहरु युवा केन्द्र, लखीमपुर खीरी, मंडी, केलांग, अल्मोड़ा, गोवा एवं नागपुर कार्यालयों का निरीक्षण संसदीय राजभाषा समिति द्वारा तथा नेहरु युवा केन्द्र रायपुर एवं मणिपुर का संसदीय राजभाषा समिति की उप–समिति आलेख एवं साक्ष्य द्वारा निरीक्षण किया गया तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा भी संगठन कार्यालयों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।

3. संगठन द्वारा हिन्दी कार्यशाला और सम्मेलन का आयोजन

हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालायें और सम्मेलनों का विभिन्न स्थानों पर आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :

कार्यशाला

केरल में 29.11.2016 को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

मणिपुर में 27.03.2017 को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

झारखंड़ में 31.03.2017 को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

त्रिपुरा में 31.03.2017 को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

सम्मेलन

तेलंगाना में 28.03.2017 को राज्य स्तरीय आयोजित किया गया।

सिक्किम में 31.03.2017 को राज्य स्तरीय आयोजित किया गया।

4. राष्ट्रीय एकता शिविर के तहत हिन्दी भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिता

नेहरू युवा केन्द्र, महरौली, दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन दिनांक 16 से 20 मार्च, 2017 तक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान 18 मार्च, 2017 को राजभाषा के उत्तरोतर विकास के लिए प्रतिभागियों के बीच हिन्दी निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5. हिन्दी दिवस/पखवाडा

मुख्यालय स्तर पर दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2016 तक हिन्दी दिवस/पखवाडा का आयोजन किया गया। दिनांक 14 सितम्बर, 2016 को हिन्दी दिवस/पखवाडा का शुभारंभ किया गया।

पखवाडे के दौरान हिन्दी सुलेख, हिन्दी नारा लेखन, हिन्दी टिप्पण आलेखन, हिन्दी निबंध प्रतियोगितायें आयोजित की गई। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण महानिदेशक द्वारा किया गया।

क्षेत्र के कार्यालयों में दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2016 तक हिन्दी दिवस/पखवाडा के दौरान गांव स्तर से राष्ट्र स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी दिवस, राजभाषा प्रदर्शनी, राजभाषा संगोष्ठी, हिन्दी सुलेख पत्र, कविता, हिन्दी निबंध,

टिप्पण आलेखन हिन्दी कवि सम्मेलन, वाद–विवाद, हिन्दी गीत राजभाषा रैलियॉ व सम्मेलन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

21 वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 2017 रोहतक (हरियाणा)

हर साल राष्ट्रीय युवा उत्सव विभिन्न राज्यों में मनाया जाता है, जो इस देश के युवाओं की एकता को एक नया आयाम देता है। हरियाणा द्वारा इस वर्ष 50 वें वर्ष की स्वर्ण जयंती पर ''महारी लाडो– महारी शान'' विषय पर समारोह की मेजबानी की और अपने समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति के साथ, इसने भारत के युवाओं को एकता, शांति और सकारात्मकता के मूल्यों के साथ प्रेरित किया।

हरियाणा को ''देवताओं की भूमि'' के रूप में जाना जाता है। 'हरियाणा' शब्द हरियाना 'का एक संशोधित स्वरूप है, जो इस क्षेत्र को "पृथ्वी पर स्वर्ग" के रूप में संदर्भित करता है, और दिल्ली संग्रहालय में रखे गए एक 1328 ईसवीं संस्कृत शिलालेख में इसका उल्लेख किया गया है। महाकाव्य महाभारत ने इस क्षेत्र को दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलाई, हरियाणा को ''बहुधनाका'', 'भरपूर मात्रा में अनाज की भूमि' और बाहुधना, को अपार धन की भूमि कहा जाता है।

राज्य की जीडीपी में 26.4 प्रतिशत के योगदान के साथ 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का मुख्य आधार कृषि है। हरियाणा सार्वजनिक क्षेत्र में पर्यटन परिसरों की श्रृंखला की स्थापना करने वाला पहला राज्य था। राज्य ने शैक्षणिक संस्थानों का एक विस्तृत नेटवर्क विकसित किया है और तेजी से भारत के एजुकेशन हब के रूप में उभर रहा है। हरियाणा के सरल और मेहनती लोग खुद पर गर्व करते हैं, समानता, सामाजिक सद्भाव और सभी के साथ शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व में दृढ़ विश्वास रखते हैं।

21 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का शुभारंभ प्रधानमंत्री की प्रभावी उपस्थिति के साथ हुआ। पूरे देश और रोहतक के दस हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हरियाणा के रोहतक में 21 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन के अवसर को एक यादगार कार्यक्रम बनाया।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में उद्घाटन समारोह के दौरान, रोहतक कार्यक्रम को राज्य के प्रतियोगियों द्वारा परेड आयोजित की गई, इसके बाद युवा विकास और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय युवा

पुरस्कार वितरण किया गया।

महोत्सव में भाग लेने वाले हजारों युवाओं की संवर्धित सभा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अपने संबोधन में अपने जीवन में स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का पालन करने और भारत को ''विश्व गुरु'' बनाने के लिए आह्वान किया। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देकर डिजिटल आर्थिक व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने युवाओं को आत्म निर्भर बनने और ट्रिपल सी ', सामूहिकता, कनेक्टिविटी और रचनात्मकता के लिए संदेश हेतु प्रेरित किया और" बेटी बचाओ–बेटी पढाओ "अभियान में हरियाणा के लोगों के योगदान की सराहना की।

श्री विजय गोयल, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार ने एक और नए युवा उत्सव में सभी का स्वागत किया, जहाँ भावना तो समान रहती है लेकिन उत्साह हमेशा हर बीतते साल के साथ कई गुना होता है। उन्होंने हरियाणा के लोगों द्वारा 'सब के लिए भोजन' के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने और रोहतक में 21 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की मेजबानी में दिए गए योगदान की सराहना की।

नेयुकेस द्वारा सबसे बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हस्तशिल्प और सामाजिक विकास मेला, साहसिक कार्यक्रम, स्वामी विवेकानंद पर प्रदर्शनी, भारत का युवा आइकन, फूड फेस्टिवल, कौशल विकास मेला और सुरक्षा एक्सपो, युवा कलाकार शिविर आदि का आयोजन किया गया। देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया यानी विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पुड्डुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल थे।

05 दिवसीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव –2017 का सफलतापूर्वक आयोजन श्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री, हरियाणा, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्ति जैसे श्री अनिल विज, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री हरियाणा सरकार, श्री मनीष कुमार ग्रोवर, सहकारिता राज्य मंत्री, हरियाणा सरकार, डॉ ए.के. दुबे, सचिव युवा मामले, श्री एल.के. गुप्ता, संयुक्त सचिव युवा मामले, भारत सरकार, श्री डी.एस. ढेसी, मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, डॉ बी.के. पुनिया, कुलपति, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, समस्त उपाध्यक्ष श्री सी आर परेला, श्री दिनेश प्रताप सिंह, श्री दिलीप सैकिया, और सुश्री रानी द्विवेदी निघोट, सदस्य शासी बोर्ड, मेजर जनरल दिलावर सिंह, महानिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन और संगठन अन्य अधिकारियों की उपस्थिति एवं देख रेख में आयोजित किया गया।

अनुलग्नक

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट अवधि 01.04.2016 से 31.03.2017 तक के लिए

1 युवा मंडल विकास कार्यक्रम (वाईसीडीपी) — अनुलग्लक–1

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	42	36	375	175	550	310	150	460	180	165	345	424	164	588	370	270	640	1659	924	2583
2	अरुणाचल प्रदेश	34	25	40	0	40	25	15	40	26	10	36	30	25	55	54	25	79	175	75	250
3	आसाम	95	91	297	53	350	222	59	281	255	118	373	410	198	608	670	421	1091	1867	853	2720
4	बिहार	136	136	152	16	168			0	31	3	34	703	56	759	458	33	491	1344	108	1452
5	छत्तीसगढ़	50	49	610	180	790	410	212	622	340	268	608	521	245	766	580	249	829	2461	1154	3615
6	दिल्ली	33	27	20	15	35	18	10	28	30	24	54	40	34	74	28	20	48	136	103	239
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	91	53	155	105	260	128	76	204	165	110	275	135	75	210	307	240	547	890	613	1503
8	हरियाणा	65	64	1087	105	1192	1083	140	1223	1105	174	1279	1010	154	1164	1150	120	1270	5435	693	6128
9	हिमाचल प्रदेश	43	43	39	26	65			0			0	31	18	49	1620	726	2346	1690	770	2460
10	जम्मू एवं कश्मीर	61	54	415	219	634	360	180	540	252	98	350	381	84	465	2240	1015	3255	3648	1596	5244
11	झारखंड	72	58	2580	980	3560	2740	849	3589	2352	745	3097	3652	910	4562	3360	1015	4375	14684	4499	19183
12	कर्नाटक	84	67	485	480	965	624	330	954	640	405	1045	612	640	1252	670	525	1195	3080	2403	5483
13	केरल एवं लक्षद्वीप	53	52	225	146	371	610	67	677	580	113	693	612	234	846	410	333	743	2437	893	3330
14	मध्य प्रदेश	176	140	2405	920	3325	2390	890	3280	2375	975	3350	2455	940	3395	2413	1058	3471	12038	4783	16821
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	130	130	990	445	1435	1020	410	1430	740	475	1215	1120	521	1641	1137	380	1517	5007	2231	7238
16	मणिपुर	43	43	825	430	1255	820	410	1230	750	480	1230	810	422	1232	933	434	1367	4138	2176	6314
17	मेघालय	22	21	85	50	135	45	38	83	110	40	150	105	62	167	105	55	160	450	245	695
18	मिजोरम	18	18			0	120	160	280			0			0			0	120	160	280
19	नागालैंड	27	24	49	31	80	36	40	76	65	33	98	30	28	58	25	50	75	205	182	387
20	ओड़िशा	84	84	110	52	162	95	50	145	124	49	173	118	38	156	141	63	204	588	252	840
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	71	69	11250	292	11542	0	0	0	452	17	469	1857	313	2170	15541	998	16539	29100	1620	30720
22	राजस्थान	110	102	980	108	1088	1121	136	1257	342	119	461	1396	108	1504	756	110	866	4595	581	5176
23	सिक्किम	13	13	85	70	155	50	47	97	75	57	132	96	70	166	76	80	156	382	324	706
24	तमिलनाडू एवं पुदुचेरी	122	103	1021	345	1366	750	320	1070	990	315	1305	670	248	918	1206	440	1646	5106	2083	7189
25	तेलंगाना	33	27	310	55	365	280	94	374	305	40	345	289	50	339	375	115	490	1559	354	1913
26	त्रिपुरा	18	18	80	31	111	75		75	89		89	66	20	86	110	48	158	420	99	519
27	उत्तर प्रदेश	238	212	2730	990	3720	2540	920	3460	2687	1018	3705	2840	847	3687	2865	1184	4049	13662	4959	18621
28	उत्तराखंड	36	27	96	19	115	80		80	236	102	338	100	103	203	145	283	428	657	507	1164
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	118	114	665	112	777	309	93	402	448	130	578	465	270	735	754	245	999	2641	850	3491
	कुल	**2118**	**1900**	**28161**	**6450**	**34611**	**16261**	**5696**	**21957**	**15744**	**6083**	**21827**	**20978**	**6877**	**27855**	**38499**	**10535**	**49034**	**120174**	**36090**	**156264**

2 युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी)

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	42	39	170	125	295	175	112	287	180	164	344	155	141	296	190	151	341	870	693	1563
2	अरुणाचल प्रदेश	34	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	आसाम	95	90	62	41	103	72	51	123	213	102	315	401	184	585	965	408	1373	1730	791	2521
4	बिहार	136	136	628	46	674	11		11	216	9	225	2378	89	2467	2001	62	2063	5234	206	5440
5	छत्तीसगढ़	50	49	195	134	329	204	112	316	188	79	267	182	105	287	225	135	360	994	565	1559
6	दिल्ली	33	29	130	98	228	119	66	185	144	78	222	136	105	241	195	121	316	724	468	1192
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	91	35	127	135	262	120	129	249	149	114	263	128	158	286	229	129	358	753	665	1418
8	हरियाणा	65	65	633	341	974	0	0	0	2	3	5	599	345	944	704	308	1012	1938	997	2935
9	हिमाचल प्रदेश	43	42	135	74	209	106	72	178			0	145	94	239	794	415	1209	1180	655	1835
10	जम्मू एवं कश्मीर	61	45	166	121	287	293	352	645	155	31	186	114	84	198	429	193	622	1157	781	1938
11	झारखंड	72	57	334	125	459	294	120	414	351	130	481	368	125	493	417	137	554	1764	637	2401
12	कर्नाटक	84	67	166	150	316	145	105	250	152	184	336	559	245	804	494	443	937	1534	1135	2669
13	केरल एवं लक्षद्वीप	53	52	541	165	706	390	112	502	387	144	531	696	337	1033	490	249	739	2504	1007	3511
14	मध्य प्रदेश	176	123	755	240	995	740	205	945	680	267	947	730	249	979	800	236	1036	3705	1197	4902
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	130	126	780	255	1035	720	207	927	621	208	829	825	169	994	910	345	1255	3856	1184	5040
16	मणिपुर	43	33	180	112	292	131	92	223	106	74	180	145	124	269	195	161	356	757	563	1320
17	मेघालय	22	18	88	48	136	57	73	130	102	96	198	111	74	185	124	89	213	482	380	862
18	मिजोरम	18	18	98	90	188	61	63	124	110		110	91		91	141	66	207	501	219	720
19	नागालैंड	27	26	150	110	260	145	99	244	128	113	241	197	134	331	135	164	299	755	620	1375
20	ओड़िशा	84	80	418	225	643	335	210	545	422	234	656	408	211	619	497	240	737	2080	1120	3200
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	71	71	750	690	1440			0	25	10	35	275	285	560	820	465	1285	1870	1450	3320
22	राजस्थान	110	101	735	176	911	874	94	968	70	25	95	947	104	1051	832	201	1033	3458	600	4058
23	सिक्किम	13	13	63	118	181	58	78	136	52	105	157	44	94	138	89	132	221	306	527	833
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	122	102	884	739	1623	225	291	516	93	241	334	485	213	698	303	315	618	2061	1908	3969
25	तेलंगाना	33	26	172	89	261	179	48	227	181	61	242	142		142	205	78	283	879	276	1155
26	त्रिपुरा	18	18	101	78	179	141	22	163	98		98	110		110	121	41	162	571	141	712
27	उत्तर प्रदेश	238	174	1060	395	1455	1042	360	1402	1010	384	1394	1121	410	1531	1062	418	1480	5295	1967	7262
28	उत्तराखंड	36	18	118	70	188	77	63	140	68	8	76	109	44	153	109	72	181	481	257	738
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	118	116	715	775	1490	563	612	1175	690	546	1236	784	770	1554	836	850	1686	3588	3553	7141
	कुल	**2118**	**1769**	**10354**	**5765**	**16119**	**7277**	**3748**	**11025**	**6593**	**3410**	**10003**	**12385**	**4893**	**17278**	**14312**	**6624**	**20936**	**51027**	**24562**	**75589**

3 युवा मंडल के लिए खेल सामग्री अनुलग्लक–3

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया
1	आंध्र प्रदेश	460	425
2	अरुणाचल प्रदेश	360	200
3	आसाम	1020	1020
4	बिहार	1495	1495
5	छत्तीसगढ़	515	525
6	दिल्ली	360	360
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	995	690
8	हरियाणा	710	710
9	हिमाचल प्रदेश	465	465
10	जम्मू एवं कश्मीर	625	590
11	झारखंड	770	730
12	कर्नाटक	915	845
13	केरल एवं लक्षद्वीप	560	560
14	मध्य प्रदेश	1890	1725
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	1410	1410
16	मणिपुर	440	440
17	मेघालय	230	230
18	मिजोरम	190	190
19	नागालैंड	280	280
20	ओड़िशा	885	885
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	750	750
22	राजस्थान	1195	1193
23	सिक्किम	140	160
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	1300	1153
25	तेलंगाना	350	350
26	त्रिपुरा	185	185
27	उत्तर प्रदेश	2620	2325
28	उत्तराखंड	410	285
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	1240	1195
	कुल	**22765**	**21371**

4 ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	40	40	720	280	1000	663	260	923	715	255	970	663	314	977	847	305	1152	3608	1414	5022
2	अरुणाचल प्रदेश	34				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	86	82	234	51	285	259	66	325	544	125	669	588	154	742	1322	436	1758	2947	832	3779
4	बिहार	125	125	1128		1128			0	207		207	1954	328	2282	1118	221	1339	4407	549	4956
5	छत्तीसगढ़	45	45	930	441	1371	910	461	1371	921	466	1387	952	422	1374	968	491	1459	4681	2281	6962
6	दिल्ली	30	28	625	294	919	610	274	884	579	233	812	537	248	785	774	124	898	3125	1173	4298
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	85	69	1738	440	2178	1670	369	2039	1569	410	1979	1674	357	2031	1769	431	2200	8420	2007	10427
8	हरियाणा	60	60	2798	783	3581	367	321	688	24	57	81	3411	348	3759	4430	901	5331	11030	2410	13440
9	हिमाचल प्रदेश	39	39	150	50	200	150	50	200			0	250	100	350	695	265	960	1245	465	1710
10	जम्मू एवं कश्मीर	51	44	417	54	471	684	279	963	489	175	664	217	78	295	1933	210	2143	3820	796	4616
11	झारखंड	66	63	3044	490	3534	2932	542	3474	2328	438	2766	3119	446	3565	3121	644	3765	14544	2560	17104
12	कर्नाटक	79	68	1045	667	1712	988	505	1493	963	733	1696	1044	689	1733	1153	702	1855	5304	3361	8665
13	केरल एवं लक्षद्वीप	48	46	622	102	724	441	80	521	565	28	593	545	238	783	845	293	1138	3018	741	3759
14	मध्य प्रदेश	158	144	3802	905	4707	3781	998	4779	3662	793	4455	3860	695	4555	3905	986	4891	19010	4377	23387
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	118	118	2133	835	2968	2184	750	2934	2048	768	2816	2155	845	3000	2370	968	3338	10890	4166	15056
16	मणिपुर	36	36	430	305	735	410	281	691	358	267	625	447	334	781	497	359	856	2142	1546	3688
17	मेघालय	20	20	515		515	498	165	663	502		502	447		447	630		630	2592	165	2757
18	मिजोरम	18	18			0	1060	20	1080			0			0			0	1060	20	1080
19	नागालैंड	26	25	390	330	720	372	290	662	388	308	696	369	365	734	453	360	813	1972	1653	3625
20	ओड़िशा	79	76	1680	710	2390	1660	702	2362	1564	569	2133	1290	663	1953	2101	911	3012	8295	3555	11850
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	64	64	5140	450	5590			0			0			0	7360	975	8335	12500	1425	13925
22	राजस्थान	101	102	2742	141	2883	2099	86	2185	480	104	584	4650	150	4800	3839	378	4217	13810	859	14669
23	सिक्किम	12	13	140	84	224	122	18	140	117		117	138		138	187	108	295	704	210	914
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	108	101	4597	506	5103	314	87	401	440	182	622	3270	514	3784	1589	185	1774	10733	1516	12249
25	तेलंगाना	30	28	720	111	831	701	41	742	719		719	621	90	711	1104	174	1278	3865	416	4281
26	त्रिपुरा	15	16	375	180	555	300	133	433	129	121	250	443	166	609	634	299	933	1881	899	2780
27	उत्तर प्रदेश	222	183	4194	1366	5560	3436	995	4431	4185	1141	5326	2394	1146	3540	7286	1420	8706	21495	6068	27563
28	उत्तराखंड	36	26	523	382	905	70	47	117	14	1	15	285	122	407	1420	918	2338	2312	1470	3782
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	102	102	3079	509	3588	2031	159	2190	1004	289	1293	1124	296	1420	1244	815	2059	8482	2068	10550
	कुल	**1933**	**1781**	**43911**	**10466**	**54377**	**28712**	**7979**	**36691**	**24514**	**7463**	**31977**	**36447**	**9108**	**45555**	**53594**	**13879**	**67473**	**187892**	**49002**	**236894**

5 जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	14	13	300	150	450	243	77	320	166	152	318	268	112	380	498	269	767	1475	760	2235
2	अरुणाचल प्रदेश	15				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	27	25	80	15	95	121	38	159	271	43	314	322	50	372	1023	367	1390	1817	513	2330
4	बिहार	38	38	41	210	251		204	204		160	160		144	144	78	367	445	119	1085	1204
5	छत्तीसगढ़	16	13	311	140	451	263	124	387	290	184	474	198	110	308	415	162	577	1477	720	2197
6	दिल्ली	9	9	240	110	350	212	99	311	236	45	281	277	131	408	230	179	409	1195	564	1759
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	28	15	480	110	590	463	55	518	470	41	511	412	87	499	614	196	810	2439	489	2928
8	हरियाणा	19	19	1301	150	1451	228	148	376	237	120	357	410	217	627	786		786	4974	1189	6163
9	हिमाचल प्रदेश	12	11	130		130	172		172	208		208	164		164	206	350	556	880	350	1230
10	जम्मू एवं कश्मीर	14	10	347	49	396	694	62	756	238		238	214	51	265	728	82	810	2221	244	2465
11	झारखंड	22	18	968	250	1218	842	130	972	947	124	1071	910	261	1171	1104	485	1589	4771	1250	6021
12	कर्नाटक	27	21	355	205	560	362	195	557	180	210	390	366	222	588	468	200	668	1731	1032	2763
13	केरल एवं लक्षद्वीप	16	16	425	55	480	114	10	124	148	35	183	134	43	177	471	89	560	1292	232	1524
14	मध्य प्रदेश	48	36	1168	190	1358	1036	125	1161	1085	151	1236	1162	204	1366	1338	306	1644	5789	976	6765
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	36	34	560	220	780	564	141	705	552	154	706	547	199	746	597	282	879	2820	996	3816
16	मणिपुर	10	10	200	75	275	102	86	188	119	45	164	163		163	160	114	274	744	320	1064
17	मेघालय	7	6	68		68	42		42	61		61	22		22	131		131	324	0	324
18	मिजोरम	8	8	270	69	339	161	40	201	236		236	238		238	446	88	534	1351	197	1548
19	नागालैंड	11	11	398	280	678	369	260	629	377	255	632	345	268	613	514	337	851	2003	1400	3403
20	ओड़िशा	30	28	580	250	830	566	223	789	524	214	738	550	267	817	720	306	1026	2940	1260	4200
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	21	21	3387	445	3832	620	120	740	79	3	82	630	230	860	4784	602	5386	9500	1400	10900
22	राजस्थान	32	27	857	17	874	669	7	676	115	2	117	1935	83	2018	880	97	977	4456	206	4662
23	सिक्किम	4	4	66		66	24		24	22		22	34		34	82	24	106	228	24	252
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	32	30	1974	250	2224	377	84	461	149	88	237	1204	366	1570	1168	142	1310	5098	933	6031
25	तेलंगाना	10	8	300		300	366		366	241		241	272		272	521		521	1700	0	1700
26	त्रिपुरा	4	4	117	68	185	55	44	99	52		52	84		84	102	88	190	410	200	610
27	उत्तर प्रदेश	71	49	1632	420	2052	1454	411	1865	1077	368	1445	1258	402	1660	2689	481	3170	8110	2082	10192
28	उत्तराखंड	13	7	177	69	246	52	41	93	10	2	12	76	35	111	157	98	255	478	251	729
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	29	28	747	96	843	520	48	568	461	40	501	436	70	506	669	114	783	2833	368	3201
	कुल	**623**	**519**	**17479**	**3893**	**21372**	**10691**	**2772**	**13463**	**8551**	**2436**	**10987**	**12631**	**3552**	**16183**	**21579**	**5825**	**27404**	**73175**	**19041**	**92216**

6 कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसयूटीपी)

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	108	105		540	540		520	520		511	511		521	521	70	603	673	70	2695	2765
2	अरुणाचल प्रदेश	98	56	80	240	320	69	221	290	88	264	352	58	222	280	125	411	536	420	1358	1778
3	आसाम	226	223	45	1175	1220	81	1105	1186	199	1089	1288	151	1130	1281	278	1199	1477	805	5870	6675
4	बिहार	326	326		1204	1204		21	21		328	328		2306	2306		2161	2161	0	6020	6020
5	छत्तीसगढ़	122	116	63	524	587		442	442		452	452		359	359	55	422	477	118	2199	2317
6	दिल्ली	78	78	52	402	454	36	390	426	51	366	417	61	322	383	48	503	551	248	1983	2231
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	226	178	110	783	893	81	771	852	83	684	767	84	885	969	152	964	1116	510	4087	4597
8	हरियाणा	158	158	30	849	879	39	858	897	59	870	929	43	879	922	25	943	968	196	4399	4595
9	हिमाचल प्रदेश	102	102	0	500	500		100	100		50	50		650	650		1760	1760	0	3060	3060
10	जम्मू एवं कश्मीर	130	117	66	560	626	15	366	381	36	564	600		570	570	71	764	835	188	2834	3022
11	झारखंड	176	147	124	735	859	75	704	779	58	722	780	71	642	713	151	869	1020	479	3672	4151
12	कर्नाटक	212	187	132	768	900	88	552	640	69	611	680	110	1511	1621	246	1014	1260	672	4552	5224
13	केरल एवं लक्षद्वीप	128	126	131	114	245	42	210	252	63	310	373	120	552	672	182	836	1018	538	2022	2560
14	मध्य प्रदेश	412	368	169	1788	1957	79	1672	1751	110	1466	1576	115	1776	1891	134	1892	2026	607	8594	9201
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	308	308	1425	1320	2745	1389	1288	2677	1440	1197	2637	1299	1369	2668	1577	1441	3018	7130	6615	13745
16	मणिपुर	92	92	171	358	529	149	330	479	147	324	471	150	336	486	243	392	635	860	1740	2600
17	मेघालय	54	45	55	110	165	52	90	142	42	125	167	30	110	140	75	244	319	254	679	933
18	मिजोरम	52	40		170	170	10	124	134		135	135		171	171	10	230	240	20	830	850
19	नागालैंड	74	72	49	186	235		188	188		166	166	71	175	246		245	245	120	960	1080
20	ओड़िशा	218	210	335	875	1210	320	864	1184	310	838	1148	355	846	1201	342	910	1252	1662	4333	5995
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	170	170	15	1520	1535			0	2	15	17			0	48	3216	3264	65	4751	4816
22	राजस्थान	266	254	292	1376	1668	154	422	576	78	248	326	327	2487	2814	247	1051	1298	1098	5584	6682
23	सिक्किम	32	29	71	64	135	42	71	113	17	66	83		80	80	108	186	294	238	467	705
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	280	253	261	1699	1960	79	86	165	63	126	189	117	2157	2274	158	850	1008	706	5067	5773
25	तेलंगाना	80	120	60	580	640		602	602		644	644		348	348	112	660	772	172	2834	3006
26	त्रिपुरा	38	38		166	166		215	215		233	233		142	142	23	236	259	23	992	1015
27	उत्तर प्रदेश	586	500	351	2570	2921	331	2478	2809	325	2560	2885	268	2305	2573	461	2940	3401	1736	12853	14589
28	उत्तराखंड	98	75	20	344	364		274	274	2	138	140	19	174	193	110	911	1021	151	1851	2002
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	262	258	189	1271	1460	168	610	778	144	711	855	178	968	1146	573	1744	2317	1252	5304	6556
	कुल	**5112**	**4751**	**4296**	**22791**	**27087**	**3299**	**15574**	**18873**	**3386**	**15813**	**19199**	**3627**	**23993**	**27620**	**5624**	**29597**	**35221**	**20338**	**108205**	**128543**

7 जिला स्तरीय लोक कला, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा युवा कृति को प्रोत्साहन

अनुलग्लक–6

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	14	12	210	190	400	195	164	359	175	148	323	157	199	356	315	267	582	1052	968	2020
2	अरुणाचल प्रदेश	15	0			0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	27	25	41	33	74	70	38	108	189	59	248	209	181	390	723	603	1326	1253	921	2174
4	बिहार	38	38	108	11	119			0	28	4	32	322	53	375	332	34	366	790	102	892
5	छत्तीसगढ़	16	14	260	140	400	255	132	387	248	129	377	267	166	433	285	151	436	1315	718	2033
6	दिल्ली	9	9	125	180	305	122	177	299	128	146	274	119	189	308	143	215	358	637	907	1544
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	28	17	230	245	475	208	214	422	218	261	479	227	227	454	281	296	577	1164	1243	2407
8	हरियाणा	19	19	890	641	1531	169		169	150	17	167	488	695	1183	619	873	1492	2316	2226	4542
9	हिमाचल प्रदेश	12	12	20	50	70	30	50	80		250	250	100	250	350	338	240	578	488	840	1328
10	जम्मू एवं कश्मीर	14	10	137	113	250	115	88	203	124	68	192	184	96	280	297	198	495	857	563	1420
11	झारखंड	22	17	490	360	850	474	322	796	428	348	776	478	327	805	605	455	1060	2475	1812	4287
12	कर्नाटक	27	25	690	540	1230	688	520	1208	512	510	1022	699	410	1109	858	725	1583	3447	2705	6152
13	केरल एवं लक्षद्वीप	16	15	213	105	318	163	42	205	137	40	177	114	72	186	241	87	328	868	346	1214
14	मध्य प्रदेश	48	36	910	460	1370	810	335	1145	874	418	1292	759	451	1210	980	637	1617	4333	2301	6634
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	36	35	2640	1370	4010	2370	1320	3690	2310	1180	3490	2588	1247	3835	2750	1731	4481	12658	6848	19506
16	मणिपुर	10	7	102	57	159	42	31	73	69	53	122	28	18	46	78	54	132	319	213	532
17	मेघालय	7	5	48	72	120	28	20	48	15		15	19	32	51	39	67	106	149	191	340
18	मिजोरम	8	8	150	240	390	124	205	329	177	190	367	134	247	381	175	310	485	760	1192	1952
19	नागालैंड	11	11	340	345	685	228	245	473	278	297	575	313	282	595	548	378	926	1707	1547	3254
20	ओडिशा	30	30	440	170	610	410	115	525	311	168	479	349	147	496	640	250	890	2150	850	3000
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	21	21	2797	1393	4190			0	550	300	850	2105	1250	3355	7048	1407	8455	12500	4350	16850
22	राजस्थान	32	31	1315	472	1787	1340	454	1794	215	154	369	1809	1273	3082	1216	818	2034	5895	3171	9066
23	सिक्किम	4	4			0			0			0			0	80	119	199	80	119	199
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	32	32	625	858	1483	94	79	173	122	64	186	980	614	1594	435	425	860	2361	2175	4536
25	तेलंगाना	10	8	250	110	360	237	66	303	288	91	379	241	110	351	248	196	444	1264	573	1837
26	त्रिपुरा	4	4	105	128	233	63	49	112	58	28	86	86	77	163	134	190	324	446	472	918
27	उत्तर प्रदेश	71	48	1164	780	1944	926	748	1674	1080	615	1695	1050	662	1712	1269	1090	2359	5489	3895	9384
28	उत्तराखंड	13	10	163	155	318	49	54	103	110	77	187	19	48	67	194	256	450	535	590	1125
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	29	28	409	383	792	241	154	395	256	82	338	486	36	522	998	157	1155	2390	812	3202
	कुल	**623**	**531**	**14872**	**9601**	**24473**	**9451**	**5622**	**15073**	**9050**	**5697**	**14747**	**14330**	**9359**	**23689**	**21869**	**12229**	**34098**	**69698**	**42650**	**112348**

अनुलग्नक–7

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	280	277	2698	1680	4378	2457	1445	3902	2394	1677	4071	2569	1568	4137	2866	2044	4910	12984	8414	21398
2	अरुणाचल प्रदेश	300	54	1173	470	1643	1079	168	1090	1058	455	1513	1175	363	1538	1185	974	2159	5670	2430	8100
3	आसाम	540	531	1742	892	2634	1866	832	2698	2114	1231	3345	2254	1474	3728	3974	4492	8466	12334	9045	21379
4	बिहार	760	798	6489	984	7473	122		122	2672	498	3170	27894	5487	33381	24493	5343	29836	61670	12312	73982
5	छत्तीसगढ़	320	308	2946	1740	4686	2455	1678	4133	2366	1355	3721	2589	1488	4077	3204	2426	5630	13560	8687	22247
6	दिल्ली	180	225	2136	2268	4404	2080	1988	4068	2079	1847	3926	1889	2268	4157	2480	2472	4952	10664	10843	21507
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	560	472	5789	4955	10744	5584	4977	10561	5497	4585	10082	5278	4187	9465	6658	5989	12647	28806	24693	53499
8	हरियाणा	380	514	7350	11661	19011	8316	9875	18191	279	218	497	17140	10941	28081	16972	1817	18789	50057	34512	84569
9	हिमाचल प्रदेश	240	240	1500	1000	2500	500	400	900	100	100	200	500	300	800	3288	2094	5382	5888	3894	9782
10	जम्मू एवं कश्मीर	280	207	1013	785	1798	3362	3122	6484	459	437	896	671	467	1138	3890	2047	5937	9395	6858	16253
11	झारखंड	440	445	7160	4581	11741	6980	3210	10190	6728	3118	9846	6749	3698	10447	8214	5124	13338	35831	19731	55562
12	कर्नाटक	540	467	5129	3895	9024	2652	2429	5081	3698	2666	6364	6154	5693	11847	6551	5298	11849	24560	20213	44773
13	केरल एवं लक्षद्वीप	320	400	1803	1105	2908	843	633	1476	2375	1160	3535	6158	1405	7563	7946	3559	11505	19125	7862	26987
14	मध्य प्रदेश	960	867	23504	9180	32684	22587	8999	31586	21779	7468	29247	22698	9805	32503	24180	10447	34627	114748	45899	160647
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	720	904	8044	4760	12804	7451	3851	11302	7256	4201	11457	7185	3922	11107	8560	4620	13180	38496	21354	59850
16	मणिपुर	200	200	2490	1770	4260	2468	1746	4214	2505	1733	4238	2347	1655	4002	2721	1986	4707	12531	8890	21421
17	मेघालय	140	135	610	225	835	524	199	723	577	148	725	489	169	658	765	371	1136	2965	1112	4077
18	मिजोरम	160	160	7990	4180	12170	7425	4090	11515	7811	3996	11807	7104	4191	11295	8544	4450	12994	38874	20907	59781
19	नागालैंड	220	222	2961	1615	4576	2445	1445	3890	2447	1670	4117	2844	1363	4207	3478	1982	5460	14175	8075	22250
20	ओड़िशा	600	718	5025	3260	8285	4988	2963	7951	4931	3171	8102	4982	2884	7866	5204	3492	8696	25130	15770	40900
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	420	428	25540	6635	32175	4048	4251	8299	1252	450	1702	4460	5746	10206	30987	21105	52092	66287	38187	104474
22	राजस्थान	640	680	18785	7023	25808	11015	6112	17127	2533	6822	9355	32012	13298	45310	20443	9658	30101	84788	42913	127701
23	सिक्किम	80	45	560	410	970	489	358	847	477	326	803	542	400	942	768	607	1375	2836	2101	4937
24	तमिलनाडू एवं पुदुचेरी	640	611	10963	5530	16493	1540	117	1657	619	434	1053	7045	6526	13571	5435	3061	8496	26480	16188	42668
25	तेलंगाना	200	174	1160	560	1720	1069	340	1409	1058	554	1612	1194	373	1567	1340	978	2318	5821	2805	8626
26	त्रिपुरा	80	80	890	520	1410	845	511	1356	877	482	1359	869	475	1344	971	614	1585	4452	2602	7054
27	उत्तर प्रदेश	1420	1265	21338	10840	32178	20562	10991	31553	20661	10875	31536	20990	10992	31982	21380	10502	31882	104931	54200	159131
28	उत्तराखंड	260	196	2815	2502	5317	1016	1014	2030	156	746	902	1845	1199	3044	2955	2507	5462	8818	7970	16788
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	580	699	3620	1936	5556	1512	1074	2586	1748	1024	2772	3362	1180	4542	7855	1778	9633	18097	6992	25089
	कुल	**12460**	**12322**	**183223**	**96962**	**280185**	**128280**	**78818**	**206941**	**108506**	**63447**	**171953**	**200988**	**103517**	**3E+05**	**237307**	**121837**	**359144**	**859973**	**465459**	**1325432**

9 जिला युवा सम्मेलन

अनुलग्लक–8

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
1	आंध्र प्रदेश	14	12	395	270	665	378	261	639	369	247	616	388	259	647	448	310	758	1978	1347	3325
2	अरुणाचल प्रदेश	15				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	27	25	224	120	344	268	133	401	661	217	878	581	274	855	653	765	1418	2424	1528	3952
4	बिहार	38	38	4987	1428	6415	428	842	1270	1482	82	1564	8642	814	9456	5462	1162	6624	21001	4328	25329
5	छत्तीसगढ़	16	16	391	285	676	382	269	651	347	244	591	326	304	630	469	327	796	1915	1429	3344
6	दिल्ली	9	9	280	260	540	268	228	496	244	230	474	275	218	493	329	442	771	1396	1378	2774
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	28	18	385	210	595	330	198	528	218	162	380	277	142	419	463	320	783	1673	1032	2705
8	हरियाणा	19	19	1129	519	1648			0		7	7	1140	590	1730	1426	718	2144	3695	1834	5529
9	हिमाचल प्रदेश	12	12	150	200	350	118	150	268		77	77	82	128	210	620	580	1200	970	1135	2105
10	जम्मू एवं कश्मीर	14	11	279	221	500	806	821	1627	208	168	376	216	190	406	1237	454	1691	2746	1854	4600
11	झारखंड	22	19	1180	750	1930	1164	744	1908	1189	718	1907	1214	745	1959	1267	794	2061	6014	3751	9765
12	कर्नाटक	27	21	761	758	1519	515	539	1054	576	237	813	1431	863	2294	1176	1066	2242	4565	3565	8130
13	केरल एवं लक्षद्वीप	16	16	422	325	747	162	191	353	621	359	980	1254	626	1880	1469	612	2081	3928	2113	6041
14	मध्य प्रदेश	48	38	1477	575	2052	1369	522	1891	1438	541	1979	1341	566	1907	1586	677	2263	7211	2881	10092
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	36	34	960	395	1355	955	348	1303	948	394	1342	968	369	1337	984	479	1463	4815	1985	6800
16	मणिपुर	10	8	141	108	249	120	58	178	112	65	177	127		127	176	138	314	676	369	1045
17	मेघालय	7	4	121	119	240	72	69	141	58	48	106	66	26	92	134	124	258	451	386	837
18	मिजोरम	8	8	135	124	259	55	45	100	103	50	153	77	49	126	129	114	243	499	382	881
19	नागालैंड	11	11	1160	1312	2472	996	1230	2226	978	1286	2264	1068	1210	2278	1269	1369	2638	5471	6407	11878
20	ओड़िशा	30	29	689	306	995	663	221	884	625	263	888	662	274	936	810	415	1225	3449	1479	4928
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	21	21	1950	980	2930			0	150	80	230	1385	831	2216	1467	362	1829	4952	2253	7205
22	राजस्थान	32	31	854	157	1011	578	73	651	648	30	678	978	277	1255	643	208	851	3701	745	4446
23	सिक्किम	4	4	112	72	184	43	28	71	24	51	75			0	123	86	209	302	237	539
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	32	29	2076	1522	3598	618	784	1402	862	556	1418	1164	882	2046	1458	793	2251	6300	4560	10860
25	तेलंगाना	10	8	390	177	567	341	158	499	369	52	421	388	119	507	480	163	643	1968	669	2637
26	त्रिपुरा	4	4	110	79	189	106	32	138	102	33	135	74	18	92	112	114	226	504	276	780
27	उत्तर प्रदेश	71	60	1634	810	2444	1558	796	2354	1689	748	2437	1474	754	2228	2112	983	3095	8467	4091	12558
28	उत्तराखंड	13	9	512	220	732	150	48	198	18	34	52	383	141	524	480	261	741	1546	704	2250
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	29	29	748	217	965	231	112	343	755	292	1047	375	275	650	418	338	756	2527	1234	3761
	कुल	**623**	**543**	**23652**	**12519**	**36171**	**12674**	**8900**	**21574**	**14794**	**7271**	**22065**	**26356**	**10944**	**37300**	**27400**	**14174**	**41574**	**105144**	**53952**	**159096**

10 महात्मा गांधी युवा स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	2	1			0			0			0			0	37	13	50	37	13	50
2	अरुणाचल प्रदेश	0				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	6	6	31	9	40	27	8	35	143	24	167	119	37	156	152	74	226	472	152	624
4	बिहार	6	0			0			0			0			0			0	0	0	0
5	छत्तीसगढ़	4	2	67	22	89	22	26	48	30		30			0	56	37	93	175	85	260
6	दिल्ली	3				0			0			0			0			0	0	0	0
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	4				0			0			0			0			0	0	0	0
8	हरियाणा	5	3	76	2	78			0			0	118	2	120	140	6	146	334	10	344
9	हिमाचल प्रदेश	4	4	20	20	40	10	10	20			0	20	20	40	87	75	162	137	125	262
10	जम्मू एवं कश्मीर	6	2	4	6	10	120	280	400			0			0	2	30	32	126	316	442
11	झारखंड	4	1	138	103	241	108		108	89		89	77		77	178	112	290	590	215	805
12	कर्नाटक	5	2	52	38	90	28	37	65	23	43	66			0	71	42	113	210	170	380
13	केरल एवं लक्षद्वीप	5	5	74	34	108	11	29	40	22	20	42			0	102	32	134	210	115	325
14	मध्य प्रदेश	18	5	440	289	729	390	233	623	321	125	446	489	261	750	585	387	972	2225	1295	3520
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	9	7	115		115	50		50			0			0	120	65	185	285	65	350
16	मणिपुर	7	7	157	112	269	102	57	159	64	23	87	96	29	125	178	135	313	597	356	953
17	मेघालय	1				0			0			0			0			0	0	0	0
18	मिजोरम	0				0			0			0			0			0	0	0	0
19	नागालैंड	1	1			0			0			0			0	26	17	43	26	17	43
20	ओड़िशा	5	5	350	178	528	321	108		356	121	477	347	131	478	376	212	588	1750	750	2500
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	4	3	80	30	110			0	40	10	50			0	330	110	440	450	150	600
22	राजस्थान	6	4	34	9	43	21	0	21	0	1	1	111	28	139	77	11	88	243	49	292
23	सिक्किम	1	1			0			0			0			0	31	45	76	31	45	76
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	12	10	233	180	413	137	151	288	143		143	164	320	149	317	249	566	1007	933	1940
25	तेलंगाना	3	2	32		32			0			0			0	98	20	118	130	20	150
26	त्रिपुरा	3	3	29		29			0			0			0	99	39	138	128	39	167
27	उत्तर प्रदेश	15	1			0			0			0			0	48	2	50	48	2	50
28	उत्तराखंड	0				0			0			0			0			0	0	0	0
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	11	10	259	68	327	112	44	156	142	49	191	146	72	218	288	112	400	947	345	1292
	कुल	**150**	**85**	**2191**	**1100**	**3291**	**1459**	**983**	**2013**	**1373**	**416**	**1789**	**1687**	**900**	**2252**	**3398**	**1825**	**5223**	**10158**	**5267**	**15425**

11 युवा आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रम

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	**2**	**1**			**0**			**0**			**0**			**0**	**58**	**42**	**100**	**58**	**42**	**100**
2	अरुणाचल प्रदेश	0				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	9	9	81	16	97	68	12	80	341	40	381	286	66	352	460	252	712	1236	386	1622
4	बिहार	11				0			0			0			0			0	0	0	0
5	छत्तीसगढ़	5	2	65	38	103	42	23	65			0			0	73	49	122	180	110	290
6	दिल्ली	3				0			0			0			0				0	0	0
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	6				0			0			0			0			0	0	0	0
8	हरियाणा	5	2	16	7	23			0			0	17	2	19	36		36	69	9	78
9	हिमाचल प्रदेश	4	4	20	20	40	10	10	20			0	20	20	40	88	72	160	138	122	260
10	जम्मू एवं कश्मीर	10	1			0			0			0			0			0	0	0	0
11	झारखंड	6	3	278	96	374	214	52	266	228	72	300	246	91	337	378	145	523	1344	456	1800
12	कर्नाटक	5	2	76	145	221	26	116	142			0			0	86	170	256	188	431	619
13	केरल एवं लक्षद्वीप	5	5	85	35	120	26	20	46			0			0	99	60	159	210	115	325
14	मध्य प्रदेश	18	3	59	47	106	69		69			0			0	96	78	174	224	125	349
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	12	11	167	88	255	134	79	213			0			0	194	117	311	495	284	779
16	मणिपुर	7	7	136	70	206	86	52	138			0			0	170	110	280	392	232	624
17	मेघालय	2	2			0	109	55	164			0			0			0	109	55	164
18	मिजोरम	0				0			0			0			0			0	0	0	0
19	नागालैंड	1	1			0			0			0			0	34	18	52	34	18	52
20	ओड़िशा	5	5	1796	842	2638	1685	562	2247	1854	689	2543	1461	677	2138	1954	980	2934	8750	3750	12500
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	7	7	1129	310	1439	958	268	1226	689	233	922	968	175	1143	1456	499	1955	5200	1485	6685
22	राजस्थान	9	5	70	48	118	52	39	91			0	38	35	73	430	205	635	590	327	917
23	सिक्किम	1	1			0			0			0			0	41	52	93	41	52	93
24	तमिलनाडू एवं पुदुचेरी	14	7	468	241	709	214	127	341	161	49	210	158	113	271	415	198	613	2814	1759	4573
25	तेलंगाना	3	2	89		89			0			0			0	106	20	126	195	20	215
26	त्रिपुरा	3	3	116	62	178	80	24	104			0			0	146	112	258	342	198	540
27	उत्तर प्रदेश	16	1	97	52	149	24		24			0			0	118	44	162	239	96	335
28	उत्तराखंड	0				0			0			0			0			0	0	0	0
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	16	11	144	154	298	59	47	106	165	39	204	132	94	226	478	214	692	978	548	1526
	कुल	**185**	**95**	**4892**	**2271**	**7163**	**3856**	**1486**	**5342**	**3438**	**1122**	**4560**	**3326**	**1273**	**4599**	**6916**	**3437**	**10353**	**23826**	**10620**	**34446**

12 जिला स्तर पर उत्कृष्ट युवा मंडल पुरस्कार

अनुलग्लक–11

क्र.सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया
1	आंध्र प्रदेश	14	13
2	अरुणाचल प्रदेश	15	0
3	आसाम	27	25
4	बिहार	38	5
5	छत्तीसगढ़	16	9
6	दिल्ली	9	0
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	28	1
8	हरियाणा	19	14
9	हिमाचल प्रदेश	12	12
10	जम्मू एवं कश्मीर	14	1
11	झारखंड	22	4
12	कर्नाटक	27	17
13	केरल एवं लक्षद्वीप	16	16
14	मध्य प्रदेश	48	9
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	36	32
16	मणिपुर	10	9
17	मेघालय	7	4
18	मिजोरम	8	8
19	नागालैंड	11	9
20	ओड़िशा	30	9
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	21	20
22	राजस्थान	32	20
23	सिक्किम	4	4
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	32	24
25	तेलंगाना	10	9
26	त्रिपुरा	4	4
27	उत्तर प्रदेश	71	11
28	उत्तराखंड	13	
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	29	21
	कुल	**623**	**310**

12 राज्य स्तरीय युवा मंडल पुरस्कार 2016–17 हेतु चयनित युवा मंडलों की सूची

क्र.सं.	राज्य	जिला	पुरस्कार प्राप्त युवा मंडलों का नाम एवं पता
1.	आसाम	कछार	शिब दुर्गा मंडल, ग्राम–दुगरुबस्ती, डाकखाना–पलोनघाट, थाना– धोलई,जिला कछार, आसाम
2.	हरियाणा	कैथल	ग्रामीण युवा विकास मंडल, ग्राम–पत्ती अफगान,जिला–कैथल, हरियाणा
3.	कर्नाटक	मैंगलोर	श्री विद्या विनायक युवक मंडल, हेलनगादी, मैंगलोर, कर्नाटक
4.	केरल	मल्लापुरम	नवकेरला समसाकारिकावेदी, कोलापुरम, ए.आर. नगर, वेनगारा ब्लॉक, मल्लापुरम, केरल
5.	मणिपुर	बिशनपुर	अर्थव्यवस्था और कल्याण सेवाओं का नेटवर्क (न्यूज) कुंबी, कांगजीगंज, मापा बी.पी.ओ. एवं पी.एस. कुंबी, पी.ओ. मोइरंग, बिशनपुर, जिला–मणिपुर ,
6.	मिजोरम	कोआसिब	यंग मिजो एसोसिएशन कुआलमावी शाखा, बिल्खवथ्लिर जिला– कोलासिब, मिजोरम
7.	नागालैंड	मोकोकचुंग	तेलोंग जेम एससी, ग्राम–लोंगखुम, मोकोकचुंग, नागालैंड
8.	पुद्दुचेरी	माहे	अर्चना कला समिति, अराकुलडोट्र कॉलोनी, पी.ओ. पालोर, माहे, पुद्दुचेरी
9.	पंजाब	रोपड	एक नूर कलान क्लब (रजि.) ग्राम–गैग, पी.ओ.–जिंदवारी, तहसिल–नांगल, जिला–रोपड, पंजाब
10.	राजस्थान	जालौर	नेहरु युवा मंडल, उम्मेदाबाद, पीएस–सयाना, तहसिल एवं जिला– जालौर, राजस्थान
11.	तमिलनाडू	कृश्णागिरी	पासुमाई पारावाईगल ईलाईनगर, नारपानी संगम, के इंदिरा नगर, कांधीकुप्पम, पी.ओ.–बारगुर तालुक, जिला–कृष्णागिरी, तमिलनाडू
12.	त्रिपुरा	गोमती	अचिन बाबा संघ, गरजी बाजार, उदयपुर,जिला–गोमती, त्रिपुरा
13.	पश्चिम बंगाल	बारासत	गोरई नगर, अग्निबीना संघ, ग्राम–गोरई नगर, पी.ओ. हरोआ, जिला–बारासत, पश्चिम बंगाल

*****

12 युवा कार्यक्रमों पर जिला सलाहकार समिति की बैठकें (डीएसीवाईपी)

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	Andhra Pradesh	28	8	15		15			0			0			0	21	11	32	36	11	47
2	Arunachal Pradesh	30	11			0			0			0			0			0	0	0	0
3	Assam	54	40			0			0			0			0			0	0	0	0
4	Bihar	76	3			0			0			0			0	15	3	18	15	3	18
5	Chattisgarh	32	1			0			0			0			0	22	7	29	22	7	29
6	Delhi	18				0			0			0			0			0	0	0	0
7	Gujarat & Daman & Diu	56	2			0			0			0			0	14	1	15	14	1	15
8	Haryana	38	1	27		27			0			0			0	22	5	27	49	5	54
9	Himachal Pradesh	24	6	20	8	28			0			0			0	25	12	37	45	20	65
10	J&K	28	4			0			0			0			0	11	5	16	11	5	16
11	Jharkhand	44	12	42	18	60	25	8	33			0			0	63	31	94	130	57	187
12	Karnataka	54	17	36	21	57	13	11	24		8	8			0	58	31	89	107	71	178
13	Kerala & Lakshdweep	32	28			0			0			0			0			0	0	0	0
14	Madhya Pradesh	96	10	15		15			0			0			0	38	16	54	53	16	69
15	Maharashtra & Goa	72	42	129	21	150	78	18	96	93	12	105	83	7	90	163	68	231	546	126	672
16	Manipur	20	19	52	42	94	31	22	53			0			0	89	47	136	172	111	283
17	Meghalaya	14	7			0			0			0			0	49	20	69	49	20	69
18	Mizoram	16	12	46		46			0			0			0	78	12	90	124	12	136
19	Nagaland	22	11			0			0			0			0	45	57	102	45	57	102
20	Orissa	60	5			0			0			0			0	43	12	55	43	12	55
21	Punjab & Chandigarh	42	33	63	28	91	48	12	60			0	20	9	29	94	36	130	225	85	310
22	Rajasthan	64	24	97	27	124	59	22	81			0	44	14	58	131	46	177	331	109	440
23	Sikkim	8	4			0			0			0			0	19	17	36	19	17	36
24	Tamil Nadu & Pondicherry	64	6	20		20			0			0			0	27	12	39	47	12	59
25	Telangana	20	1													7			7	0	7
26	Tripura	8	6	23		23			0			0			0	34	8	42	57	8	65
27	Uttar Pradesh	142	11	44	11	55	35	7	42			0			0	71	21	92	150	39	189
28	Uttrakhand	26	1			0			0			0			0	19	3	22	19	3	22
29	West Bengal & A& N	58	34	48	12	60	31	3	34			0			0	118	26	144	197	41	238
	Total	**1246**	**359**	**677**	**188**	**865**	**320**	**103**	**423**	**93**	**20**	**113**	**147**	**30**	**177**	**1276**	**507**	**1776**	**2513**	**848**	**3361**

युवा कार्य{मों पर राज्य सलाहकार समिति की बैठकें (एसएसीवाईपी)

अनुलग्लक–13

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	2				0			0			0			0			0	0	0	0
2	अरुणाचल प्रदेश	2				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	2				0			0			0			0			0	0	0	0
4	बिहार	2	1			0			0			0			0			0	0	0	0
5	छत्तीसगढ़	2				0			0			0			0	9	2	11	9	2	11
6	दिल्ली	2				0			0			0			0			0	0	0	0
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	2				0			0			0			0			0	0	0	0
8	हरियाणा	2	2			0			0			0			0	33	12	45	33	12	45
9	हिमाचल प्रदेश	2				0			0			0			0			0	0	0	0
10	जम्मू एवं कश्मीर	2				0			0			0			0			0	0	0	0
11	झारखंड	2				0			0			0			0			0	0	0	0
12	कर्नाटक	2	1			0			0			0			0	37	7	44	37	7	44
13	केरल एवं लक्षद्वीप	2				0			0			0			0			0	0	0	0
14	मध्य प्रदेश	2				0			0			0			0			0	0	0	0
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	4				0			0			0			0			0	0	0	0
16	मणिपुर	2				0			0			0			0			0	0	0	0
17	मेघालय	2				0			0			0			0			0	0	0	0
18	मिजोरम	2	2			0			0			0			0	22	7	29	22	7	29
19	नागालैंड	2	2			0			0			0			0	8	12	20	8	12	20
20	ओडिशा	2	1			0			0			0			0	6	1	7	6	1	7
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	2				0			0			0			0			0	0	0	0
22	राजस्थान	2				0			0			0			0			0	0	0	0
23	सिक्किम	2	1			0			0			0			0	8	3	11	8	3	11
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	2				0			0			0			0			0	0	0	0
25	तेलंगाना	2																	0	0	
26	त्रिपुरा	2				0			0			0			0			0	0	0	0
27	उत्तर प्रदेश	2				0			0			0			0			0	0	0	0
28	उत्तराखंड	2				0			0			0			0			0	0	0	0
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	2				0			0			0			0			0	0	0	0
	कुल	**60**	**10**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**123**	**44**	**167**	**123**	**44**	**167**

15 राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर योजना, समीक्षा और अनुवर्ती बैठक

क्र. सं.	राज्य	लक्ष्य निर्धारित	लक्ष्य प्राप्त किया	अ.जा.			अ.ज.जा.			अल्प संख्यक			अन्य पिछड़ा वर्ग			सामान्य/अन्य			कुल योग		
				पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	आंध्र प्रदेश	4	4			0			0			0			0	14		14	14	0	14
2	अरुणाचल प्रदेश	4				0			0			0			0			0	0	0	0
3	आसाम	4	4			0			0			0			0			0	0	0	0
4	बिहार	4	4			0			0			0			0	104	4	108	104	4	108
5	छत्तीसगढ़	4				0			0			0			0			0	0	0	0
6	दिल्ली	4	4			0			0			0			0	24	12	36	24	12	36
7	गुजरात, दमन एवं दीयू	4				0			0			0			0			0	0	0	0
8	हरियाणा	4	5	36	14	50			0			0			0	40	15	55	76	29	105
9	हिमाचल प्रदेश	4	2			0			0			0			0	23	5	28	23	5	28
10	जम्मू एवं कश्मीर	4	4			0			0			0			0	36	2	38	36	2	38
11	झारखंड	4				0			0			0			0			0	0	0	0
12	कर्नाटक	4	3	33	26	59			0			0			0	61	49	110	94	75	169
13	केरल एवं लक्षद्वीप	4	2			0			0			0			0			0	0	0	0
14	मध्य प्रदेश	4	2			0			0			0			0			0	0	0	0
15	महाराष्ट्र एवं गोवा	4	6			0			0			0			0			0	0	0	0
16	मणिपुर	4	4			0			0			0			0	29	13	42	29	13	42
17	मेघालय	4				0			0			0			0			0	0	0	0
18	मिजोरम	4	4			0			0			0			0	2	2	4	2	2	4
19	नागालैंड	4	3			0			0			0			0	12	3	15	12	3	15
20	ओड़िशा	4	4	34	4	38			0			0			0	71	8	79	105	12	117
21	पंजाब एवं चण्डीगढ़	4	4	31	8	39			0			0			0	81	12	93	112	20	132
22	राजस्थान	4	4			0			0			0			0			0	0	0	0
23	सिक्किम	4	4			0			0			0			0	10	4	14	10	4	14
24	तमिलनाडू एवं पुद्दुचेरी	4	6			0			0			0			0			0	0	0	0
25	तेलंगाना	4	4													10	18	28	10	18	28
26	त्रिपुरा	4	3			0			0			0			0	5	3	8	5	3	8
27	उत्तर प्रदेश	4	4	63		63			0			0			0	97	8	105	160	8	168
28	उत्तराखंड	4	3			0			0			0			0	29	5	34	29	5	34
29	पश्चिमी बंगाल तथा अंडमान एवं निकोबार	4	3			0			0			0			0	90	2	92	90	2	92
	कुल	116	90	197	52	249	0	0	0	0	0	0	0	0	0	738	165	903	935	217	1152

परीक्षित लेखा

नेहरू युवा केन्द्र संगठन
वार्षिक लेखे
दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

31.03.2016 को	देयताएँ	अनुसूची	31.03.2017 को
9,99,20,715	कार्पस/पूंजीगत निधि	1	7,22,81,854
46,15,00,835	निर्धारित/विन्यास निधि (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय)	2	74,19,64,245
96,03,82,574	निर्धारित/विन्यास निधि (विशेष कार्यक्रम)	3	89,39,01,100
23,26,31,914	निर्धारित/विन्यास निधि (प्रायोजित कार्यक्रम)	4	22,11,95,326
65,36,17,037	चालू देयताएँ एवं प्रावधान	5	79,53,62,407
2,40,80,53,075	कुल		**2,72,47,04,932**
31.03.2016 को	परिसम्पत्तियॉ		31.03.2017 को
9,99,20,715	स्थायी परिसम्पत्तियॉ	6	7,22,81,854
2,30,81,32,360	चालू परिसम्पत्तियॉ ऋण एवं अग्रिम	7	2,65,24,23,078
2,40,80,53,075	कुल		**2,72,47,04,932**

अंतिम लेखों के साथ संलग्न अनुसूची 1 से 18 तथा अनुसूची के संलग्न अनुबंध इसका अभिन्न भाग है।

कृते बीएनएसवाई एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
ब्रजेश बंसल
(पार्टनर)

बी.पी. कुश्वाहा
(संयुक्त निदेशक, वित्त, बजट एवं लेखा)

एन. राजा
(महानिदेशक)

दिनांक 31.03.2018
स्थान : नई दिल्ली

नेहरू युवा केन्द्र संगठन
वार्षिक लेखे
दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

31.03.2016 को समाप्त होने वाले पूर्व वर्ष के लिए	आय	अनुसूची	31.03.2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए
	आय		
4,40,822	विक्रय से आय	8	1,36,371
1,93,75,00,000	अनुदान/छूट	9	2,14,85,00,000
--	शुल्क/अंशदान	10	--
6,49,48,107	अर्जित ब्याज	11	11,64,14,160
4,15,429	अन्य आय	12	19,69,911
2,00,33,04,358	**कुल (ए)**		**2,26,70,20,442**
	व्यय		
1,13,68,11,314	स्थापना व्यय	13	1,21,04,50,064
18,83,71,854	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	14	17,91,49,397
67,63,73,599	व्यय (कार्यक्रम)	15	55,73,07,936
1,25,281	बैंक प्रभार	16	2,76,778
2,00,16,82,048	**कुल (बी)**		**1,94,71,84,175**
16,22,310	**व्यय पर आय अधिक्य के शेष (ए – बी)**		**31,98,36,267**
	विशेष रिज़र्व में स्थानान्तरण		-
	सामान्य रिजर्व को/से स्थानान्तरित		-
	शेष अधिक्य (घाटा)		-
16,22,310	**कॉपर्स निधि/पूंजीगत निधि में स्थानान्तरित**		**31,98,36,267**
	खातों पर महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ, लेखों पर नोट्स	18	

अंतिम लेखों के साथ संलग्न अनुसूची 1 से 18 तथा अनुसूची के संलग्न अनुबंध इसका अभिन्न भाग है।

कृते बीएनएसवाई एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेट
ब्रजेश बंसल
(पार्टनर)

बी.पी. कुश्वाहा
(संयुक्त निदेशक, वित्त, बजट एवं लेखा)

एन. राजा
(महानिदेशक)

दिनांक 31.03.2018
स्थान : नई दिल्ली

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

वार्षिक लेखे

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए	प्राप्तियॉं	अनुसूची	31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए	भुगतान	अनुसूची	31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए
	प्रारंभिक जमा				**स्थापना एवं अन्य व्यय**		
2,39,238	नकद		67,651	1,13,68,11,314	स्थापना व्यय	13	1,21,04,50,064
1,42,03,16,921	बैंक		1,51,47,69,732	18,83,71,854	अन्य प्रशासनिक व्यय	14	17,91,49,397
7,39,290	फंड टांजिस्ट		-	1,25,281	बैंक शुल्क	16	2,76,778
	भारत सरकार से प्राप्त निधि		-		**कार्यक्रम व्यय**		--
	वर्ष की अनुदान राशि		-	67,63,73,599	नियमित कार्यक्रम	15	55,73,07,936
1,93,75,00,000	नियमित अनुदान/छूट	9	2,14,85,00,000	43,82,09,240	विशेष कार्यक्रम	3	64,93,43,292
76,15,93,801	विशेष कार्यक्रम	3	88,01,78,000	12,51,91,166	प्रायोजित कार्यक्रम	4	12,00,81,993
10,45,78,353	प्रायोजित कार्यक्रम	4	2,89,93,454				-
	जोडे : वर्ष के आरंभ में प्राप्त		3,32,23,116				-
(3,32,23,116)	घटाये : वर्ष के अंत के दौरान	4	(14,75,00,000)	31,24,95,951	पिछले वर्ष से अग्रिम में वृद्धि		9,12,52,157
	अन्य एजेंसियों/मंडलों		7,89,61,856	73,96,390	वर्ष के दौरान खरीदी गई परिसंपत्तियों की कीमत		3,93,72,857
			-				-
	भूमि खरीद के लिए अनुदान		-				-
			-				-
			-				-
			-	19,993	वर्ष के दौरान जमा में वृद्धि		1,90,000
			-		एजेंसी को लौटायी गई	4	-
			-	5,61,458	विशेष कार्यक्रमों को लौटाई गई	3	28,25,589
4,15,429	विविध आय	12	19,69,911		प्रायोजित कार्यक्रमों को लौटाई गई	4	6,00,536
4,17,58,422	बचत बैंक पर ब्याज	11	7,45,81,721				-
1,70,53,961	बचत बैंक पर ब्याज (प्रायोजित + विशेष कार्यक्रम)	3+4	68,00,037		महानिदेशक राहत कोष के रूप में अनुसूची 5 में स्थानांतरण		-
2,31,89,685	दीर्घावधि जमा पर ब्याज		4,17,89,094				-
	दीर्घावधि अग्रिम पर ब्याज		43,344		**अंत शेष**		-
4,40,822	स्क्रैप/युवा मैनुअल की बिक्री	8	1,36,371	67,651	नकद		26,304
	संबद्धता शुल्क	10	-				-
	अप्रयोज्य परिसंपत्तियों की बिक्री		-	1,51,47,69,732	बैंक		1,60,40,44,737
			-				-
			-		फंड टांजिस्ट		4,94,49,650
			-				-
			-				-
12,57,90,822	**मौजूदा लेनदारों से कुल अतिरिक्त प्राप्तियां:**		14,18,57,003				-
			-				-
4,40,03,93,628			**4,50,43,71,290**	**4,40,03,93,628**	**-**		**4,50,43,71,290**
	प्रबंधन रिपोर्ट के साथ लेखों पर टिप्पणी	18					

अंतिम लेखों के साथ संलग्न अनुसूची 1 से 18 तथा अनुसूची के संलग्न अनुबंध इसका अभिन्न भाग है।

कृते बीएनएसवाई एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
ब्रजेश बंसल
(पार्टनर)

बी.पी. कुश्वाहा
(संयुक्त निदेशक, वित्त, बजट एवं लेखा)

एन. राजा
(महानिदेशक)

दिनांक 31.03.2018
स्थान : नई दिल्ली

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

अनुसूची–1 कॉपर्स/पूंजीगत निधि	कुल 31.03.17 को	कुल 31.03.16 को
वर्ष के आरंभ में शेष	9,99,20,715	10,23,34,517
लेखांकन नीति में परिवर्तन का प्रभाव	(5,31,16,099)	
01/04/2016 को डब्ल्यूडीवी	4,68,04,616	
जोड़ें: पूंजीगत व्यय	3,93,72,857	73,96,390
जोड़ें: मुख्यालय से स्थानान्तरित की गई स्थायी परिसम्पत्तियां		
घटायें : वर्ष के दौरान कम मूल्यह्रास	1,38,95,619	98,10,192
घटायें: वर्ष के दौरान कटौती	--	
वर्ष के अंत में शेष के रूप में	**7,22,81,854**	**9,99,20,715**

अनुसूची–2 निर्धारित निधि (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय)	कुल 31.03.17 को	कुल 31.03.16 को
ए) निधि का आदि शेष	46,15,00,836	46,72,74,915
बी) जोड़ें: व्यय से अधिक आय का अनुमान		
आय और व्यय खाते से	31,98,36,267	16,22,310
कुल (ए + बी)	**78,13,37,103**	**46,88,97,225**
सी) निधि के उद्देश्यों के अनुरुप व्यय/उपयोगिता	--	
I. पूंजीगत व्यय	--	
– स्थायी परिसम्पत्ति	3,93,72,857	73,96,390
– अन्य		
कुल (सी)	**3,93,72,857**	**73,96,390**
कुल देय शेष/(–) वर्ष अंत के दौरान प्राप्त (ए+बी+सी)	**74,19,64,245**	**46,15,00,835**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची का एक भाग

अनुसूची–3 निर्धारित निधि (विशेष कार्यक्रम)	राष्ट्रीय एकता शिविर	युवा नेतृत्व व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम	अंतर्राज्यीय युवा मिलन	राष्ट्रीय युवा उत्सव	एनवाईएफ–एनएसएस	जागृति युवा उत्सव	राष्ट्रीय युवा कर्मी योजना	आरएसवाई/एनआरसी	किशोरावस्था कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (जीवन कौशल प्रशिक्षण)
ए) निधि का आदि शेष	2,41,81,802	1,67,18,044	(3,98,133)	65,49,686	17,55,917	17,39,977	13,46,76,111	11,23,82,237	(28,78,894)
बी) वर्ष के दौरान समायोजन									
सी) अतिरिक्त निधि									
i) अनुदान प्राप्त (वेतन एवं लेखा कार्यालयों में प्राप्त)				1,30,37,000					
ii) अन्य अतिरिक्त (ब्याज अर्जित)	62,985							2,42,833	10,950
iii) अनुसूची 4 को प्रायोजित किया जा रहा है									
iv) अनुसूचीं 2 को नियमित रूप से परिवर्तित किया जा रहा है									
v) वेतन खाता कार्यालय स्तर पर उत्पन्न									
vi) अनुसूची 4 से स्थानांतरित									
कुल (ए +बी +सी)	**2,42,44,787**	**1,67,18,044**	**(3,98,133)**	**1,95,86,686**	**17,55,917**	**17,39,977**	**13,46,76,111**	**11,26,25,070**	**(28,67,944)**
डी) निधि के उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय									
1. पूंजीगत व्यय									
– स्थायी परिसंपत्तियॉं									
– अन्य									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
राजस्व स्थापना व्यय									
– वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि									
– किराया									
– अन्य प्रशासनिक व्यय									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) राजस्व कार्यक्रम व्यय	2,59,72,349	77,02,522	-	42,76,760	38,11,000		27,16,998	3,23,558	4,02,288
उप कुल	2,59,72,349	77,02,522	-	42,76,760	38,11,000	-	27,16,998	3,23,558	4,02,288
ई) संस्थाओं को लौटायी गई राशि				10,69,672	17,55,917				
कुल (डी + ई)	**2,59,72,349**	**77,02,522**	**-**	**53,46,432**	**55,66,917**	**-**	**27,16,998**	**3,23,558**	**4,02,288**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए+बी+सी–डी–ई)	**(17,27,563)**	**90,15,523**	**(3,98,133)**	**1,42,40,254**	**(38,11,000)**	**17,39,977**	**13,19,59,113**	**11,23,01,512**	**(32,70,232)**

अनुसूची–3 निर्धारित निधि (विशेष कार्यक्रम)	साहसिक कार्यक्रम	राष्ट्रीय युवा कोर	पंचायती राज क्रीडा अभियान	भारत जानो कार्यक्रम	पडोस युवा संसद	एनपीवाईएडी योजना (निग. रानी और मुद्रण)	अन्य कार्यक्रम व्यय	एनएसएस रिम्ब (एकता के लिए दौ 30.10.15)	31.03.2017 को
ए) निधि का आदि शेष	1609616	26,14,65,653	(53,26,997)	1,37,144	40,60,44,945	20,00,000	(3,30,470)	55,936	96,03,82,574
बी) वर्ष के दौरान समायोजन									
सी) अतिरिक्त निधि									
i) अनुदान प्राप्त (वेतन एवं लेखा कार्यालयों में प्राप्त)		40,00,00,000			16,71,41,000				58,01,78,000
ii) अन्य अतिरिक्त (ब्याज अर्जित)		37,98,004			13,94,635				55,09,407
iii) अनुसूची 4 को प्रायोजित किया जा रहा है									
iv) अनुसूचीं 2 को नियमित रूप से परिवर्तित किया जा रहा है									
v) वेतन खाता कार्यालय स्तर पर उत्पन्न									
vi) अनुसूची 4 से स्थानांतरित									
कुल (ए +बी +सी)	**16,09,616**	**66,52,63,657**	**(53,26,997)**	**1,37,144**	**57,45,80,580**	**20,00,000**	**(3,30,470)**	**55,936**	**1,54,60,69,981**
डी) निधि के उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय									
1. पूंजीगत व्यय									
– स्थायी परिसंपत्तियॉं									
– अन्य									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
राजस्व स्थापना व्यय									
– वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि									
– किराया									
– अन्य प्रशासनिक व्यय									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii) राजस्व कार्यक्रम व्यय	8,70,015	46,11,42,042	51,11,761	-	13,64,96,802		5,17,197	-	64,93,43,292
उप कुल	8,70,015	46,11,42,042	51,11,761	-	13,64,96,802	-	5,17,197	-	64,93,43,292
ई) संस्थाओं को लौटायी गई राशि				10,69,672	17,55,917				
कुल (डी + ई)	**8,70,015**	**46,11,42,042**	**51,11,761**	**-**	**13,64,96,802**	**-**	**5,17,197**	**-**	**65,21,68,881**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए+बी+सी–डी–ई)	**7,39,601**	**20,41,21,615**	**(1,04,38,758)**	**1,37,144**	**43,80,83,778**	**20,00,000**	**(8,47,667)**	**55,936**	**89,39,01,100**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची का एक भाग

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	एड्स जाग. रुकता कार्यक्रम	किशोरावस्था यूएनएफसी	येस	काऊंसिलिंग जे एंड के एनवाईसी	वृक्षारोपण पर जाग. रुकता	बेस लाईन सर्वे	जिला स्तरीय एजेंसियॉं	नशे के दुष्परिणाम कार्यक्रम (सामा. जिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय)
ए) आदि शेष	**(37,78,719)**	**5,88,88,132**	**(1,86,500)**	**9,22,269**	**3,53,499**	**(29,09,103)**	**(1,13,22,363)**	**2,35,65,220**
बी) अतिरिक्त निधि								
i प्राप्त अनुदान								
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय								
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में								
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त							7,89,61,856	
कुल (ए + बी)	**(37,78,719)**	**5,88,88,132**	**(1,86,500)**	**9,22,269**	**3,53,499**	**(29,09,103)**	**6,76,39,493**	**2,35,65,220**
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय								
i पूंजीगत व्यय								
– स्थायी परिसंपत्तियॉं								
– अन्य								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय								
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि								
– किराया								
– अन्य प्रशासनिक व्यय						-	-	-
उप कुल	-	-	-	-	-			
iii कार्यक्रम व्यय	--	70,48,173		1,95,466		6,15,031	7,19,04,562	21,56,590
उप कुल	-	**70,48,173**	-	**1,95,466**	-	**6,15,031**	**7,19,04,562**	**21,56,590**
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि								3,18,859
कुल (सी + डी)	-	**70,48,173**	-	**1,95,466**	-	-	**7,19,04,562**	**24,75,499**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	**(37,78,719)**	**5,18,39,959**	**(1,86,500)**	**7,26,803**	**3,53,499**	**(35,24,134)**	**(42,65,069)**	**2,10,89,771**

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	विदेशी योगदान	स्वच्छ भारत अभियान	हैस्को	आईसीडीएस	मासूम मुस्कान	आईएसएचएम (आयूष)	जन शिक्षा (जेएसएसके)	जंग–ए–आ. ज़ादी
ए) आदि शेष	**1,57,17,916**		**(69,550)**	**(16,59,702)**	**3,03,750**	**(12,31,715)**	**(20,27,174)**	**1,59,06,217**
बी) अतिरिक्त निधि								
i प्राप्त अनुदान		70,53,900						
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय	1,23,254							
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में								
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त								
कुल (ए + बी)	**1,58,41,170**	**70,53,900**	**(69,550)**	**(16,59,702)**	**3,03,750**	**(12,31,715)**	**(20,27,174)**	**1,59,06,217**
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय								
i पूंजीगत व्यय								
– स्थायी परिसंपत्तियॉं								
– अन्य								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय								
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि								
– किराया								
– अन्य प्रशासनिक व्यय								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय	46,900		-	2,37,840		92,310		5,85,394
उप कुल	**46,900**	-	-	**2,37,840**	-	**92,310**	-	**5,85,394**
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि			-	**2,37,840**	-	**92,310**	-	
कुल (सी + डी)	**46,900**	-	-	**2,37,840**	-	**92,310**		**5,85,394**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	**1,57,94,270**	**70,53,900**	**(69,550)**	**(18,97,542)**	**3,03,750**	**(13,24,025)**	**(20,27,174)**	**1,53,20,823**

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	केआरवाईसीईपी	केवीआईसी (कार्यशाला)	एमजी नरेगा	सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आज़ादी एक्सप्रेस) कार्यक्रम	मेरी धरती मेरा कर्तव्य	नन्हे घुंघरु	रा ट्रीय युवा संसद	कलटेक्स (पूर्वोत्तर)
ए) आदि शेष	**(36,34,155)**	**(1,38,682)**	**(26,47,918)**	**11,94,750**	**(11,11,061)**	**(4,89,680)**	**(5,12,390)**	**38,17,342**
बी) अतिरिक्त निधि								
i प्राप्त अनुदान								
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय	165							165
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii विशे ा कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में								
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त								
कुल (ए + बी)	**(36,33,990)**	**(1,38,682)**	**(26,47,918)**	**11,94,750**	**(11,11,061)**	**(4,89,680)**	**(5,12,390)**	**38,17,507**
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय								
i पूंजीगत व्यय								
– स्थायी परिसंपत्तियॉं								
– अन्य								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय								
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि								
– किराया								
– अन्य प्रशासनिक व्यय								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय	98,611	7,000	3,82,629	3,13,295	2,82,981			1,91,110
उप कुल	**98,611**	**7,000**	**3,82,629**	**3,13,295**	**2,82,981**	-	-	**1,91,110**
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि								2,81,677
कुल (सी + डी)	**98,611**	**7,000**	**3,82,629**	**3,13,295**	**2,82,981**	-	-	**4,72,787**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	**(37,32,601)**	**(1,45,682)**	**(30,30,547)**	**8,81,455**	**(13,94,042)**	**(4,89,680)**	**(5,12,390)**	**33,44,720**

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	निरंतर कार्यशाला	निर्मल विहार स्वच्छता कार्यक्रम	एनएलएम	एनआरएचएम	एनआरआई (भारत जानो कार्यक्रम)	उत्तर पूर्वी विविध कार्यक्रम	अन्य कार्यक्रमों पर व्यय	पंचायती राज रैली
ए) आदि शेष	**(2,08,532)**	**2,04,883**	**42,88,760**	**2,22,780**	**(3,03,975)**	**(2,06,64,196)**	**(1,44,187)**	**8,90,031**
बी) अतिरिक्त निधि								
i प्राप्त अनुदान						24,03,250		
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय								
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में								
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त								
कुल (ए + बी)	**(2,08,532)**	**2,04,883**	**42,88,760**	**2,22,780**	**(3,03,975)**	**(1,82,60,946)**	**(1,44,187)**	**8,90,031**
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय								
i पूंजीगत व्यय								
– स्थायी परिसंपत्तियॉं								
– अन्य								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय								
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि								
– किराया								
– अन्य प्रशासनिक व्यय								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय		21,906			1,84,049	12,24,510		
उप कुल	-	**21,906**	-	-	**1,84,049**	**12,24,510**	-	-
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि								
कुल (सी + डी)		**21,906**	-	-	**1,84,049**	**12,24,510**	-	-
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	**(2,08,532)**	**1,82,977**	**42,88,760**	**2,22,780**	**(4,88,024)**	**(1,94,85,456)**	**(1,44,187)**	**8,90,031**

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	रेड रिबन एक्सप्रेस	आरजी राष्ट्रीय युवा दिवस (आरजीएनआइ. 'वाईडी)	एसजीएसवाई	सुप्रभा गंगा यात्रा	आदिवासी आदान–प्रदान कार्यक्रम	यूएनडीपी (थाहा –याप्ता)	यूनिसेफ	वी.टी.ए.
ए) आदि शेष	**45,30,496**	**(6,01,405)**	**8,82,05,180**	**(2,34,231)**	**(1,07,99,863)**	**44,27,166**	**30,55,202**	**12,81,467**
बी) अतिरिक्त निधि								
i प्राप्त अनुदान					1,95,36,304			
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय			11,44,629			22,417		
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण								
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में								
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त								
कुल (ए + बी)	**45,30,496**	**(6,01,405)**	**8,93,49,809**	**(2,34,231)**	**87,36,441**	**44,49,583**	**30,55,202**	**12,81,467**
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय								
i पूंजीगत व्यय								
– स्थायी परिसंपत्तियॉं								
– अन्य								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय								
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि								
– किराया								
– अन्य प्रशासनिक व्यय								
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय	1,83,614		83,82,597	20,37,972	2,00,11,253			167
उप कुल	**1,83,614**	-	**83,82,597**	**20,37,972**	**2,00,11,253**			**167**
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि								
कुल (सी + डी)	**1,83,614**	-	**83,82,597**	**20,37,972**	**2,00,11,253**	-	-	**167**
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	**43,46,882**	**(6,01,405)**	**8,09,67,212**	**(22,72,203)**	**(1,12,74,812)**	**44,49,583**	**30,55,202**	**12,81,300**

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	वीटीसी (अंकुर)	जल संसाधन मैनेंजमेंट	डब्ल्यू.एच.ओ. (युवा दौड़)	विश्व एड्स दिवस	विश्व स्वास्थ्य दिवस	पल्स पो. लियो युवा के लिए	भारत परिक्रमा	विश्व जन. संख्या दिवस	युवा पहल
ए) आदि शेष	26,129	(1,14,385)	(14,95,909)	(5,27,621)	51,483	(3,51,400)		16,52,412	(82,88,135)
बी) अतिरिक्त निधि									
i प्राप्त अनुदान									
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय									
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण									
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण									
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में									
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त									
कुल (ए + बी)	26,129	(1,14,385)	(14,95,909)	(5,27,621)	51,483	(3,51,400)	-	16,52,412	(82,88,135)
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय									
i पूंजीगत व्यय									
– स्थायी परिसंपत्तियॉ									
– अन्य									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय									
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि									
– किराया									
– अन्य प्रशासनिक व्यय									
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय				1,80,000			6,89,675	1,00,000	
उप कुल				1,80,000			6,89,675	1,00,000	
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि									
कुल (सी + डी)	-	-	-	1,80,000	-	-	6,89,675	1,00,000	-
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	26,129	(1,14,385)	(14,95,909)	(7,07,621)	51,483	(3,51,400)	(6,89,675)	15,52,412	(82,88,135)

अनुसूची 4–चिह्नित किए गए धन (प्रायोजित कार्यक्रम)	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयन्ती	वेतन एवं लेखा कार्यालय के लिए कार्यक्रम अनुदान	सीट फ्लैम	एकता रैली	टीसीएस प्रशिक्षण	आरआरई की बैलेंस शीट	राष्ट्रीय मानवता आयोग	वाइ. 'एफएस–एनसी	एनएसडीसी द्वारा विश्व कौशल दिवस	31.03.2017 को
ए) आदि शेष	50,70,405	6,71,30,566	(2,01,969)	(70,894)	(1,02,870)	53,28,285	3,90,000	(4,64,141)	15,00,000	23,26,31,914
बी) अतिरिक्त निधि										
i प्राप्त अनुदान										2,89,93,454
ii. धन/ब्याज के खातों पर किए गए निवेश से आय										12,90,630
iii कोर कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण										
iii विशेष कार्यक्रम होने से अनुसूची 2 को स्थानान्तरण										
iii स्थानान्तरित अन्य योजना अनुसूची में										
iv वेतन एवं लेखा कार्यालयों में अन्य अतिरिक्त										7,89,61,865
कुल (ए + बी)	50,70,405	6,71,30,566	(2,01,969)	(70,894)	(1,02,870)	53,28,285	3,90,000	(4,64,141)	15,00,000	34,18,77,854
सी) निधियों उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय										
i पूंजीगत व्यय										
– स्थायी परिसंपत्तियॉं										-
– अन्य										-
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii स्थापना व्यय										
वेतन, मजदूरी वेतन और भत्ते आदि										
– किराया										-
– अन्य प्रशासनिक व्यय										-
उप कुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
iii कार्यक्रम व्यय	28,78,357			30,000						12,00,81,993
उप कुल	28,78,357			30,000						12,00,81,993
डी) संस्थाओं को लौटायी गई राशि										6,00,536
कुल (सी + डी)	28,78,357			30,000				-	-	12,06,82,529
कुल देय राशि/(–) वर्ष के अंत में प्राप्त (ए + बी – सी – डी)	21,92,048	6,71,30,566	(2,01,969)	(1,00,894)	(1,02,870)	53,28,285	3,90,000	(4,64,141)	15,00,000	22,11,95,326

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

अनुसूची–5 चालू देयतायें एवं प्रावधान	कुल 31.03.17 को	कुल 31.03.16 को
चालू देयतायें		
1. सांविधिक देयताएँ		
सेवा निवृत्ति निधि	16,84,67,477	12,84,67,477
पेंशन	11,74,62,020	10,09,16,023
जीपीएफ / सीपीएफ	23,22,77,635	17,48,79,304
जीपीएफ (प्रतिनियुक्ति)	(4,210)	790
भविष्य निधि से प्राप्त राशि	17,600	
टीडीएस	3,20,736	2,77,737
जीपीएफ देयता के लिए कर्मचारी योगदान	2,24,000	
वेतन और भत्ता, बोनस, देयता नकदी छोड़ दें	8,15,23,592	7,80,17,107
ईपीएफ देयता	7,84,148	2,94,417
परोपकारी निधि	4,65,494	4,74,131
जीआईएस देयतायें	34,332	
महानिदेशक राहत कोष	76,39,208	75,04,448
2. अन्य देनदारियां	--	
भवन निर्माण अग्रिम	1,600	
स्टाफ के लिए मानदेय	1,63,904	
ग्रेच्युटी देयता	--	1,36,15,654
बीमा प्रीमियम देयता	830	
व्यय देयता	33,97,789	42,17,770
पेंशन देयता	--	86,78,550
व्यवसाय कर	1,00,640	90,490
पूर्वोत्तर गुवाहाटी को अग्रिम	2,000	2,000
अन्य सुरक्षा जमा	75,744	
समूह बीमा पॉलिसी	1,10,264	3,42,586
समूह बीमा पॉलिसी (प्रतिनियुक्ति)	880	360
देयता राशि (आरआरई)	3,71,200	3,71,200
उप कुल	**61,34,36,883**	**51,81,50,044**
3. व्यय के लिए वर्तमान देयताएं		
ऑडिट फीस	32,32,568	35,32,169
स्टैल चैक	8,04,159	
बाल शिक्षा भत्ता देय	38,030	
सुरक्षा जमा राशि	92,912	1,73,656
किराया देयता	23,000	
एनवाईसी को मानदेय देयता	4,30,13,674	
उप कुल	**4,72,04,343**	**37,05,825**
कुल (ए)	**66,06,41,226**	**52,18,55,869**
बी. प्रावधान		
1. संचित अवकाश नकदीकरण	1,19,21,181	89,61,168
2. अन्य – एमएसीपी बकाया के लिए प्रावधान	12,28,00,000	12,28,00,000
कुल (बी)	**13,47,21,181**	**13,17,61,168**
कुल (ए + बी)	**79,53,62,407**	**65,36,17,037**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन
दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

अनुसूची–6 अचल परिसम्पत्ति	कुल 31.03.17 को	कुल 31.03.16 को
अचल संपत्ति		
पिछले वर्ष के समापन के अनुसार	9,99,20,715	10,23,34,517
लेखांकन नीति में परिवर्तन का प्रभाव	(5,31,16,099)	
01/04/2016 को डब्ल्यूडीवी	4,68,04,616	
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन / समायोजन	3,93,72,857	73,96,390
जोडे : मुख्यालय से स्थानान्तरण	--	
	--	
घटायें: वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	1,38,95,619	98,10,192
घटायें: वर्ष के दौरान कटौती	--	
वर्ष के अंत में शेष	**7,22,81,854**	**9,99,20,715**

अनुसूची – 7 मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण एवं अग्रिम	कुल 31.03.17 को	कुल 31.03.16 को
ए) वर्तमान संपत्ति		
1. अनुदान प्राप्त करने योग्य		
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से (विशेष कार्यक्रम)	5,01,37,337	3,32,23,116
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से (प्रायोजित कार्यक्रम)	9,73,62,664	
2. हाथ में नकद शेष राशि (चैक/ड्रॉफ्ट और अग्रदाय सहित)	26,304	67,651
उप योग	**14,75,26,304**	**3,32,90,767**
3. बैंक शेष राशि		
ए) अधिसूचित बैंकों के साथ		
– बचत खातों में (एसबीआई/यूबीआई)	1,60,40,44,737	1,51,47,69,732
– निधि में परिवर्तन	4,94,49,650	
उप योग	**1,65,34,94,387**	**1,51,47,69,732**
कुल (ए)	**1,80,10,20,692**	**1,54,80,60,498**
बी. ऋण, अग्रिम और परिसंपत्तियॉ		
1. अग्रिम		
एं) स्टाफ और अन्य	5,80,452	41,31,335
बी) लघु नकद अग्रिम	16,82,679	
सी) आपूर्तिकर्ता और अन्य को अग्रिम	78,77,484	2,38,80,024
डी) अन्य अग्रिम	1,67,14,860	
ई) भवन निर्माण अग्रिम	6,30,293	12,87,877
एफ) यात्रा अग्रिम	5,12,643	
जी) चिकित्सा अग्रिम	11,90,963	3,89,016
एच) एलटीसी अग्रिम	9,07,604	2,29,677

आई) दीर्घकालिक अग्रिम (कंप्यूटर/वाहन/स्कूटर)	(35,94,549)	(26,75,971)
जे) त्यौहार अग्रिम	1,73,180	13,500
के) टीए/डीए अग्रिम	60,245	4,75,589
एल) कर्मचारी भविष्य निधि	1,400	1,400
उप योग	**2,67,37,254**	**2,77,32,446**
2. अग्रिम या किसी अन्य रुप में मूल्य के बराबर प्राप्त वसूल की गई राशि		
सावधि जमा / सावधि जमा	59,62,54,663	50,94,99,023
टेलीफोन जमा	1,73,375	1,73,375
एसटीडी /आईटी/ अतिरिक्त जमा पर टीडीएस	1,62,96,352	1,22,25,804
अनुग्रहपूर्वक	8,000	
अन्यों पर जमा	17,84,144	15,94,144
कम्प्यूटर अग्रिम	(62,486)	1,54,800
स्कूटर अग्रिम	(3,42,681)	(4,24,151)
पश्चिम क्षेत्र को अग्रिम	--	961
पूर्व क्षेत्र से अग्रिम	961	
केंद्र को अग्रिम	5,93,348	
– कार्यक्रम	(23,65,182)	
– स्थापना	(21,61,012)	
– एन एल एम	(1,56,088)	
उप कुल	**61,00,23,394**	**52,32,23,955**
ए) केन्द्रों के पास लंबित उपयोगिता प्रमाण–पत्र	10,03,89,629	11,63,38,244
बी) वेतन एवं लेखा कार्यालयों के अग्रिम का लंबित समायोजन	3,60,65,788	3,60,65,788
सी) जिला स्तर के केन्द्र के साथ उत्पन्न निधि हेतु अग्रिम	1,07,08,056	1,57,56,648
उप कुल	**14,71,63,474**	**16,81,60,680**
3. आमदनी उपार्जित	--	
ए) निर्धारित निधि से निवेश पर	--	
बी) निवेश – निधि खाते पर	6,74,78,265	4,09,54,780
उप कुल	**6,74,78,265**	**4,09,54,780**
कुल (बी)	**85,14,02,387**	**76,00,71,862**
कुल (ए+बी)	**2,65,24,23,078**	**2,30,81,32,360**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन

दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

अनुसूची–8 विक्रय/सेवाओं से आय	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
1) विक्रय द्वारा आय		
ए) स्क्रेप/युवा मंडल मैनुअल की बिक्री	1,36,371	4,40,822
कुल	**1,36,371**	**4,40,822**

अनुसूची – 9 अनुदान/छूट	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
ए) केन्द्रीय सरकार (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित)		
योजना	2,14,85,00,000	1,58,75,00,000
योजनेत्तर		35,00,00,000
कुल	**2,14,85,00,000**	**1,93,75,00,000**

अनुसूची – 10 शुल्क/अनुदान	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
1) सम्बद्धता शुल्क	-	-
2) नेहरु युवा संदेश	-	-
कुल	-	-

अनुसूची – 11 अर्जित ब्याज	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
1) सावधि जमाओं/सावधि जमा		
ए) अधिसूचित बैंको में	4,17,89,094	2,31,89,685
2) बचत खातों पर	-	
ए) अधिसूचित बैंको में	7,40,67,408	4,17,58,422
3) दीर्घ अवधि के लिए अग्रिम (एच.बी.ए./एल.टी.ए.)	43,344	
कुल योग (ए)	**11,58,99,847**	**6,49,48,107**
समाशोधन के परिणामस्वरुप	-	
बचत खातों पर ब्याज	5,14,313	
उप कुल (बी)	**5,14,313**	-
कुल	**11,64,14,160**	**6,49,48,107**

अनुसूची –12 अन्य आय	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
1. लाभ – परिसम्पत्तियों का निपटान/बिक्री पर घाटा	-	16,700
2. गैर प्राधिकृत व्यय की वसूली	-	
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क	16,81,802	
4. स्क्रेप बिक्री (समाचार पत्र एवं पत्रिकायें)	-	
5. विविध आय	3,20,309	3,98,729
उप कुल योग (ए)	**20,02,111**	**4,15,429**
समाशोधन के परिणामस्वरुप	-	
विविध आय	(32,200)	
उप कुल योग (बी)	**(32,200)**	-
कुल योग	**19,69,911**	**4,15,429**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन
दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

अनुसूची – 13 स्थापना व्यय	**कुल 31.03.2017 को**	**कुल 31.03.2016 को**
ए) वेतन एवं वेजेस	95,48,34,489	90,79,85,840
बी) बोनस	65,30,306	32,28,741
सी) भविष्य निधि में अंशदान	2,36,98,279	2,25,32,289
डी) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	2,15,24,526	1,91,23,988
ई) कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति पर व्यय और	--	
आवधिक लाभ	19,17,26,433	16,79,91,080
एफ) एल.टी.सी.	47,69,528	54,69,339
जी) वर्दी	4,46,925	3,67,503
एच) बाल शिक्षा भत्ता	55,25,996	91,97,258
आई) अवकाश नकदीकरण का भुगतान	13,74,531	9,15,275
कुल (ए)	**1,21,04,31,013**	**1,13,68,11,314**
स्थापना कार्यक्रम व्यय : विनियोजन प्रभाव (पूर्व अवधि व्यय)		
स्थापना व्यय : समाशोधन के परिणाम स्परुप (पूर्व अवधि व्यय)	**--**	
ए) वेतन एवं वेजेस	16,300	
बी) वर्दी	1,316	
सी) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1,435	
डी) बाल शिक्षा भत्ता	--	
कुल (बी)	**19,051**	**-**
कुल (ए +बी)	**1,21,04,50,064**	**1,13,68,11,314**

अनुसूची – 14 अन्य प्रशासनिक व्यय	**कुल 31.03.2017 को**	**कुल 31.03.2016 को**
ए) डाक एवं मुद्रण	1,54,01,434	1,59,15,522
बी) विविध व्यय	61,07,617	86,00,274
सी) यात्रा व्यय	3,09,58,186	4,26,73,641
डी) प्रशासनिक व्यय	12,38,25,628	12,11,82,418
कुल (ए)	**17,62,92,866**	**18,83,71,854**
स्थापना व्यय : समाशोधन के परिणाम स्परुप (पूर्व अवधि व्यय)		
ए) डाक एवं मुद्रण	61,746	
बी) विविध व्यय	15,132	
सी) यात्रा व्यय	21,18,471	
डी) प्रशासनिक व्यय	6,61,182	
कुल (बी)	**28,56,531**	**-**
कुल (ए +बी)	**17,91,49,397**	**18,83,71,854**

अनुसूची – 15 कार्यक्रम व्यय	कुल 31.03.2017 को	कुल 31.03.2016 को
नियमित कार्यक्रम		
जिला / राज्य युवा मंडल पुरस्कार	-	1,09,17,378
प्रवासी भारतीय दिवस	5,57,924	2,46,51,338
जिला / राज्य युवा सम्मेलन	1,33,35,452	1,69,91,323
शहरी क्षेत्र के लिए युवा सुविधा केन्द्र (वाईएफसी)	54,36,521	
आवश्यकता आधारित कार्यक्रम	81,97,278	9,51,863
कौशल उन्नयन	10,32,60,661	8,06,95,999
युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास पर प्रशिक्षण	13,32,37,105	5,49,29,340
हस्तशिल्प मेला और लोक विद्या महोत्सव (शहरी जिला नेयुकेसं के लिए)	19,05,000	
खेल सामग्री खरीद	6,41,24,014	7,99,27,894
वाईसीडीपी	2,23,79,475	2,76,99,581
ब्लॉक / जिला लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम	5,75,49,413	5,76,46,854
दिवस और सप्ताह का आयोजन	4,14,29,683	4,23,36,559
उत्कृष्ट युवा मंडल के लिए पुरस्कार	99,00,398	18,00,000
हैंडीक्राफ्ट (युवा कृति) पर युवाओं के लिए प्रदर्शनी	--	91,68,358
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	63,06,011	53,55,963
जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी)	3,08,147	4,23,766
राज्य स्तरीय सलाहकार समिति (एसएसीवाईपी)	35,566	20,410
दस्तावेजीकरण	--	2,66,955
हिंदी राजभाषा	21,85,570	17,41,387
कलस्टर/जिला स्तरीय युवा मंडल अंतर खेल प्रतियोगिता	4,79,97,155	1,51,63,834
पुनर्जागरण	59,000	14,12,24,329
योजना, समीक्षा और फॉलोअप बैठक	5,79,421	12,79,907
भाषण प्रतियोगिता	54,77,112	92,05,150
योग और शारीरिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (शहरी जिला नेयुकेसं के लिए)	73,32,921	3,31,982
युवा आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रम	8,53,698	
एमजी युवा स्वच्छता अभियान	18,26,060	
विषय आधारित कार्यक्रम	4,54,000	4,49,05,881
युवा कारवां / तिरंगा यात्रा	7,07,637	31,000
एआईटीडीसी / एनएसडीसी के तहत कौशल विकास कार्यक्रम	--	3,32,43,059
युवा कॉन्क्लेव	20,31,143	
अन्य नियमित कार्यक्रम	78,86,116	36,63,458
युवा गतिविधि एवं प्रशिक्षण	--	95,64,300
भारत परिक्रमा	25,201	
एसएसएचई यूनिसेफ	--	3,09,273
वाईएफडी–एनसी	--	19,26,456
उप कुल (नियमित कार्यक्रम)	**54,53,77,682**	**67,63,73,599**
नियमित कार्यक्रम व्ययः समाशोधन प्रभाव (पूर्व अवधि व्यय)		
युवा मंडल आदान प्रदान कार्यक्रम	63,000	
युवा मंडल विकास कार्यक्रम (वाईसीडीपी)	55,069	

जिला युवा सम्मेलन	32,000	
मेंटर युवा मंडल की योजना	1,32,500	
महिलाओं के लिए कौशल उन्नयन कार्यक्रम (एसयूटीपी)	4,57,636	
ब्लॉक/जिला लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम	98,000	
दिवस और सप्ताह का आयोजन	71,431	
कलस्टर/जिला स्तरीय युवा मंडल अंतर खेल प्रतियोगिता	99,582	
अन्य नियमित कार्यक्रम	62,15,544	
वाईएफडी /एनसी	1,00,000	
युवा सुविधा केंद्र (शहरी जिलों के लिए नेयुके का)	2,45,000	
युवा मंडलों के लिए खेल सामग्री का प्रावधान	16,14,454	
टीवाईएलसीडी	2,68,831	
युवा गतिविधि और प्रशिक्षण	15,42,125	
पुनर्जागरण	2,18,500	
टैली प्रशिक्षण	27,100	
भा ाण प्रतियोगिता	13,000	
युवा कृति	50,000	
हिंदी राजभा ा	1,34,777	
आवश्यकता आधारित कार्यक्रम	2,47,653	
जिला सलाहकार समिति (डीएसीवाईपी)	2,000	
समीक्षा, योजना और फालो अप बैठक	72,402	
उत्कृ ट युवा मंडल पुरस्कार	1,69,650	
उप कुल (नियमित कार्यक्रम) (बी)	**1,19,30,254**	**-**
कुल (नियमित कार्यक्रम)	**55,73,07,936**	**67,63,73,599**
अनुसूची–16 बैंक प्रभार	**कुल 31.03.2017 को**	**कुल 31.03.2016 को**
ए) फिक्स ऋण पर	--	
बी) बैंक प्रभार	2,76,778	1,25,281
सी) अन्य	--	
कुल	**2,76,778**	**1,25,281**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन
दिनांक 31.03.2017 को तुलन पत्र की अनुसूची

प्रारंभिक जमा एसएलएम 01.04.2016 के अनुसार	लेखांकन नीति में परिवर्तन का प्रभाव	अनुसूची–17 परिसंपत्तियों की कीमत								
		01.04.2016 को डब्ल्यूडीवी	विवरण	संपत्ति का अवरोध	मूल्यह्रास की दर (:)	वर्ष के दौरान जोड़ (180 दिनों से अधिक)	वर्ष के दौरान परिवर्धन (180 दिनों से कम)	विलोपन वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	31.03.2017 को मूल्य समापन
			भूमि और भवन							
1,23,65,644	1,921	1,23,67,565	जमीन की कीमत – केन्द्र	भूमि	-					1,23,67,565
2,10,04,415	(1,20,22,837)	89,81,578	भवन की कीमत – केन्द्र	इमारत	10	82,83,525	33,98,076	-	18,96,571	1,87,66,608
69,28,278	(55,42,415)	13,85,863	कारें	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	2,08,154	11,77,708
87,857	(23,088)	64,769	जीपें	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	9,331	55,438
27,977	(3,928)	24,049	मोटरसाइकिल एवं स्कूटर	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	214	23,835
1,11,532	(37,567)	73,965	साईकिल	मशीनरी और संयंत्र	15	-	14,585	-	15,691	72,859
2,03,854	(1,21,518)	82,336	टाइपराईटर/कैलकुलेटर	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	12,350	69,986
13,72,483	(7,27,590)	6,44,893	फ्रिज, कुलर, एसी	मशीनरी और संयंत्र	15	18,400	35,300	-	1,02,141	5,96,452
1,26,64,855	(1,10,27,554)	16,37,301	ईडीपी मशीन (कम्प्यूटर/प्रिंटर/यूपीएस)	मशीनरी और संयंत्र	40	42,89,196	2,17,95,848	-	94,45,928	1,82,76,417
36,74,506	(21,83,232)	14,91,274	अन्य कार्यालय उपकरण/इंवर्टर	मशीनरी और संयंत्र	15	-	1,77,627	-	1,92,392	14,76,508
15,84,141	(4,17,094)	11,67,047	कार्यालय उपकरण – विद्युत कॉर्प.	मशीनरी और संयंत्र	15	520	-	-	1,64,959	10,02,608
1,64,393	(1,62,376)	2,017	खेल सामग्री	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	303	1,714
11,08,035	(9,28,078)	1,79,957	व्यावसायिक प्रशिक्षण परिसंपत्ति	फ़र्निचर व फिक्सचर	10	-	-	-	17,996	1,61,961
1,00,65,088	(22,03,328)	78,61,760	फर्नीचर	फ़र्निचर व फिक्सचर	10	37,436	5,23,384	-	8,36,151	75,86,429
25,71,912	(8,98,373)	16,73,539	फिक्सर और फिटिंग	मशीनरी और संयंत्र	10	-	-	-	27,705	16,45,834
2,13,90,959	(1,80,08,388)	33,82,571	पूंजीगत खरीद केन्द्र (योजना)	फ़र्निचर व फिक्सचर	10	-	72,717	-	3,58,781	30,96,508
40,55,938	13,95,225	54,51,163	पूंजीगत खरीद केन्द्र (योजनेत्तर)	मशीनरी और संयंत्र	10	15,123	6,96,902	-	5,71,857	55,91,331
2,90,673	(71,050)	2,19,623	पंखे	मशीनरी और संयंत्र	15	2,240	11,979	-	34,928	1,98,914
50,098	(3,842)	46,256	फैक्स मशीन	फ़र्निचर व फिक्सचर	15	-	-	-	-	46,256
		-	पूंजीगत खरीद केन्द्र (योजना) पीवाई	फ़र्निचर व फिक्सचर	10	-	-	-	-	-
66,800	224	67,024	अन्य फिटिंग	फ़र्निचर व फिक्सचर	10	-	-	-	158	66,866
92,198	(92,194)	4	दान में परिसंपत्ति	फ़र्निचर व फिक्सचर	-	-	-	-	-	4
39,079	(39,017)	62	उपकरण ऑडियो/विडियो	मशीनरी और संयंत्र	15	-	-	-	9	53
9,99,20,715	**(5,31,16,099)**	**4,68,04,616**	**कुल**			**1,26,46,440**	**2,67,26,417**	**-**	**1,38,95,619**	**7,22,81,855**

अनुसूची 18 (2016–17)

लेखों पर टिप्पणी एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1) **वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार:** यह वित्तीय लेखा विवरण सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार विगत औपचारिकताओं के अंतर्गत तैयार किया गया है।

2) **लेखांकन नीति:** संगठन द्वारा प्रोदभूत लेखा प्रणाली अपनाई गई है जब तक अन्यथा न उल्लेखित किया जाए। लेखांकन नीति में सीएजी की सिफारिश के कारण मूल्यह्रास की गणना में परिवर्तन किया गया है और बेहतर रुप से रिकॉर्ड रखने और प्रस्तुतिकरण के लिए लिखित मूल्य पद्धति को अपनाया गया है।

लिखित मूल्य पद्धति के अनुसार मूल्यह्रास की पुनः गणना की गई और दिनांक 01.04.2016 को लिखित मूल्य पद्धति के अंतर्गत वर्ष 2016–17 के लिए आदि शेष दिखाया गया। दिनांक 01.04.2016 के आदि शेष के अंतर को दो पद्धतियों के बीच अंतर के रुप में चिह्नित किया गया। यह अंतर लेखांकन नीति में बदलाव के कारण था और इसे अनुसूची–1 और अनुसूची–6 में दर्शाया गया। प्रासंगिक आंकड़े निम्नानुसार संक्षेप में वर्णित हैं: –

एसएलएम विधि के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्ति का आदि शेष	:	9,99,20,715
डब्ल्यूडीवी विधि के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्ति का आदि शेष	:	4,68,04,617
लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण राशि में अंतर	:	(5,31,16,098)

3) **स्थायी परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास:**

ए. अनुदान से सृजित परिसम्पत्तियों पर व्यय सामान्य निधि से किया गया और उसे पूंजीगत निधि में स्थानान्तरित कर दिया गया।

बी. संगठन के गठन के पश्चात खरीदी गई परिसम्पत्तियों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर दिखाया गया है। गत वर्षों में संगठन द्वारा इन परिसम्पत्तियों का पुनः मूल्य निर्धारण करते हुए परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास/समायोजन को पूंजीगत निधि में स्थानान्तरित किया गया है। लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण परिसंपत्तियों को लिखित मूल्य पद्धति के रुप में निम्नानुसार लिखा गया है

सी. डब्ल्यू डीवी (लिखित मूल्य पद्धति) के अनुसार मूल्यह्रास लगाया गया जोकि निम्नानुसार हैः–

(i) फर्नीचर और फिक्सर 10.00%

(ii) मशीनरी और संयंत्र (वाहन) 15.00%

(iii) मशीनरी और प्लांट (ईडीपी और कंप्यूटर) 60.00%

(iv) भूमि और भवन (केवल भवन) 10.00%

पूर्व में एस.एल.एम (स्ट्रेट लाईन मैथर्ड) के अंतर्गत निम्नानुसार मूल्यह्रास लगाया गया था।

i	कम्प्यूटर एवं ई.डी.पी. मशीन	16.21%
ii	कार्यालय फर्नीचर	6.33%
iii	अन्य विद्युत उपकरण	4.75%
iv	वाहन	9.50%
v	व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं खेल उपकरण	4.75%
vi	भूमि एवं भवन (केवल भवन)	1.63%

डी. संगठन के गठन से पहले के अवधि के परिसम्पत्तियों का पुर्नमूल्य निर्धारण रूपये 1/– की नोशनल राशि पर किया गया था। इसी प्रकार अनुदान में स्थानीय एजेंसियों से प्राप्त भूमि के अलावा परिसम्पत्तियों का पुर्नमूल्य निर्धारण रूपये 1/– की नोशनल राशि पर किया गया है।

ई. संगठन सरकार द्वारा बजट सहयोग के अंतर्गत पूर्णतः वित्त पोषित है। परिसम्पत्तियों की लागत के बराबर पूंजीगत निधि को दिखाया गया है।

एफ. समस्त क्षयकारी को बही खातों में दिखाया गया है और डब्लूडीवी पर मूल्यह्रास दिखाया गया है। नेहरु युवा केन्द्र भवन निर्माण पर व्यय को पूंजीगत बताया गया है और इसे निर्माणाधीन/निर्मित परिसम्पत्तियों के मूल्य में जोडा गया है। जिला नेहरु युवा केन्द्रों को दान में मिली भूमि को ऐतिहासिक मूल्य पर दिखाया गया है।

4) आय/व्यय की मान्यता

ए. **सहायता अनुदान** – युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं अन्य संस्थाओं द्वारा प्राप्त अनुदान राशि को प्रोदभूत आधार पर वर्ष की आय माना गया है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि को आय मानते हुए आय एवं व्यय लेखों में रखा गया है।

विशेष/प्रायोजित कार्यक्रमों के लिए प्राप्त अनुदान राशि को निर्धारित निधि के रुप में माना गया है और इसके लिए विशेष खाता रखा गया है। वर्ष की अप्रयुक्त राशि को तुलनपत्र में देयताओं की तरफ दिखाया गया है।

बी. सावधि जमा राशि पर अर्जित ब्याज की पहचान प्रोदभूत आधार पर की गई है।

सी. बचत खाते पर ब्याज, संबंद्धता शुल्क, युवा मण्डल निर्देशिका की बिक्री की राशि को नकद आधार पर रखा गया है।

डी. विशेष/प्रायोजित कार्यक्रम जैसे विदेशी सहायता, कलेक्टस, यू.एन.डी.पी. तहत, एस.जी.एस.वाई, एन.आई.सी., एन.वाई.सी. योजना, आरएसवाई योजना/एन.आर.सी, किशोर अवस्था और एन.वाई.सी. में अर्जित ब्याज को संबंधित कार्यक्रम के नामे (क्रेडिट) में रखा गया है।

ई. कर्मचारियों के लाभ जैसे अवकाश नगदीकरण एवं बोनस आदि को प्रावधान के तौर पर रखा गया है।

एफ. वेतन एवं लेखा कार्यालयों द्वारा उस अवधि के लिए उनके वित्तीय विवरण के माध्यम से भेजी गई सूचनाओं और स्पष्टीकरण के आधार पर मुख्यालय और राज्य कार्यालयों द्वारा किये गये व्यय को मुख्यालय में समेकित किया गया है। वेतन एवं लेखा कार्यालयों के स्तर पर व्यय की प्रविष्टि केन्द्रों से प्राप्त उपयोगिता प्रमाण के आधार पर की गई है।

5. **व्यय के लिए प्रावधान :** वर्ष के दौरान अर्जित अवकाश नकदीकरण के लिए रुपये 1.91 करोड़ और मार्च 2017 के वेतन के लिए 8.15 करोड और वर्ष 2016–17 के बोनस का वर्ष 2017–18 में भुगतान हेतु प्रावधान किया गया।

6. **फंड खातों में शेष :** सेवानिवृत्ति निधि में रुपये 16.85 करोड़, जीपीएफ में रुपये 23.23 करोड़ तथा पेंशन निधि में रुपये 11.75 करोड़ रुपये की राशि शेष है। मंत्रालय से न्यास के गठन के स्वीकृति लंबित होने के कारण सामान्य भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति निधि और पेंशन निधि वर्तमान देयताओं में दिखाई गई है।

7. **सेवानिवृत्ति बीमांकित मूल्य दायित्व :** दिनांक 31.03.2017 को सेवानिवृत्ति देयताओं के लिए बीमांकित मूल्यांकन नहीं किया गया। यद्यपि बीमांकित द्वारा दिनांक 31.03.2015 को ग्रेच्यूटी के लिए रुपये 69.91 करोड़, अवकाश भुनाने के लिए रुपये 52.87 करोड़ और समस्त कर्मचारियों को सीसीएस पेंशन नियम के तहत रुपये 539.14 करोड रुपये के बीमांकित मूल्य का आकलन किया गया था। इसे वार्षिक लेखा विवरण में दिखाने के लिए प्रशासनिक मंत्रालय से अनुमोदन प्रतिक्षित है। इन देयताओं को पूरा करने के लिए मंत्रालय से धनराशि की मांग भी की गई है।

8. **ऋण एवं अग्रिम :** ऋण एवं अग्रिम जिसमें (ए) रुपये 13.65 करोड़ की राशि क्षेत्र के कार्यालयों में अप्रयुक्त दिखाई गई है और रुपये 1.07 करोड़ का अग्रिम केन्द्रों के पास जिला स्तर पर सृजित निधि अग्रिम के रुप में रखी है। इस राशि के पूर्व समाशोधन की उपलब्धता के अभाव में इस राशि में पूर्व में किए गए ऐसे व्यय सम्मिलित हो सकते हैं जिन्हें खातों में दर्ज नहीं किया गया है।

9. **अग्रिम समायोजन एवं पूर्व अवधि में हुए व्यय–** वेतन एवं लेखा कार्यालय बैंगलोर, लखनऊ, अलीपुर एवं गांधीनगर में रुपये 4.54 करोड की राशि का बकाया अग्रिम समायोजित किया गया है। परिणामस्वरुप स्थापना व्यय, नियमित कार्यक्रम, विशेष एवं प्रायोजित कार्यक्रम के तहत पूर्व अवधि में हुए व्यय को दिखाया गया है।

10. संस्थाओं/आपूर्तिकर्ताओं, मण्डलों, केन्द्रों के कर्मचारियों पर शेष राशि उनकी पुष्टि पर निर्भर करती है।

11. गत वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनः एकत्रित किया गया है। वित्तीय विवरण के आंकडों को निकटतम रुपये में व्यक्त किया गया है।

12. अवधि के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग के दो पैरा और डीजीए (सीई) के 18 पैरा बकाया थे। जिनके लिए लेखा परीक्षकों को उत्तर प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

By: SPEED POST

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय) इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली - 110002
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL EXPENDITURE)
INDRAPRASTHA ESTATE, NEW DELHI - 110002
दूरभाष/Phone: 011-23454316 फैक्स/Fax 23702271

संख्या/No. AMG-II/4-13/SAR/NYKS/2019-20/756. **दिनांक/Dated** 16.10.2019

सेवा में

सचिव, भारत सरकार,
युवा कार्यक्रम विभाग,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,
कमरा संख्या 1, सी -विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

विषय: वर्ष 2016-17 के लिए नेहरु युवा केंद्र संगठन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन ।

महोदय

मैं , नेहरु युवा केंद्र संगठन, नई दिल्ली के वर्ष 2016-17 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति, उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति संसद के पटल पर रखने के लिये संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए। कृपया यह सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय द्वारा अवश्य अनुमोदित करा लिया जाए।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद एवं इसे जारी करने से संबंधित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (Disclaimer) अंकित करें :

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

यह पत्र महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय), के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है ।

भवदीय

अनुलग्नक : यथोपरि ।

हस्ता/-

उप-निदेशक (ए.एम.जी.-III)

17 OCT 2019

By: SPEED POST

संख्या/No. AMG-III/4-13/SAR/NYKS/2019-20/757. **दिनांक/Dated** 16.10.2019

प्रतिलिपि : महानिदेशक, नेहरु युवा केंद्र संगठन, भूमि तल, 4, जीवन दीप बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001 को लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है। यह अनुरोध किया जाता है कि संसद को प्रस्तुत दस्तावेजो की दो प्रतियां उस तिथि को दर्शाते हुए जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाएं।

कृपया यह सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय द्वारा अवश्य अनुमोदित करा लिया जाए। यह भी अनुरोध किया जाता है कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद की एक प्रति शीघ्र इस कार्यालय को भेजी जाएं।

अनुलग्नक : यथोपरि।

अजय शर्मा
16/10/19

उप-निदेशक (ए.एम.जी.-III)

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन के खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. हमने, 31 मार्च 2017 की स्थिति अनुसार, नेहरु युवा केन्द्र संगठन (ने.यु.के.सं.) की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है, उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता और प्राप्तियां एवं भुगतान खाता, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की (कर्तव्य, भाक्तियां और सेवा की भार्तें) अधिनियम, 1971 खंड 20 (1) के अंतर्गत है। लेखा परीक्षा 2020–21 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। नेयुकेसं के देशभर में 623 जिला स्तरीय नेहरु युवा केन्द्र हैं जिनमें से 14 केन्द्रों और 4 मण्डल कार्यालयों की टिप्पणी इस रिपोर्ट में शामिल की गई है। ये वित्तीय विवरण नेहरु युवा केन्द्र संगठन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर एक राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन केवल वर्गीकरण के संबंध में, सबसे अच्छी लेखा प्रथाओं के अनुरुप लेखा मानकों और मानदंडों के प्रकटीकरण के साथ लेखा उपचार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियम और विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता–सह–प्रदर्शन पहलुओं, आदि के साथ अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन, यदि कोई हो, पर लेखा–परीक्षा अवलोकन निरीक्षण रिपोर्ट/कैग की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की गई है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा का संचालन आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम योजना और वित्तीय विवरण के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए इस प्रकार लेखा परीक्षा प्रदर्शन करें जो सामग्री के संबंध में गलत विवरणी से मुक्त रहें। किसी लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर, मात्रा और वित्तीय विवरण में खुलासे का समर्थन करने वाले सबूतों की जांच शामिल है। एक लेखा परीक्षा में लेखांकन में इस्तेमाल किए गए सिद्धांतों और वित्तीय विवरण की समग्र प्रस्तुति के मूल्यांकन के साथ–साथ प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमान का आंकलन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं किः

   i. हमने टिप्पणी सं. ए.1.1.1 (बी) और सी 5.10 को छोड़कर सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किया है, जो हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

   ii. इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय एवं व्यय प्राप्तियां एवं भुगतान खाते को एक समान प्रपत्र में तैयार नहीं किया गया है जिसकी स्वीकृति वित्त मंत्रालय द्वारा प्रदान की गयी है।

   iii. हमारी राय में, और ऐसे खातों के बारे में हमारी अब तक की परीक्षा से प्रकट होता है कि नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा खातों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों के उचित पुस्तकों का रखरखाव किया गया है। जोकि टिप्पणी सं. ए.1.1.1 से 1.1.3, ए2.1.1 से 2.1.5 , सी 5.1, सी 5.5 और पैरा 2 (iii) और 2 (vi) लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में उल्लिखित सहायक दस्तावेजों को छोड़कर हमारे द्वारा की गई परीक्षा स`अब तक स्पष्ट होता है।

   iv. हम आगे सूचित करते हैं कि :–

ए तुलन पत्र

ए.1 देयताएं :

ए.1.1 निर्धारित निधि (अनुसूची –2, 3 और 4)

ए.1.1.1 (ए) अनुसूची –3 में : निर्धारित निधि (विशेष कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) और अनुसूची –4: निर्धारित निधि (प्रयोजित कार्यक्रम) जोकि दिनांक 31.3.2017 तक के तुलन पत्र का अभिन्न भाग है, में कार्यक्रम के तहत नकारात्मक आदि एवं अंतः शेष का जैसाकि अनुलग्नक–ए में वर्णित कार्यक्रमों में बताया गया है। नेयुकेसं के 17 कार्यक्रमों के तहत एकत्रित नकारात्मक शेष रुपये 194.35 लाख पाई गई।

विवरण तथ्य दर्शातें हैं कि नेयुकेसं ने प्राप्त अनुदान से अतिरिक्त व्यय किया है और राशि प्राप्य हैं। हालांकि, इसे प्राप्य के रूप में नहीं दिखाया गया था लेकिन देयताओं के तहत नकारात्मक आंकड़ों के रूप में दिखाया गया है, जिसे सही करने की आवश्यकता है।

ए.1.1.1 (बी) अनुसूची–3 और 4 में दिखाया गया निर्धारित निधि का अंतः शेष (विशेष कार्यक्रम) और निर्धारित निधि (प्रयोजित कार्यक्रम) को क्रमशः सत्यापित नहीं किया जा सकता है क्योंकि अंतः शेष के समर्थन में आधारभूत रिकॉर्ड जैसे उपयोगिता प्रमाण–पत्र, कार्य निष्पादन सह उपलब्धि रिपोर्ट और विशेष एवं प्रायोजित कार्यक्रमो का सहायक खाता जैसाकि अनुमोदन आदेश में दिखाया गया है, को लेखा परीक्षा को दिखाया नहीं गया था।

ए.1.1.2 कार्यक्रम के तहत किया गया व्यय/हस्तांतरण/लौटाई गई नकारात्मक आदि शेष दर्शाती है वर्ष के दौरान अतिरिक्त अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है जिससे नकारात्मक शेष में वृद्धि होती है। नेयुकेसं के 13 कार्यक्रमों के अंतर्गत रुपये 299.04 लाख के नकारात्मक शेष पाया गया। विवरण अनुलग्नक–बी पर दिया गया है।

ए.1.1.3 कई मामलों में उपलब्ध निधि/प्राप्त अनुदान से अधिक निधि व्यय/स्थानान्तरित की गई है जिसके परिणामस्वरुप नकारात्मक अंतः शेष बना है। इस अंतः शेष का 6 कार्यक्रमों के तहत नकारात्मक शेष रुपये 402.59 लाख बनता है।

खातों में नकारात्मक शेष के संबंध में आवश्यक समायोजन/समाधान किया जाना है।

उपरोक्त के मद्देनजर, हम वार्षिक खातों में नकारात्मक शेष के रूप में दिखाए गए आंकड़ों की शुद्धता पर एक राय बनाने में सक्षम नहीं हैं। इन अंतरों की पिछली रिपोर्ट में भी रिपोर्ट की गई थी लेकिन नेयुकेसं द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई थी।

ए.1.1.4 अनुलग्नक–डी में उल्लिखित कार्यक्रमों में सकारात्मक आदि शेष थे लेकिन कार्यक्रम के विरुद्ध कार्यक्रम में कोई ब्याज आय नहीं दर्शायी गयी थी। इन कार्यक्रमों के लिए ब्याज आय के न दर्शाये जाने से इन कार्यक्रमों के आदि शेष पर अर्जित ब्याज की राशि और वर्ष 2016–17 के लिए नेयुकेसं की ब्याज आय की अतिस्तरीय राशि के द्वारा देयताओं को कम किया गया है। इन 30 कार्यक्रमों का मौद्रिक मूल्य रुपए 33.56 करोड पाया गया है.।

ए.1.1.5 आय और व्यय खाते के अनुसार, व्यय पर आय का अधिक हिस्सा "कॉर्पस/कैपिटल फंड" में स्थानांतरित किया जाना था। हालांकि, व्यय से अधिक आय को 'निर्धारित निधि– युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय (अनुसूची–2)' में स्थानांतरित किया गया था। यह खातों के एक समान प्रारुप के अनुरूप नहीं है और इस प्रकार पूर्ण शेष राशि रू.78.13 करोड़ को गलत तरीके से 'निर्धारित निधि' के तहत दिखाया गया है। इसकी वजह से पूंजीगत निधि में राशि अधिक्य दिखाया गया है और पूंजीगत निधि की कमी हुई। इससे विगत वर्ष की रिपोर्ट में भी बताया गया था

परन्तु नेयुकेसं द्वारा कोई सुधारात्मक कार्यवाही नहीं की गयी है।

ए. 2 परिसंपत्तियां

ए.2.1 वर्तमान परिसंपत्ति ऋण और अग्रिम – (अनुसूची –7)

ए.2.1.1 नेयुकेसं के ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियों में लम्बी अवधि की अग्रिम (कम्प्यूटर/वाहन/स्कूटर) के तहत रुपये 3594549 और स्कूटर अग्रिम के तहत रुपये 342681, कम्प्यूटर अग्रिम शीर्ष के तहत रू.62486 का ऋणात्मक शेष दिखाया गया है। इन नकारात्मक राशियों को समायोजित किए जाने की आवश्यकता है।

ए.2.1.2 अग्रिम शीर्ष के तहत अन्य वेतन एवं लेखा कार्यालय के पास बकाया अग्रिम के साथ कुछ नकारात्मक शेष को जोड़ा गया था। विवरण निम्नानुसार है।

क्र.स	शीर्ष	वेतन एवं लेखा कार्यालय	राशि (रूपये में)
01	स्टाफ एवं अन्य	बैंगलोर	(1,950.00)
02	आकस्मिक नगद अग्रिम	लखनऊ	(2,97,489.50)
03	अन्य अग्रिम	अलीपुर	(1,12,262.00)
04	भवन निमार्ण अग्रिम	बैंगलोर	(2,90,916.00)
05	चिकित्सा अग्रिम	लखनऊ	(1,30,768.00)
06	एलटीसी अग्रिम	नेयुकेसं, मुख्यालय	(1,13,448.00)
07	केन्द्रो के लम्बित उपयोगिता प्रमाण–पत्र के तहत अग्रिम	अलीपुर	(69,94,209.15)

अग्रिम के तहत् नकारात्मक भोश राशि को समायोजित किया जाना आव यक है।

ए.2.1.3 नेयुकेसं के मुख्यालय खातों में रुपये 10,00,000 की राशि को नेहरू युवा केन्द्र संगठन, मुख्यालय की जमा राशि के रूप में दिखाया गया था जिसे वास्तव में राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति लिमिटेड (एनवाईसीएस लिमिटेड) के शेयरों में निवेश किया गया था और इसे नेयुकेसं के दीर्घकालिक निवेश के तहत वर्गीकृत होना चाहिए था।

ए.2.1.4 नेयुकेसं मुख्यालय में, लेखा परीक्षा ने नोट किया कि 2015–16 और 2016–17 के दौरान एक समान अग्रिम राशि कई एक समान शीर्षों में दिखाई गई थी।

लेखा शीर्ष	दिल्ली (मुख्यालय) (रुपये में)
समायोजन के लिए लंबित मंडल कार्यालयों को अग्रिम	(–) 1659315
मंडल कार्यालयों के पास अग्रिम	59600296
समायोजन के लिए लंबित वेतन एवं लेखा कार्यालयों/मंडल कार्यालयों को अग्रिम	(–) 66632091
आकस्मिक निधि अग्रिम	1875041
मंडल कार्यालयों के पास अग्रिम – आगे ले जाया गया	44756898
केन्द्रो के पास अग्रिम	(–)4682282

चूंकि फंडिंग और व्यय एक सतत प्रक्रिया है जाहिर तौर पर इन अग्रिमों के समाधान के लिए नेयुकेसं द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया था।

ए.2.1.5 'ऋण और अग्रिम' (अनुसूची –7) शीर्ष के तहत रुपये 13.65 करोड़ की राशि केंद्रों के पास अग्रिम के रुप में दिखाये गये थे, जिसके उपयोगिता प्रमाण–पत्र लंबित है और वेतन एवं लेखा कार्यालय/मण्डलो के अग्रिम का समायोजन लंबित है।

ए.2.1.6 नौ बैंक खाते जिनमें रू.4.75 करोड़ है यह विभिन्न योजनाओं जैसे : एनआरसी, युवा सेवाए–iv, सवर्ण ग्राम सड़क योजना, क मीरी युवा सांस्कृतिक आदान–प्रादन कार्यक्रम, कि शोरा अवस्था, यूएनडीपी परियोजना, रेड रिबन एक्सप्रेस एवं विदेशी योगदान दिनांक 31.03.2017 तक गैर–सक्रियता के कारण खाते निश्क्रिय पड़े है। 07 बैंक खाते वर्ष 2011–12 से निश्क्रिय पड़े है जबकि 02 खाते वर्ष 2012–13 से योजनाओं के परिचालन में न होने के कारण निश्क्रिय पड़े है।

बी आय और व्यय खाता :

बी.1 रेड रिबन एक्सप्रेस (आरआरई) योजना के बैंक स्टेटमेंट के अनुसार, रुपये 2.68 लाख आरआरई के खाते में ब्याज के रुप में अर्जित किया गया था लेकिन इसे बचत खातों पर ब्याज के तहत दर्शाया गया था। इसके परिणामस्वरूप निर्धारित निधि (आरआरई) में कमी दिखाई गई है और वर्ष 2016–17 के लिए नेयुकेसं के ब्याज आय पर अधिकता दिखाई गई है।

सी. सामान्य :

सी.1 वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित निवेश के स्वरूप के अनुसार पेंशन निधि, भविष्य निधि एंव सेवा–निवृति निधि का निवेश नहीं किया गया था। राशि रू 59.62 करोड़ (100:) का समस्त निवेश सावधि जमा के तहत किया गया है। इसे पिछले लेखापरीक्षा रिपोर्ट में बताया गया था। हालांकि नेयुकेसं द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सी.2 नेयुकेसं ने सेवानिवृत्ति लाभ के प्रावधान नहीं किया गया। आईसीएआई के एएस–15 और एक समान स्वरुप के अनुसार अपेक्षित सेवानिवृत्ति लाभ के लिए बीमांकिक आधार पर प्रावधान करना आवश्यक है।

सी–3 नेयुकेसं के खातों में वेतन एवं लेखा कार्यालयों के पास रखी निर्धारित निधि' (अनुसूची 2) के तहत अधिशेष निधियों की निरंतर उपलब्धता दिखाई देती है। पिछले वर्षों के खातों से इन निधियों की जांच के लिए नेयुकेस की ओर से उपयोग / समायोजन के लिए प्रयास की कमी दिखती है। इसके कारण धनराशि रु74.19 करोड़ का संचय हुआ और 31.3.2017 तक यह राशि अप्रयुक्त पड़ी रही। (यह राशि 31.3.2016 के अंत में रुपये 46.15 करोड़ थी)। यह मुद्दा पिछले वर्ष की रिपोर्ट में भी बताया गया था, हालांकि, कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई थी।

सी–4 2016–17 के दौरान नेयुकेस के कार्यालय परिसर में आग लग गई और इसके नुकसान का उल्लेख भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में 31.03.2017 को किया गया। वार्षिक खातों की जांच से पता चला कि नेयुकेस द्वारा न तो आग से होने वाले नुकसान की मात्रा निर्धारित की गई थी और न ही 2016–17 के वार्षिक खातों में लिया गया।

सी.5 नेहरु युवा केन्द्र संगठन के पास 623 जिला स्तरीय नेहरू युवा केंद्रों के एक देशव्यापी नेटवर्क थे जिनमें प्रमुख, जिला युवा समन्वयक (डीवाईसी) होते हैं। नेयुकेसं के 14 केंद्रो 04 मण्डल कार्यालयों और राज्य कार्यालय से संबंधित लेखा परीक्षा टिप्पणियां नीचे दी गई हैं:

सी. 5.1 कैश बुक जालंधर, लुधियाना (पंजाब), कालाहांडी, भवानी पटना (उड़ीसा) द्वारा सही प्रकार से तैयार नहीं की गयी और रंगत (मध्य अंडमान) और चंड़ीगढ पंजाब द्वारा कैशबुक के रख–रखाव में अनिमियतताएं पाई गयी।

सी–.5.2 लुधियाना, जालंधर, चंडीगढ़ (पंजाब), मंगन (सिक्किम), मंडल निदेशक–रोहनीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ़) और चंडीगढ़ में भण्डार/परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था।

सी 5.3 नेहरू युवा केन्द्र जालंधर (पंजाब) में रु 0.14 लाख, नेहरू युवा केन्द्र लुधियाना (पंजाब) में रू.9.49 लाख, मंडल निदेशक–चंडीगढ़ में रू.1.26 लाख और जमा का गैर समायोजन नेहरू युवा केन्द्र जालंधर और मंडल निदेशक–चंडीगढ़ (पंजाब), केलोंग लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में बैंक स्टेटमेंट का गैर–सामंजस्य।

सी 5.4 नेहरू युवा केन्द्र जालंधर (पंजाब) में रू.0.66 लाख का और कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) में रु. 0.14 लाख का पुराना चेक लंबित था

सी 5.5 व्यय नियंत्रण, वेतन बिल और जल और बिजली से संबंधित रिकॉर्ड / रजिस्टर मंडल कार्यालय, मुंबई में नहीं रखे गए थे और नेहरू युवा केन्द्र केलोंग लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) में भी कीमती सामान, अचल संपत्ति, चेक और पीबीआर के रिकॉर्ड / रजिस्टर भी तैयार नहीं किये गये थे।

सी 5.6 नेयुकेसं कुल्लू (हिमाचल प्रदेश), चंडीगढ (पंजाब), केलोंग लाहौल स्पीति (हिमाचल प्रदेश) और मंडल निदेशक– रोहनीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ़) में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली सही नहीं थी।

सी .5.7 नेहरू युवा केन्द्र केलोंग, लाहौल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) नेयुकेसं की इकाई में पूंजीगत संपत्ति पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया था।

सी 5.8 नेहरू युवा केन्द्र हसन, बेंगलुरु में खातों और बैंक बुक के बीच प्राप्ति के अंतर्गत रुपये 2000/– का अंतर था।

सी 5.9 नेयुकेसं मुख्यालय और वेतन एवं लेखा कार्यालय, बैंगलोर के बैंक समायोजन विवरणिका की जाँच से पता चला कि कई भुगतान पद्धितियॉ/चेक जो लंबे समय से समाप्त हो गए थे, उन्हें वापस खातों में नहीं लिया गया और लंबित निपटान के रूप में भोश जारी रखा गया।

सी 5.10 नेयुकेसं मुख्यालय और वेतन एवं लेखा कार्यालय, बैंगलोर के समायोजन विवरणिका में दर्शाया गया है कि वित्त वर्ष के अंत में नेयुकेसं द्वारा किए गए विभिन्न भुगतानों को आरटीजीएस/एनईएफटी जैसी कोर बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग करने के बावजूद 5 से 82 दिनों की लंबी देरी के बाद किया गया था। ऑडिट के लिए समय पर धन हस्तांतरण प्रक्रिया शुरू करने के समर्थन में दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

डी सहायता अनुदान :

नेहरु युवा केन्द्र संगठन सामान्य प्रयोजन और विशेष कार्यक्रमों के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से अनुदान प्राप्त करता है। यह प्रायोजित कार्यक्रमों के लिए अन्य मंत्रालयों/विभागों/एजेंसियों से भी अनुदान प्राप्त करता है। वर्ष 2016–17 के दौरान नेहरु युवा केन्द्र संगठन द्वारा सहायता अनुदान प्राप्त और उपयोग की स्थिति निम्नानुसार दी गई है :

(रूपये करोड़ में)

उद्देश्य	01.04.2016 को प्रारंभिक शेष	वर्श 2016–17 के दौरान प्राप्त				कुल	उपयोग की गई राशि	लौटाई गई राशि	31.03. 2017 को अप्रयुक्त शेष
		योजनागत	एनईआर	योजनेत्तर	ब्याज/ अन्य आय				
(1)	(2)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
निर्धारित निधि (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) (अनुसूची–2)	46.15	153.00	17.00	44.85	11.84	272.84 **	198.65	0.00	74.19
निर्धारित निधि (विशेष कार्यक्रम– युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) अनुसूची–3	96.04	58.02 ***	0.00	0.00	0.55	154.61	64.93	0.28	89.40
निर्धारित निधि (प्रायोजित कार्यक्रम– युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) (अनुसूची–4)	23.26	2.90	0.00	0.00	8.03	34.19	12.01	0.06	22.12
कुल	165.45	213.92	17.00	44.85	20.42	461.64	275.59	0.34	185.71

** नेयुकेस को वर्ष 2016–17 के लिए नेयुकेस योजना के तहत रु.214.85 करोड़ की राशि सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत की गई थी लेकिन 31.03.2017 तक केवल रु.205.10 करोड़ की राशि प्राप्त हुई थी। शेष राशि रु 9.75 करोड़ की राशि दिनांक 03.04.2017 को प्राप्त हुई ।'

** नेयुकेसं को वर्ष 2016–17 के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के विशेष कार्यक्रम के तहत् रू.58.02/– करोड़ स्वीकृत की गयी थी। लेकिन दिनांक 31.03.2017 तक केवल रू.53.02/– करोड़ की राशि ही प्राप्त हुई थी। शेष अनुदान राशि रू.5.00/– करोड़ दिनांक 30.04.2017 को प्राप्त हुई थी।

ई. प्रबंधन पत्रः जिन कमियों को आडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया था, उन्हें सुधारात्मक कार्यवाही के लिए अलग से प्रबधन पत्र के माध्यम से नेहरू युवा केन्द्र संगठन के नोटिस में लाया गया था।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणियों के अंतर्गत, हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां एवं भुगतान खाते, खातों की पुस्तकों के साथ मेल खाते हैं।

(vi) हमारी राय में और हमारी सबसे सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण ऊपर उल्लिखित महत्वपूर्ण मामलें जोकि टिप्पणी ए1.1.1.(ए) से ए.1.1.3 और ए.2.2.1 से ए.2. 2.5 में दिये गये है और अन्य मामलों को इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में किए गए उल्लेख आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखा सिद्धांतों के अनुरुप एक सही और निष्पक्ष विचार नहीं देते हैं।

ए. अब तक यह 31 मार्च 2017 की स्थिति के अनुरुप नेहरु युवा केन्द्र संगठन के मामलों के तुलन पत्र की स्थिति, से संबंधित है; तथा

बी. अब तक के रुप में उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए यह अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली — **लेखा परीक्षा महानिदेशक**

तारीख : 16.10.2019 — **केन्द्रीय व्यय**

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता :

आंतरिक लेखा परीक्षा विंग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा 2012–13 तक आयोजित की गई थी और 02 पैरे अगस्त 2017 तक शेष थे।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

नेहरू युवा केन्द्र संगठन की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नलिखित विशय जोकि रिपोर्ट की सी.8 टिप्पणी में दिये गये है, में निम्नलिखित कमियॉं पाई गई :

i. नेयुकेसं के खातों में वेतन एवं लेखा कार्यालय के पास निर्धारित निधि (अनुसूची–2) शीर्ष के अंतर्गत के तहत गैर समायोजित अधिशेष धन की सतत उपलब्धता दिखती है। पिछले वर्षों के खातों से इस निधि की जांच करने पर यह इस निधि के प्रयोग/समायोजन के लिए नेयुकेसं के भाग पर प्रयास का अभाव दर्शाता है। इससे रुपये 74.19 करोड़ की अधिशेष निधि संचित हो गई है जोकि दिनांक 31.03.2017 तक अधिशेष बनी रही। (दिनांक 31.03.2015 के अंत में राशि रुपये 46.15 करोड़ थी)।

ii. 2016–17 के दौरान नेयुकेस के कार्यालय परिसर में आग लग गई और इसके नुकसान का उल्लेख भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में 31.03.2017 को किया गया। वार्षिक खातों की जांच से पता चला कि नेयुकेस द्वारा न तो आग से होने वाले नुकसान की मात्रा निर्धारित की गई थी और न ही 2016–17 के वार्षिक खातों में लिया गया।

iii. कीमती सामानों का रजिस्टर (जीएआर5), अग्रिमों और अनुबंधों को बनाए नहीं रखा गया था। इसके अलावा, अचल संपत्तियों के रजिस्टर, टीए और एलटीसी बिल, चिकित्सा दावा और सहायता में अनुदान रजिस्टरों का रखरखाव ठीक से नहीं किया गया।

iv. लुधियाना, जालंधर, चंडीगढ़ (पंजाब), मंगन (सिक्किम), मंडल निदेशक–रोहनीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ़) और नेयुकेसं में चंडीगढ़ इकाइयों में भण्डार का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था।

v. नेयुके कुल्लू (हिमाचल प्रदेश), चंडीगढ (पंजाब), केलोंग लाहौल स्पीति (हिमाचल प्रदेश) और मंडल निदेशक– रोहनीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ़) में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली सही नहीं थी।

vi. कैश बुक जालंधर, लुधियाना (पंजाब), कालाहांडी, भवानीपटना (उड़ीसा) द्वारा सही प्रकार से तैयार नहीं की गयी और रंगत (मध्य अंडमान) और चंड़ीगढ (पंजाब) द्वारा कैशबुक के रख–रखाव में अनिमियतताएं पाई गयी।

3. अचल संपत्तियों की भौतिक सत्यापन की प्रणाली:

- नेयुकेसं, मुख्यालय से संबंधित अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन, मार्च 2017 तक का किया गया था।
- लुधियाना, जालंधर, चंडीगढ़ (पंजाब), मंगन (सिक्किम), मंडल निदे ाक–रोहनीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ़) और चंडीगढ़ इकाइयों में परिसम्पतियॉं का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था।

4. इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:

- इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन 2016–17 की अवधि के लिए आयोजित किया गया था।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता: वार्षिक खातों के अनुसार, 31.03.2017 को छह माह से अधिक कोई वैधानिक देय बकाया नहीं था।

अनुलग्नक–ए
(नकारात्मक प्रारंभिक एवं समापन शेष)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	प्रारंभिक शेष	अनुदान प्राप्त	व्यय	समापन शेष	टिप्पणी
1	अंतर्राज्यीय युवा प्रतियोगिता	(3,98,133)	-	-	(3,98,133)	
2	एड्स जागरुकता कार्यक्रम	(37,78,719.00)	-	-	(37,78,719.00)	
3	येस	(1,86,500.00)	-	-	(1,86,500.00)	
4	हैस्को	(69,550.00)	-	-	(69,550.00)	
5	जन शिक्षा (जेएसएसके)	(20,27,174.00)	-	-	(20,27,174.00)	
6	नन्हें घुघरू	(4,89,680.00)	-	-	(4,89,680.00)	
7	राष्ट्रीय युवा संसद	(512,390.00)	-	-	(512,390.00)	
8	निरंतर कार्यशाला	(2,08,532.00)	-	-	(2,08,532.00)	
9	अन्य कार्यक्रम व्यय	(144,187.00)	-	-	(144,187.00)	
10	आरजी राष्ट्रीय युवा दिवस (आरजीएनआईवाईडी)	(6,01,405.00)	-	-	(6,01,405.00)	
11	जल संसाधन प्रबंधन	(1,14,385.00)	-	-	(1,14,385.00)	
12	डब्लुएचओ (युवा दौड़)	(1,495,909.00)	-	-	(1,495,909.00)	
13	पल्स पोलियो के लिए युवा	(351,400.00)	-	-	(351,400.00)	
14	युवा पहल	(8,288,135.00)	-	-	(8,288,135.00)	
15	सीट फ्लेम	(201,969.00)	-	-	(201,969.00)	
16	टीसीएस प्रशिक्षण	(1,02,870.00)	-	-	(1,02,870.00)	
17	वाईएफडी – एनसी	(4,64,141.00)	-	-	(4,64,141.00)	
	शामिल कुल राशि				**(1,94,35,079)**	

अनुलग्नक–बी
(नकारात्मक शेष होने के बावजूद अन्य निधि में व्यय/स्थानान्तरण)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	प्रारंभिक शेष	अनुदान प्राप्त	अर्जित ब्याज	वेतन एवं लेखा कार्यालय में स्थानान्तरण/अन्य परिवर्धन	व्यय	राशि लौटाई	समापन शेष
1	पंचायती युवा क्रीडा अभियान	(5,326,997)		-	-	5,111,761	-	(10,438,758)
2	अन्य कार्यक्रम व्यय	(330,470)		-	-	517,197	-	(847,667)
3	बेस लाईन सर्वे	(2,909,103.00)		-	-	615,031.00	-	(3,524,134.00)
4	आईसीडीएस	(1,659,702.00)		-	-	237,840.00	-	(1897,542.00)
5	आईएसएचएम (आयुष)	(1,231,715)		-	-	92,310.00	-	(1,324,025)
6	केआरवाईसीईपी	(3,634,155.00)		165.24	-	98,611.00	-	(3,732,600.76)
7	केवीआईसी कार्यशाला	(138,682.00)		-	-	7,000.00	-	(145,682.00)
8	एमजी नरेगा	(2,647,918.00)		-	-	382,629.00	-	(3,030,547.00)
9	मेरी पृथ्वी मेरा कर्तव्य	(1,111,061.00)		-	-	282,981.00	-	(1,394,042.00)
10	एनआरआई (भारत जानो कार्यक्रम)	(303,975.00)		-	-	184,049.00	-	(488,024.00)
11	सुप्रभा गंगा यात्रा	(234,231.00)		-	-	2,037,972.00	-	(2,272,203.00)
12	विश्व एड्स दिवस	(527,621.00)		-	-	180,000.00	-	(707,621.00)
13	एकता रैली	(70,894.00)		-	-	30,000.00	-	(100,894.00)
					कुल राशि शामिल			**(2,99,03739)**

अनुलग्नक–सी
(उपलब्ध शेष/प्राप्त अनुदान का व्यय अधिक्य)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	प्रारंभिक शेष	अनुदान प्राप्त	अर्जित ब्याज	वेतन एवं लेखा कार्यालय में स्थानान्तरण/अन्य परिवर्धन	व्यय	राशि लौटाई	समापन शेष
1	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर	24181802	-	62985	-	25972349	-	(1727563)
2	एनवाईएफ–एनएसएस कोन्ट	1755917	-		-	3811000	1755917	(3811000)
3	एडोलसेन्ट कार्यक्रम, युवा कार्यक्रम एवं खेल (जीवन कौशल प्रशिक्षण)	(2878894)	-	10950	-	402288	-	(3270232)
4	पूर्वोत्तर के विभिन्न कार्यक्रम	(20664196)	2403250	-	-	1224510	-	(19485456)
5	आदिवासी आदान–प्रदान कार्यक्रम	(10799863)	19536304	-	-	20011253	-	(11274812)
6	भारत परिक्रमा	-	-	-	-	689675	-	(689675)
							कुल	**(40258738)**

अनुलग्नक–डी
(सकारात्मक व्यय के बावजूद आय पर शून्य ब्याज)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	प्रारंभिक शेष	अनुदान प्राप्त	अर्जित ब्याज	व्यय	लौटाई गई राशि	समापन शेष
1	युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम	16718044			7702522		9015523
2	जागृति भारत उत्सव	1739977					1739977
3	एनएसवी योजना	134676111			2716998		131959113
4	साहसिक कार्यक्रम	1609616			870015		739601
5	भारत जानो कार्यक्रम	137144					137144
6	एनपीवाईएडी योजना	2000000					2000000
7	एनएसएस प्रतिपूर्ति (एकता के लिए दौड़ दिनांक 30.10.5)	55936					55936
8	किशोरावस्था यूएनफपी	58888132			7048173		51839959
9	जम्मू एवं कश्मीर कांउसलिंग	922269			195466		726803
10	जागरूकता पौधा रोपण्	353499					353499
11	नशा के दुष्परिणाम कार्यक्रम (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय)	23565220			2156590	318859	21089771
12	स्वच्छ भारत अभियान	7053900					7053900
13	मासूम मुस्कान	303750					303750
14	जंग ए आजादी	15906217			585394		15320823
15	सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आज़ादी एक्सप्रेस) कार्यक्रम	1194750			313295		881455
16	निर्मल बिहार स्वच्छता कार्यक्रम	204883			21906		182977
17	एनएलएम	4288760					4288760
18	एनआरएचएम	222780					222780
19	पंचायती राज रैली	890031					890031
20	रेड रिबन एक्सप्रेस	4530496			183614		4346882
21	यूनिसेफ	3055202					3055202
22	वीटीए	1281467			167		1281300
23	वीटीसी (अंकुर)	26129					26129
24	विश्व स्वास्थ्य दिवस	51483					51483
25	विश्व जनसंख्या दिवस	1652412			100000		1552412
26	डा. बी.आर अम्बेडकर जयंती	5070405			2878357		2192048
27	वेतन एवं लेखा कार्यालयों में कार्यक्रम निधि	67130566					67130566
28	आरआरई बैलेंस ऑफ बीएस	5328285					5328285
29	राष्ट्रीय मानवता अधिकार आयोग	390000					390000
30	एनएसडीसी द्वारा विश्व कौशल दिवस	1500000					1500000
	कुल						335656109

नेहरु युवा केन्द्र संगठन

वर्ष 2016–17 के लिए नेयुकेसं के खातों पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट में महानिदेशक लेखा (केन्द्रीय व्यय) द्वारा दी गई टिप्पणियों के उत्तर

क्र.सं.	लेखा टिप्पणियों के उत्तर
ए. 1.1.1 (ए)	नेयुकेसं की संरचना में 623 जिला स्तरीय कार्यालय, 29 राज्य स्तरीय कार्यालय और दिल्ली में इसका राष्ट्रीय मुख्यालय है। कुल 2273 स्वीकृत पदों में से लगभग 50: पद रिक्त हैं। पिछले दो दशकों में कोई नया कर्मचारी तैनात नहीं किया गया था। ऋणात्मक शेष के समायोजन के लिए, पिछले 15 वर्षों में योजनाओं के योजना–वार खातों को अन्य प्रमुख शीर्षों के तहत बुक किए गए संबंधित वर्षों में मुख्यालय से वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) को अग्रिमों की सकारात्मक प्रविष्टियों के साथ समायोजन किया जाना है। कार्मिकों की अत्यधिक कमी के बावजूद, लेखा परीक्षा की टिप्पणियों का अनुपालन किया जा रहा है। क्षेत्र के कार्यालयों में अग्रिमों की गणना की गई और धीरे–धीरे वर्ष 2014–15 में रुपये 23.23 करोड़ का अग्रिम वर्ष 2015–16 में घटकर रुपये 16.82 करोड़ और वर्ष 2016–17 में रुपये 14.72 करोड़ हो गया है। जिला और राज्य स्तर के कार्यालयों के लिए नए कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया 2018 में शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2019–20 के अंत तक नेयुकेसं पूर्ण कर्मियों की संख्या के साथ कार्य करेगा और इस तरह ऋणात्मक शेष को समायोजित करने में सक्षम होगा और आवश्यक सुधार किए जायेगें।
ए. 1.1.1 (बी)	छह वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) और मुख्यालय के तुलन पत्र की प्रतियां, संकलन शीट के साथ, जिसमें ऐसी प्रत्येक योजना के आदि शेष, जमा, व्यय, और लौटाई गई राशि को ऑडिट मेमो के जवाब में लेखा परीक्षा के दौरान ऑडिट टीम को प्रदान किया गया था। ऑडिट द्व ारा मांगी गई सभी स्प टीकरण भी दिए गए थे। लेखा परीक्षा को यह भी सूचित किया गया कि मुख्यालय के अतिरिक्त नेयुकेसं के 623 कार्यालय और 28 राज्य कार्यालय है। वित्तीय नियंत्रण के लिए, इसके छह राज्य कार्यालयों को वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) के रूप में अधिकृत किया गया है। प्रत्येक जिला कार्यालय अपनी वित्तीय रिपोर्ट अपने संबंधित वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) को भेजता है जहां इन आंकड़ों को समेकित किया जाता है तथा आय और व्यय खाते के साथ तुलन पत्र, प्राप्ति एवं भुगतान खाते सभी प्रासंगिक अनुसूचियों के साथ नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक/वित्त मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा पोषित स्वायत्त शासी निकायों के खातों को बनाने के स्वीकृत प्रफॉर्म के अनुसार तैयार किया गया है। नेयुकेसं के सभी जिला, राज्य एवं वेतन एवं लेखा कार्यालयों (पीएओ) के खातों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में राज्य महालेखा परीक्षक द्वारा अंकेक्षित किया जाता है। छह वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) और मुख्यालय के तुलन पत्रों के आधार पर नेयुकेसं के समेकित खाते तैयार किए गए हैं। तदनुसार लेखा परीक्षकों को अपेक्षित विवरण प्रदान किए गए थे।

ए. 1.1.2	निम्नलिखित स्थिति को ऑडिट मेमो संख्या 5 के उत्तर में दिनांक 08.03.2019 को बताया गया था कि पिछले वर्ष से ऋणात्मक आरंभिक शेष को आगे लाया गया है। योजनाओं के तहत कोई नया खर्च नहीं किया गया। वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) स्तर पर अग्रिमों के समायोजन के दौरान, कुछ गैर–समायोजित उपयोगिता प्रमाण पत्र का पता लगाया गया और ऋणात्मक शेष राशि वाली योजनाओं के विरुद्ध समायोजित किया गया। इन पूर्व अवधियों के उपयोगिता प्रमाण पत्रों के समायोजन को खातों में शामिल किया गया है। हालांकि, कोई नया व्यय बुक नहीं किया गया है। जैसा कि बिंदु ए.1.1 के उत्तर में बताया गया है – इन ऋणात्मक शेष के समायोजन के लिए गंभीर प्रयास किए गए हैं, हालांकि वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ)/फील्ड कार्यालयों में कार्मियों की कमी के कारण इसे अंतिम रूप तक नहीं पहुंचाया जा सका है।
ए. 1.1.3	लेखा परीक्षा के अनुपालन में वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) द्वारा फील्ड कार्यालयों के अग्रिमों के समायोजन की प्रक्रिया की गई। अग्रिमों के समाशोधन के दौरान कुछ असमायोजित उपयोगिता प्रमाण पत्रों का पता लगाया गया जिन्हें संबंधित योजनाओं में समायोजित किया गया। इन पूर्व अवधियों के उपयोगिता प्रमाण पत्रों के विरुद्ध समायोजन को खातों में शामिल किया गया है। हालांकि, कोई नया व्यय बुक नहीं किया गया है। यह कार्यवाही ऑडिट की टिप्पणियों के अनुपालन में ही की गई है।
ए. 1.1.4	नीति के अनुसार, सभी फील्ड कार्यालयों में केवल एक बैंक खाता है और ऐसे बचत बैंक खाते में अर्जित ब्याज को आय और व्यय खाते की अनुसूची 11 के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा पोषित स्वायत्त शासी निकायों के खातों को बनाने के स्वीकृत प्रफॉर्मे में दिए गए निर्देशों के अनुसार लिया गया है। तुलन पत्र के अनुसूची 2 में ब्याज द्वारा हुए आय को वर्णित किया गया है। कुछ योजनाओं के अलग–अलग योजना–वार खाते मुख्यालय में खोले गए थे, ऐसे खातों में अर्जित ब्याज को संबंधित योजना के अंतर्गत दर्शाया गया है। चूंकि एनएसवी/आरएसवाई योजना को एनवाईसी में विलय कर दिया गया है। अतः शेष पर ब्याज को एनवाईसी कॉलम के तहत दिखाया गया है इसी तरह, मुख्यालय से संचालित विशेष योजना के बैंक खाते में अर्जित ब्याज को योजनावार मुख्यालय की पुस्तकों में दिखाया गया है। यहां यह भी प्रस्तुत करना है कि शेष राशि का कुछ हिस्सा अग्रिमों से संबंधित है, जिसके विरुद्ध व्यय पहले ही हो चुके हैं, लेकिन उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने के कारण इसका लेखा–जोखा नहीं किया जा सका है, ऐसे अग्रिमों के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र की पहचान की जा रही है और समायोजन कार्रवाई के दौरान समायोजित किया गया है। इसलिए, आरंभिक शेष राशि की संपूर्ण राशि नकद में नहीं है जिस पर ब्याज अर्जित किया जा सके।

ए. 1.1.5	कॉर्पस पूंजीगत निधि की बजाय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की निर्धारित/विन्यास निधि के व्यय से अधिक्य को अंतरित करना नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक/वित्त मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा पोशित स्वायत्त शासी निकायों के खातों को बनाने के स्वीकृत प्रफॉर्मे के अनुरुप ही है। नेयुकेसं को प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा कोई कॉर्पस निधि प्रदान नहीं की गई। कॉर्पस/पूंजीगत निधि के स्वायत्त शासी संस्थाओं के लिए खातों के सामान्य प्रारुप से जुड़े निर्देश इस प्रकार से है, ''कॉर्पस/पूंजीगत निधि– शेयर कैपिटल या ओनर्स फंड की पूंजी है। इसमें विशेष रूप से कॉर्पस निधि के योगदान के माध्यम से प्राप्त राशि शामिल होती है, एवं इसमें ऐसे अधिशेष के अतिरिक्त जो किसी अन्य रिजर्व या निर्धारित निधि को अंतरित न किये गये हों के शेष को कॉर्पस शेष में दर्शाया जायेगा। निर्देशों में निर्धारित/विन्यास निधि के बारे में यह भी वर्णन किया गया है, ''अनुदान या सहायता के रूप में प्राप्त की गई राशि, या विशिष्ट या निर्धारित उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संस्था द्वारा रखी गई और शेष के लिए खर्च किए जाने/उपयोग किए जाने के लिए जिसका उपयोग इन उद्देश्यों के लिए किया जाता है, के तहत .... शीर्ष आवश्यक हैं। केंद्र और/या राज्य सरकार से प्राप्त योजना धनराशि को निधि की अलग श्रेणी के रूप में दिखाया जाना चाहिए''। निर्देशों में आगे स्पष्ट किया गया है कि, ''निम्नलिखित की निर्धारित निधि के भाग के रुप में गणना नहीं की जायेगी : **ए) अनुदान/निधि जिसमें प्रवर्तकों के योगदान की विशेषताएं हैं जो कि कॉर्पस निधि में परिवर्धन/अभिवृद्धि प्रकृति के हैं।** नेयुकेसं को प्रदान किए गए अनुदान विशेष रूप से कॉर्पस के निर्माण के लिए नहीं हैं। नेयुकेसं योजना' के तहत प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा नेयुकेसं को प्रदान की गई योजना/गैर योजनागत अनुदान निर्धारित नियमों और शर्तों पर विशिष्ट और निर्धारित उद्देश्य के लिए है। इसमें या तो खर्च करने या ब्याज सहित धन वापसी करने की शर्त है। इसलिए, इसका अधिशेष/कमी निर्धारित निधि (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) को हस्तांतरित किया गया है, जो केन्द्र सरकार द्वारा पोषित स्वायत्त शासी निकायों के खातों को बनाने के स्वीकृत प्रफॉर्मे के अनुरूप ही है।
ए. 2.1.1	एचबीए, कार, स्कूटर/मोटरसाइकिल, कंप्यूटर अग्रिमों सहित लंबी अवधि के अग्रिमों को मुख्यालय द्वारा अनुमोदित किया जाता है और वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) द्वारा आवंटित किया जाता है। अग्रिम राशि और ब्याज की मूल राशि की वसूली वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) द्वारा संबंधित कर्मचारियों के मासिक वेतन से की जाती है और मुख्यालय को प्रेषित की जाती है। एलटीए के लिए रुपये 35.94 लाख, कंप्यूटर अग्रिम रुपये 0.62 लाख और स्कूटर अग्रिम रुपये 3.42 लाख के ऋणात्मक शेष में इस तरह के दीर्घकालिक अग्रिमों पर वसूली गई ब्याज की राशि ामिल है।

ए. 2.1.2	नेयुकेसं के कर्मचारी को 623 जिला और 29 राज्य स्तरीय कार्यालयों में स्थानान्तरित किया जा सकता है। उनके स्थानांतरण और पोस्टिंग में एक वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) से दूसरे वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। एक वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) के साथ काम करते हुए लिये गये अग्रिम को अन्य वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) में समायोजित किया जाता है तो जिस वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) से अग्रिम लिया जाता है वहां सकारात्मक शेष रह जाता है और जिस वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) में अग्रिम समायोजित किया जाता है वहां यह ऋणात्मक शेष रह जाता है। ये सकारात्मक और ऋणात्मक आंकड़े संकलित करते हुए वार्षिक खातों के विवरण में अग्रिमों का कुल प्रभाव दिखाया जाता है। वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) बैंगलोर में एचबीए के ऋणात्मक शेष में कर्मचारियों के वेतन से वसूले गए एचबीए ब्याज की राशि भी शामिल है जो मुख्यालय को नहीं भेजा गया है।
ए. 2.1.3	वर्णित जमा राशि का 2017–18 में नकदीकरण कर लिया गया है।
ए. 2.1.4	मुख्यालय खातों में दिखाई गई राशि मुख्यालय और वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) के बीच गैर समायोजित अग्रिमों से संबंधित है। यह वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) की तुलन पत्र में दिखने वाले ऋणात्मक शेष के समायोजन के परिणाम के विरुद्ध समायोजित किया जाएगा। कार्मियों की अत्यधिक कमी के कारण अभी ऐसा नहीं किया जा सका है।
ए. 2.1.5	नेयुकेसं में 623 जिला स्तरीय कार्यालय, 29 राज्य स्तरीय कार्यालयों और दिल्ली में इसके राष्ट्रीय मुख्यालय के लिए एक संरचना है। कुल 2273 पदों के विरुद्ध, 50% पद रिक्त हैं। पिछले दो दशकों में कोई नया कर्मचारी तैनात नहीं किया गया था। कार्मियों की अत्यधिक कमी के बावजूद, लेखा परीक्षा टिप्पणियों का अनुपालन किया जा रहा है। क्षेत्र के कार्यालयों में अग्रिमों की गणना की गई और धीरे–धीरे वर्ष 2014–15 में रुपये 23.23 करोड़ का अग्रिम, वर्ष 2015–16 में घटकर रुपये 16.82 करोड़ और वर्ष 2016–17 में रुपये 13.65 करोड़ कर दिया गया। अग्रिम को न्यूनतम करने के लक्ष्य के साथ प्रक्रिया अभी भी जारी है। जिला और राज्य स्तर के कार्यालयों के लिए नए कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया 2018 में आरंभ कर दी गई है। उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 2019–20 के अंत तक नेयुकेसं पूरे कर्मियों के साथ काम करेगा और इस तरह के अग्रिमों को समायोजित करने में सक्षम होगा तथा गैर–समायोजित अग्रिम को न्यूनतम करने का प्रयास किया जायेगा।
ए. 2.1.6	ये खाते विशिष्ट योजनाओं के लिए पिछले वर्षों के दौरान मुख्यालय में खोले गए थे। इन योजनाओं के अंतर्गत विगत कई वर्षों से कोई अनुदान नहीं मिला और योजनाओं के तहत कोई खर्च नहीं किया गया क्योंकि ये परिचालन में नहीं है। इन्हें बंद करने/फिर से शुरु करने का निर्णय संबंधित मंत्रालय/विभाग/एजेंसी के साथ सहमति से इन योजनाओं के तहत शेष राशि के अंतिम निपटान के बाद किया जाएगा।
बी.1	सुधार के लिए नोट किया गया।

सी. 1	वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित निवेश के पद्धति के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंकों की सावधि जमा योजनाओं में धन का निवेश भी मान्य है। वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 14.08.2008 को जारी अधिसूचना के पैरा 6 में बताया गया है कि न्यास की निधियों का निवेश प्रत्येक न्यासियों की जिम्मेदारी है और इसके लिए उचित सार्थकता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। निकट भविष्य में उपलब्ध छोटे फंड और नकदी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, सरकारी प्रतिभूतियों और बांडों में समान निवेश करना उचित नहीं था जो दीर्घकालिक निवेश (8 वर्ष और उससे अधिक) के लिए होती है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए और नेयुकेसं के पास उपलब्ध छोटी पूंजी के साथ लंबी अवधि के प्रतिभूतियों में धन का निवेश संभव नहीं है।
सी. 2	31.03.2015 को सेवानिवृत्ति देयताओं का बीमांकिक मूल्यांकन किया गया था। इसमें पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के प्रति देयता का मूल्यांकन शामिल है। प्रशासनिक मंत्रालय से बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभों के तहत देयता दिखाने के लिए अनुमति मांगी गई थी। मंत्रालय की अनुमति प्रतिक्षित है। हालाँकि, इसका संदर्भ वार्शिक लेखों की टिप्पणी में किया गया था।
सी. 3	निर्धारित निधि – युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (नेयुकेसं योजना) के तहत रुपये 74.19 करोड़ की शेष राशि में वर्ष 2008–09 से 2016–17 के दौरान अर्जित ब्याज और विविध आय के रुपये 46.90 करोड़ शामिल हैं। नेयुकेसं ने संचित ब्याज की राशि के पुनः वैधीकरण के लिए प्रशासनिक मंत्रालय से अनुरोध किया था। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के पत्र दिनांक 25.04.2019 के निर्देशों के अनुसार नेयुकेसं द्वारा जुलाई 2019 में संचित ब्याज और विविध आय को भारत सरकार के समेकित निधि में जमा करा दिया गया है।
सी. 4	2016–17 के वार्षिक खातों के संकलित होने तक घाटे की मात्रा का आकलन नहीं किया जा सका।
सी. 4	वर्ष 2018–19 के वार्षिक खातों में संशोधन के लिए नोट किया गया जोकि अभी संमेकित किए जा रहे हैं।
सी. 5.1	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.2	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.3	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.4	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.5	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.6	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.7	तुलन पत्र को संमेकित करते समय वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) स्तर पर केन्द्र कार्यालयों की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास चार्ज किया जाता है।
सी. 5.8	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.9	अनुपालन के लिए नोट किया गया।
सी. 5.10	अनुपालन के लिए नोट किया गया।

NYKS

नेहरु युवा केन्द्र संगठन

विश्व का सबसे बड़ा युवा नेटवर्क

साथ साथ

कल की ओर...

Nehru Yuva Kendra Sangathan

4, Jeewandeep Building, Sansad Marg

New Delhi-110001, Ph.: 011-23442800

Jaina Offset Printers: 9873149889, 9811269844